हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● गुरुवार ● 12.02.2026 ● वर्ष : 16 ● अंक : 198 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

एक नजर

सारंडा में आईईडी ब्लास्ट, दो ग्रामीण गंभीर रूप से घायल

पश्चिमी सिंहभूम : झारखंड स्थित पश्चिमी सिंहभूम जिला के सारंडा जंगल में आईईडी ब्लास्ट होने का मामला सामने आया है। बताते चलें कि, सारंडा अति संवेदनशील नक्सल प्रभावित क्षेत्र के अंतर्गत आता है। सारंडा के तिरीलपोशी जंगल में आईईडी विस्फोट हुआ जिसमें दो लोगों को गंभीर रूप से घायल होने की सूचना है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, तिरीलपोशी गांव के कुछ ग्रामीण रोजमर्रा की जरूरतों के लिए जंगल में लकड़ी और पत्ते इकट्ठा करने गए थे। इसी दौरान जमीन के भीतर छिपाकर लगाए गए प्रेशर आईईडी पर एक ग्रामीण का पैर पड़ गया। जिससे जोरदार धमाका हुआ वहीं, इस धमाके में दो लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और सुरक्षा बल मौके पर पहुंचे। वहीं, एसपी अमित रेणु ने बताया कि हादसा अंधेरा होने के बाद हुआ। उन्होंने कहा कि फिलहाल, घायलों को सुरक्षित निकालकर बेहतर इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है और इसके साथ ही इलाके में सर्च ऑपरेशन भी तेज कर दिया गया है।

9600 करोड़ के घोटाले में गिरिडीह से युवक गिरफ्तार

गिरिडीह : तमिलनाडु के कोयंबटूर में दर्ज 9600 करोड़ रुपये के बहुचर्चित वित्तीय घोटाले के मामले में क्राइम ब्रांच क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट (सीबी-सीआईडी) की टीम ने झारखंड के गिरिडीह जिले से एक युवक को गिरफ्तार किया है। सोमवार को जमुआ थाना क्षेत्र के निजामगंज में छापेमारी कर 41 वर्षीय गुलशन कुमार दराद को हिरासत में लिया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह बड़ा वित्तीय घोटाला जनवरी माह में तमिलनाडु के कोयंबटूर में दर्ज किया गया था। मामले की जांच वहां की सीबी-सीआईडी टीम कर रही है। जांच के दौरान मिले साक्ष्यों के आधार पर टीम गिरिडीह पहुंची और स्थानीय पुलिस की मदद से कार्रवाई की।

विधानसभा में एनईवीए सेवा केंद्र का उद्घाटन, विधायकों को वितरित किए गए टैबलेट

राष्ट्रीय ई-विधान एप्लीकेशन के उपयोग से विधायी कार्य होंगे डिजिटल : हेमन्त सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

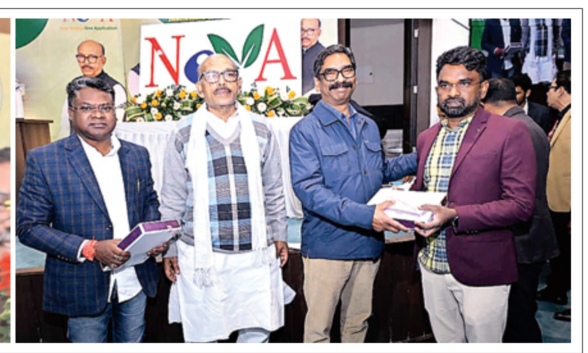

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन बुधवार को झारखंड विधान सभा में आयोजित षष्ठम विधान सभा के पंचम (बजट) सत्र-2026 में राष्ट्रीय ई-विधान एप्लीकेशन (एनईवीए) परियोजना के तहत प्रशिक्षण एवं टैबलेट वितरण कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने झारखंड विधान सभा में एनईवीए सेवा केंद्र का विधिवत उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने अपने संबोधन में कहा कि झारखंड विधान सभा में एनईवीए सेवा केंद्र के रूप में एक नया अध्याय जुड़ रहा है। बुधवार को एनईवीए सेवा केंद्र का यहां विधिवत उद्घाटन हुआ है। राष्ट्रीय ई-विधान एप्लीकेशन के माध्यम से कई चीजें आसान होगी। इस एप्लीकेशन के माध्यम से विधान सभा के सदस्यगण विधायी कार्यों को सरलता और समयबद्ध तरीके से संपन्न कर सकेंगे। माननीय सदस्यगणों को अब विधान सभा सत्र के दौरान देर रात में यहां पहुंचकर प्रश्नों को डालने सहित अन्य कागजी प्रक्रियाओं के लिए आने की जरूरत नहीं पड़ेगी। साथ ही साथ विधान सभा कर्मियों को भी ड्यूटी में सहूलियत होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में लगभग 20 राज्यों के विधान सभा में राष्ट्रीय ई-विधान एप्लीकेशन (एनईवीए) के माध्यम से डिजिटल एवं पेपरलेस तरीके से विधायी कार्यों को सम्पन्न करने की शुरूआत हो चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हर्ष का विषय है कि आज झारखंड विधान सभा में सदस्यों को इस एप्लीकेशन से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी से अवगत कराया जा रहा है तथा उन्हें टैबलेट भी प्रदान किया जा रहा ताकि कार्यों का संपादन डिजिटल रूप से सरलता पूर्वक किया जा सके। आगामी विधान सभा सत्र में भी इस एप्लीकेशन के माध्यम से कई कार्य संपन्न होंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में मोबाइल फोन के माध्यम से लोग बैंकिंग सहित कई ऑफिशियल कार्य भी आसानी से संपन्न करते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य गठन के 25 वर्ष हो चुके हैं, धीरे-धीरे ही सही पर झारखंड अब बेहतर दिशा की ओर आगे बढ़ रहा है। अध्यक्ष, झारखंड विधान सभा के प्रयास से विधान सभा में सभी कार्य डिजिटल यानी कि पेपरलेस की ओर अग्रसर हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब डिजिटल माध्यम से बेहतर कम्युनिकेशन बनेगा जिससे सदस्यों को काफी सुविधा होगी। पहले समन्वय के अभाव से कई दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। राष्ट्रीय ई-विधान एप्लीकेशन के उपयोग से अब कागजों के बंडलों की ढ़ेर में भी कमी आएगी तथा कार्यों में रफ्तार भी देखने को मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी डिजिटल एप्लीकेशन का उपयोग करने से पहले कुछ चुनौतियां भी रहती हैं उन चुनौतियों के संदर्भ में आज यहां माननीय सदस्यों के लिए प्रशिक्षण सत्र भी रखा गया है। वर्तमान समय में साइबर अपराध एक चुनौती है। सदस्यों के किसी भी प्रश्नों में कोई हेर-फेर न हो, कागजी प्रक्रिया में कोई बाधा न हो इस निमित्त ठीश्अ सिक्योरिटी से संबंधित सारी जानकारी से अवगत रहने की जरूरत है ताकि इन सब चीजों से बचा जा सके।

मौके पर अध्यक्ष झारखंड विधान सभा रबीन्द्र नाथ महतो एवं मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के द्वारा सभी मंत्रीगण एवं विधायकगणों को टैबलेट प्रदान किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष झारखंड विधानसभा रबीन्द्र नाथ महतो, सभी मंत्रीगण, विधायकगण सहित अधिकारीगण एवं विधानसभा कर्मीगण उपस्थित रहे।

महाशिवरात्रि महोत्सव 2026 के लिए मुख्यमंत्री को आमंत्रण

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से बुधवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में श्री शिव बारात आयोजन महासमिति, पहाड़ी मंदिर रांची के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री को प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने आगामी 15 फरवरी 2026 को महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर आयोजित होने वाले महोत्सव में सम्मिलित होने हेतु सादर आमंत्रित किया। मौके पर प्रतिनिधिमंडल में शामिल सदस्यों ने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को महाशिवरात्रि महोत्सव-2026 को आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों से अवगत कराया तथा मुख्यमंत्री से सपरिवार महोत्सव में सम्मिलित होने का विनम्र आग्रह किया। इस अवसर पर श्री शिव बारात आयोजन महासमिति पहाड़ी मंदिर के संरक्षक राजीव रंजन प्रसाद, अध्यक्ष राजेश साहू सहित बादल सिंह, रिवाल्डो वर्मा, शुभाशीष चटर्जी, राम सिंह एवं अन्य उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री से शिवरात्रि महोत्सव समिति बैद्यनाथधाम के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से आज झारखंड विधान सभा में शिवरात्रि महोत्सव समिति बैद्यनाथधाम-देवघर के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री को प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने आगामी 15 फरवरी 2026 को महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर देवघर में आयोजित होने वाले भव्य शिव बारात कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सम्मिलित होने हेतु सादर आमंत्रित किया। मौके पर प्रतिनिधिमंडल में शामिल सदस्यों ने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को शिव बारात आयोजन से संबंधित की जा रही तैयारियों से अवगत कराया तथा मुख्यमंत्री से सपरिवार कार्यक्रम में सम्मिलित होने हेतु आग्रह किया। इस अवसर पर विधायक देवघर सुरेश पासवान, शिवरात्रि महोत्सव समिति बैद्यनाथधाम-देवघर के अध्यक्ष अभिषेक आनंद झा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

चुनाव आयोग का बड़ा आदेश, तीन साल से एक ही जगह तैनात अधिकारियों का होगा तबादला

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले निर्वाचन आयोग ने तीन वर्ष से अधिक समय से एक ही पद या जिले में तैनात प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों के तबादले का निर्देश दिया है। बुधवार को आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

निर्देश के अनुसार यह आदेश जिलाधिकारी, अतिरिक्त जिलाधिकारी, प्रखंड विकास अधिकारी, उप-मंडलाधिकारी और अन्य जिला स्तरीय प्रशासनिक अधिकारियों पर लागू होगा। इसके साथ ही पुलिस महानिरीक्षक (आईजी), उप-महानिरीक्षक (डीआईजी), पुलिस अधीक्षक (एसपी) और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को भी स्थानांतरित किया जाएगा।

निर्वाचन आयोग के अधिकारी ने कहा कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए यह निर्णय लिया गया है। जिन अधिकारियों ने किसी विशेष जिले या पद पर तीन वर्ष से अधिक समय पूरा कर लिया है, उन्हें स्थानांतरित करना अनिवार्य होगा।

दुबई से झारखंड के 11 मजदूरों की वतन वापसी, एयरपोर्ट पर दिखी राहत की मुस्कान, सरकार की पहल से लौटे प्रवासी श्रमिक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : दुबई में फंसे झारखंड के 14 प्रवासी मजदूरों में से 11 मजदूरों की बुधवार को सकुशल वतन वापसी हो गई। सभी मजदूर नेताजी सुभाष चंद्र बोस इंटरनेशनल एयरपोर्ट, कोलकाता पहुंचे, जहां समाजसेवी सिकन्दर अली ने उन्हें रिसीव किया। इसके बाद सभी को बस से हावड़ा स्टेशन के लिए रवाना किया गया, ताकि वे अपने-अपने घरों तक पहुंच सकें। वतन लौटने के बाद मजदूरों के चेहरों पर राहत और खुशी साफ झलक रही थी। उन्होंने कहा कि यदि अपने देश में ही बेहतर रोजगार की व्यवस्था हो जाए तो उन्हें विदेश जाने की जरूरत ही नहीं पड़े। उनका कहना था कि देश के हुनरमंद मजदूरों को पर्याप्त अवसर नहीं मिलने के कारण मजबूरी में विदेश का रुख करना पड़ता है।ये सभी मजदूर अक्टूबर 2025 में एटउ कंपनी के तहत ट्रांसमिशन लाइन में काम करने दुबई गए थे। आरोप है कि कंपनी ने काम के बदले मजदूरी का भुगतान नहीं किया और तय समय से अधिक काम लिया जाता था। रहने और खाने-पीने की सुविधाओं में भी दिक्कतें थीं। परेशान मजदूरों ने एक वीडियो भेजकर अपनी स्थिति साझा की और सरकार से मदद की गुहार लगाई थी। मामले के सामने आने के बाद झारखंड सरकार और केंद्र सरकार ने हस्तक्षेप किया। समन्वय के बाद मजदूरों की वापसी सुनिश्चित की गई। प्रवासी मजदूरों के हित में काम कर रहे समाजसेवी सिकन्दर अली ने कहा कि रोजी-रोटी के लिए लोग विदेश जाते हैं, लेकिन कई बार वहां शोषण और कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है।

बजट 2026 : सिर्फ वादे नहीं, रोजगार और स्टार्टअप्स के लिए ठोस रोडमैप तैयार : वित्त मंत्री

एजेंसी

नयी दिल्ली : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को बजट बहस पर लोकसभा को संबोधित किया। लोकसभा को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट की रणनीतिक प्राथमिकताओं के बारे में बताया और इससे जुड़े तथ्यों को सुव्यवस्थित तरीके से सदन के पटल पर रखा। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार ने श्रम प्रधान क्षेत्रों को बजट में प्राथमिकता दी है। इसके तहत बायोफार्मा सेक्टर पर विशेष ध्यान दिया गया है।

स्टार्टअप्स के विस्तार के लिए उन्हें बड़े डोमेन उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता जताते हुए वित्त मंत्री ने साफ किया है कि मेगा टेक्सटाइल पार्कों के विकास के लिए केंद्र सरकार राज्यों के साथ मिलकर काम करने को पूरी तरह तैयार है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, इस बजट में सकल कर प्राप्तियां 44.04 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है। यह 2025-26 के अनुमानित राजस्व से लगभग 8% अधिक है, यानी इसमें 3.26 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है। यदि हम 2026-27 के कुल व्यय को देखें, तो यह 53.47 लाख करोड़ रुपये है, जो हमारी कर प्राप्तियों से कहीं अधिक है। पूंजीगत व्यय 12.22 लाख करोड़ रुपये आंका गया है, जो जीडीपी का 3.1% है और 2025-26 के अनुमानित राजस्व से 11.5% अधिक है...।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट पर परिचर्चा के दौरान लोकसभा में बोलते हुए कहा, 16वें वित्त आयोग ने 2018-19 से 2022-23 तक केंद्र की ओर से राज्यों को हस्तांतरित किए गए राज्य के हिस्से का विश्लेषण किया और निष्कर्ष निकाला कि इन सभी वर्षों में केंद्र की ओर से किया गया हस्तांतरण वित्त आयोग की सिफारिश से बिल्कुल मेल खाता है। इसलिए, हम अकेले नहीं हैं जो यह दावा कर रहे हैं। वित्त आयोग ने स्वयं इसका विस्तृत अध्ययन करने के बाद अपनी रिपोर्ट में कहा है कि 2018-19 से 2022-23 तक के वित्तीय वर्षों के लिए राज्य सरकारों को जो भी राशि जानी थी, वह दी जा चुकी है। राज्यों के लिए इसमें किसी भी प्रकार के संदेह की कोई गुंजाइश नहीं है।

मुरकंगसेलेक-पासीघाट रेल परियोजना का पहला चरण तैयार, सीआरएस करेंगे दो दिवसीय जांच

एजेंसी

मालीगांव : पूर्वोत्तर सीमांत परिमण्डल के रेल संरक्षा आयुक्त (सीआरएस) सुमीत सिंघल 12 और 13 फरवरी, 2026 को नवनिर्मित मुरकंगसेलेक-सिल्ले सेक्शन (लगभग 15.60 कि.मी.) का दो दिवसीय रणनीतिक निरीक्षण करेंगे। यह सेक्शन पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) के तिनसुकिया मंडल के अधीन 26.15 कि.मी. लंबा मुरकंगसेलेक-पासीघाट नई रेल लाइन परियोजना का पहला चरण है। इस निरीक्षण के सफलतापूर्वक पूरा होने और उसके बाद अनुमोदन मिलने से माल और यात्री दोनों प्रकार की सेवाओं के लिए सिल्ले तक नियमित ट्रेन परिचालन शुरू करने का मार्ग स्पष्ट हो जाएगा, जिससे इस इलाके में रेल कनेक्टिविटी को बढ़ावा मिलेगा। निरीक्षण के दौरान, सीआरएस के साथ एनएफआर निर्माण संगठण के वरिष्ठ अधिकारी भी होंगे, जिनके पर्यवेक्षण में यह कार्य किया गया है।

यह निरीक्षण मुरकंगसेलेक स्टेशन से 08:30 बजे शुरू होगा। मुरकंगसेलेक-पासीघाट नई रेल लाइन परियोजना 26.15 कि.मी. लंबा है, जो असम के मुरकंगसेलेक से शुरू होकर अरुणाचल प्रदेश के पासीघाट तक फैला है। इस परियोजना को दो चरणों में बांटा गया है – चरण-1: मुरकंगसेलेक-सिल्ले (15.60 कि.मी.) और चरण-2: सिल्ले-पासीघाट (10.55 कि.मी.)। इस अलाइनमेंट में तीन नए स्टेशन- सिल्ले, लाबो और पासीघाट हैं। इसके अलावा कई बड़े और छोटे पुल, रोड ओवर ब्रिज (आरओबी), रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) आदि भी शामिल है। संपूर्ण 26.15 कि.मी. की परियोजना पूरी होने पर, यह लाइन अरुणाचल प्रदेश के लोगों की असम और देश के बाकी हिस्सों से कनेक्टिविटी को काफी बेहतर बनाएगी। इस परियोजना से क्षेत्र में छोटे उद्योगों, पर्यटन और व्यापार को बढ़ावा देकर आर्थिक विकास में मदद मिलने की उम्मीद है।

एक नजर

भाजपाइयों ने मनाई पंडित दीनदयाल की पुण्यतिथि

बरही : बरही धनबाद रोड स्थित भाजपा कार्यालय में भाजपाइयों ने बुधवार को पंडित दीनदयाल की पुण्यतिथि मनाई। अध्यक्षता बरही पश्चिमी मंडल अध्यक्ष नागेश्वर रजक ने की । इस मौके पर भाजपाइयों ने उनकी फोटो पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस दौरान बरही पश्चिमी मंडल अध्यक्ष नागेश्वर रजक ने कहा कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को मुख्यधारा में लाने के लिए संपूर्ण जीवन समर्पित करने वाले, एकात्म मानववाद व अंत्योदय के प्रणेता एवं भारतीय जनसंघ के संस्थापक पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने अपना जीवन समर्पित कर दिया। जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर ने कहा पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने मानवतावाद को आगे बढ़ाया। किसानों एवं शोषितों के उत्थान के लिए सदैव तत्पर रहे, और राष्ट्र एवं संगठन के निर्माण में इनका योगदान हम सभी के लिए अनुकरणीय है। मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, सांसद प्रतिनिधि भगवान केशरी, मुखिया प्रतिनिधि हरेंद्र गोप, भाजपा नेता रंजीत चंद्रवंशी, सांसद प्रतिनिधि मोतीलाल चौधरी, जिप प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता, पंसस गुरुदेव गुप्ता, सांसद प्रतिनिधि मणिलाल यादव, राजू रजक, पंकज बर्नवाल एवं राजकुमार प्रसाद केशरी समेत कई अन्य भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

पारपैन-सिकरी में महाशिवरात्रि पूजा आयोजन हेतु नई समिति गठित

बड़कागांव : महाशिवरात्रि पूजा करने को लेकर पारपैन-सिकरी में भव्य धार्मिक अनुष्ठान की तैयारियाँ जोरों पर हैं। इस वर्ष यहाँ वैदिक श्री 1008 श्रीरामचरितमानस पाठ, अखंड हरिनाम कीर्तन, महायज्ञ एवं विशाल भगवती जागरण का आयोजन सुनिश्चित किया गया है। कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए ग्रामीणों की एक विशेष बैठक आयोजित की गई, जिसमें सर्वसम्मति से पूजा समिति का गठन कर पदाधिकारियों का चयन किया गया। आगामी महायज्ञ के सफल संचालन के लिए चंद्रनाथ महतो को अध्यक्ष और भोला महतो को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं, महेंद्र महतो सचिव और तालेश्वर कुमार महतो उपसचिव के रूप में कार्यभार संभालेंगे,कोषाध्यक्ष: योगेश्वर प्रसाद महतो संचालक: अरुण कुमार महतो,संरक्षक: प्रभु महतो (मुखिया), सुमन कुमारी (प. स. स), गोदन महतो एवं दामोदर महतो, संयोजक: विनोद कुमार महतो उपसंयोजक: देवदीप कुमार पूजा प्रभारी: निर्मल महतो। समिति के नवनियुक्त अध्यक्ष चंद्रनाथ महतो ने बताया कि महाशिवरात्रि के इस शुभ अवसर पर क्षेत्र की सुख-शांति और समृद्धि के लिए महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। भगवती जागरण के दौरान ख्याति प्राप्त कलाकारों द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी।

चौपारण पुलिस फरार आरोपियों के घर चिपका इश्तिहार

चौपारण : चौपारण थाना कांड संख्या 181/22, धारा 17(सी)/18(सी) के फरार नामजद अभियुक्त शंकर यादव (पिता स्व. भुनेश्वर यादव, ग्राम- छोटकी छापी भलुआ, थाना- बाराचट्टी, जिला- गया, बिहार) एवं रंजय केआर यादव (पिता- देवकी यादव, ग्राम- पकरी, थाना- राजपुर, जिला- चतरा) के विरुद्ध माननीय न्यायालय द्वारा निर्गत इश्तिहार का संबंधित थाना के सहयोग से उनके पैतृक आवास पर विधिवत डुगडुगी बजाकर तामील कराया गया। पुलिस ने बताया कि निर्धारित समय सीमा के भीतर आत्मसमर्पण नहीं करने की स्थिति में अभियुक्तों के विरुद्ध विधिसम्मत कुर्की की कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने फरार अभियुक्तों को शीघ्र न्यायालय के समक्ष आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी है।

रहस्यमयी हालात में युवक की मौत पांच दिन बाद कुएं से मिला शव

आजसू नेता मोनू अख्तर ने जताया शोक, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखंड क्षेत्र के औलाद कॉलोनी निवासी 24 वर्षीय युवक शानवाज आलम उर्फ सोनू का शव लापता होने के पांच दिन बाद एक सुनसान बीड़ी गोदाम के पास स्थित कुएं से बरामद हुआ। घटना से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है।मिली जानकारी के अनुसार, युवक की माँ मुस्तरी खातून (पति मो० महताब आलम) ने चौपारण थाना में आवेदन देकर बताया था कि सोनू 6 फरवरी 2026 की शाम करीब 6 बजे घर से चौपारण बाजार किसी काम से गया था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। परिजनों ने आसपास के गांवों, रिश्तेदारों एवं परिचितों के यहां काफी खोजबीन की, परंतु उसका कोई पता नहीं चल सका। बुधवार को स्थानीय लोगों ने चतरा मोड़ के समीप एक सुनसान बीड़ी गोदाम के पास स्थित कुएं में एक शव देखा और इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी के निर्देश पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की मदद से शव को कुएं से बाहर निकाला गया। सोशल मीडिया पर खबर फैलने के बाद परिजन पहुंचे और शव की पहचान शानवाज आलम उर्फ सोनू के रूप में की। थाना प्रभारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है तथा मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा। इधर, आजसू नेता मोनू अख्तर ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना जताई। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

सरकारी सुविधाओं का लाभ हर बच्चे तक पहुंचे : मुखिया रेखा देवी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : पाण्डेयबारा पंचायत के गांव कमलवार स्थित उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय कमलवार का निरीक्षण पंचायत की मुखिया रेखा देवी ने किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में कुल 80 विद्यार्थियों की उपस्थिति रही। निरीक्षण के क्रम में विद्यालय परिसर में सेपरेट बाउंड्री वॉल की घोर कमी सामने आई। मध्यान भोजन के समय बच्चों को विद्यालय से बाहर, सड़क के समीप बैठकर भोजन करना पड़ता है, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। इस पर मुखिया रेखा देवी ने गहरी चिंता व्यक्त करते हुए शीघ्र आवश्यक पहल का आश्वासन दिया। मुखिया ने कहा कि सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को सरकार द्वारा मिलने वाली सभी सुविधाओं की जानकारी दी जानी चाहिए, ताकि कोई भी बच्चा अपने अधिकारों और सुविधाओं से वंचित न रहे। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन को इस दिशा में विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। मौके पर विद्यालय की प्रधानाध्यापिका गौरी कुमारी, शिक्षिका शैकरा निशा तथा शिक्षक महेश साव, इकबाल अंसारी सहित कई लोग मौजूद थे।

चौपारण पहुंचे जयंत सिन्हा, फ्लाईओवर व दनुआ घाटी कार्यों का किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : क्षेत्र में लंबित अधोसंरचना परियोजनाओं को लेकर हजारीबाग के पूर्व सांसद जयंत सिन्हा बुधवार को चौपारण पहुंचे। दौरे का मुख्य उद्देश्य केंदुआ मोड़ स्थित निमार्णाधीन फ्लाईओवर और दनुआ घाटी में चल रहे सुधार कार्यों की प्रगति का आकलन करना रहा। निरीक्षण के दौरान उनके साथ भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। केंदुआ मोड़ पर फ्लाईओवर स्थल का जायजा लेते हुए पूर्व सांसद ने निर्माण कार्य की गति, गुणवत्ता और सुरक्षा व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि परियोजना को तय समयसीमा में पूरा करने के लिए कार्य में तेजी लाई जाए तथा निर्माण के दौरान आमजन की सुविधा और यातायात सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता हो। स्थानीय स्तर पर उत्पन्न होने वाली बाधाओं के समाधान को लेकर भी उन्होंने आवश्यक निर्देश दिए। दनुआ घाटी क्षेत्र में चल रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए जयंत सिन्हा ने सड़क सुरक्षा उपायों और यातायात प्रबंधन पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने घाटी क्षेत्र में दुर्घटनाओं की आशंकाओं को कम करने हेतु प्रभावी एवं स्थायी उपायों की आवश्यकता पर बल दिया। एनएचएआई अधिकारियों ने उन्हें वर्तमान कार्यों और आगामी योजनाओं की जानकारी दी। मीडिया से बातचीत में पूर्व सांसद ने बताया कि चौपारण की महत्वपूर्ण समस्याओं को लेकर उन्होंने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर फ्लाईओवर निर्माण और दनुआ घाटी सुधार कार्यों को प्राथमिकता देने का आग्रह किया था। उनके अनुसार, केंद्रीय स्तर पर त्वरित संज्ञान के बाद दनुआ घाटी में रेड टेपरिंग जैसे कार्य प्रारंभ हुए और फ्लाईओवर परियोजना को भी गति मिली।

भाजपा 'पूर्वी मंडल' की कार्यशाला में 'विकसित भारत मिशन गारंटी योजना' पर हुई चर्चा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : भाजपा के 'बड़कागांव पूर्वी मंडल' (उरीमारी) द्वारा गोसाई बलिया पंचायत भवन परिसर में विकसित भारत मिशन गारंटी योजना को लेकर एक महत्वपूर्ण जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य केंद्र सरकार की नई योजनाओं और ग्रामीण विकास के विजन को जन-जन तक पहुंचाना था। कार्यशाला की अध्यक्षता विजय यादव ने की, जबकि मंच का सफल संचालन सुमन गिरी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक लोकनाथ महतो, प्रदेश कार्य समिति सदस्य अनिल मिश्रा और जुगनू सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम को शुरू करने से पहले श्यामा प्रसाद मुखर्जी तथा पंडित दीनदयाल उपाध्याय की तस्वीर में पुष्पांजलि अर्पित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनिल मिश्रा ने योजना की बारीकियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि ग्रामीण विकास और रोजगार को नई गति देने के लिए मनरेगा में महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं अब इसे वि बी जी राम जी (विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन - ग्रामीण) के नाम से जाना जाएगा। अब मजदूरों को सालाना 100 दिन के स्थान पर 125 दिन का सुनिश्चित रोजगार मिलेगा। पहले जहां भुगतान के लिए ज्यादा दिनों का इंतजार करना पड़ता था, वहीं अब इसे साप्ताहिक (हर हफ्ते) करने की व्यवस्था की गई है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य साल 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के सपने को ग्रामीण स्तर पर साकार करना है। पूर्व विधायक लोकनाथ महतो और जुगनू सिंह ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार की इन योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचना चाहिए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे गांव-गांव जाकर लोगों को इन नए बदलावों के प्रति जागरूक करें।

सीएसआर मद से कोबरा को कई उपयोगी सामान उपलब्ध कराना बेहतर पहल : पवन कुमार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : भारतीय स्टेट बैंक की बरही शाखा की ओर से सीएसआर मद से कोबरा 203 में कई उपयोगी सामग्री सौंपी गई। कोबरा 203 में आयोजित कार्यक्रम में बैंक के वरिष्ठ अधिकारी डीजीएम विजय कुमार, क्षेत्रीय प्रबंधक राजीव कुमार सिंह एवं ब्रांच मैनेजर बरही पंकज कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से कोबरा बटालियन 203 के कमांडेंट पवन कुमार सिंह एवं द्वितीय कमान अधिकारी गौरव कुमार को वॉटर कूलर ,एयर कुलर , स्टैंड पंखा, वाटर डिस्पेंसर, वाटर कैम्पर सौंपा। इस अवसर पर डीजीएम विजय कुमार ने कहा कि एसबीआई ने अपनी सीएसआर गतिविधि के तहत कोबरा बटालियन के जवानों की सुविधा के लिए जरूरी का सामान उपलब्ध कराया है ताकि जवानों को और स्वच्छ एवं शुद्ध पेयजल की आपूर्ति हो सके। आर एम राजीव कुमार ने कहा कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य सुरक्षा बलों के कल्याण में योगदान देना और उन्हें स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर कमांडेंट पवन कुमार सिंह ने कहा कि भारतीय स्टेट बैंक बैंकिंग के साथ साथ सामाजिक दायित्व का निर्वहन भी बेहतर तरीके से करता है। सीएसआर मद से जो सुविधाएं उपलब्ध कराई गई है वह कोबरा के लिए उपयोगी है। इस तरह के कार्यक्रम से आपसी संबंध मधुर बनता है। द्वितीय कमान अधिकारी गौरव कुमार ने कहा कि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की बरही शाखा ने सामाजिक दायित्व के तहत जो सुविधा उपलब्ध कराई है, वह बेहतर पहल है। मौके पर कई जवान एवं अधिकारी मौजूद रहे।

डिग्री कॉलेज बरही में 'सप्तशक्ति संगम' कार्यशाला का हुआ आयोजन, महिला सशक्तिकरण और सांस्कृतिक विरासत पर जोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : कोडरमा जिला अंतर्गत चंदवारा प्रखंड स्थित डिग्री कॉलेज बरही हजारीबाग में महाविद्यालय एवं विद्या विकास शिक्षण संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में आज 11 फरवरी 2026 को सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम के तहत एक दिवसीय कार्यशाला का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य महिला सशक्तिकरण, सांस्कृतिक मूल्यों के संवर्धन और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था, जिसमें चंदवारा ग्राम की महिलाओं ने भारी संख्या में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यशाला का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती माता के तस्वीर पर माल्यार्पण के साथ हुआ, जिसने पूरे वातावरण को सकारात्मक ऊर्जा से भर दिया। कार्यक्रम की शुरूआत महाविद्यालय के बहनों द्वारा सरस्वती वंदना मनमोहन समूह गीतों से हुई, जिसने सबका मन मोह लिया। इस अवसरबपर श्वेता सिन्हा ने कार्यशाला की प्रस्तावना पर अपने सारगर्भित संबोधन से सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम के उद्देश्यों को स्पष्ट किया। मुख्य अतिथि पूनम सिंह विभाग संयोजक विद्या विकास भारती हजारीबाग ने कुटंब प्रबोधन और पर्यावरण संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रकाश डालते हुए बिखरते संयुक्त परिवार के नुकसान से अवगत कराया एवं अपने भारतीय संस्कृति परंपरा और गौरव का बोध कराया और सभी को इन क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। एकता कुमारी ने 'भारत के विकास में महिलाओं का योगदान' विषय पर सशक्त उद्बोधन दिया, जिसमें उन्होंने महिलाओं की शक्ति और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका पर बल दिया। अतिथियों ने विशेष रूप से भारतीय संस्कृति और परिवार को एकजुट रखने में महिलाओं की भूमिका की सराहना की और उन्हें प्रेरणादायक बातें बताईं। उनका संदेश था कि महिलाएं ही समाज की आधारशिला हैं और उनके बिना कोई भी राष्ट्र पूर्ण नहीं हो सकता। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला परिषद की सदस्य नीतू यादव जी ने मातृ शक्ति को अपने अंदर छिपे साथ गुना को एहसास करने एवं जीवन में धारण करने के लिए प्रेरित किया। अंत में डिग्री कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जय प्रकाश आनंद ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज में सकारात्मक बदलाव लाने और महिलाओं को उनकी शक्ति का एहसास कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह कार्यशाला न केवल ज्ञानवर्धक रही, बल्कि इसने महिलाओं को सामाजिक और पारिवारिक मूल्यों के प्रति जागरूक करने का एक सफल मंच भी प्रदान किया।

संक्षिप्त खबरें

22 फरवरी को रसोइया धमना में हिंदू सम्मेलन का आयोजन, तैयारी को लेकर हुई बैठक

बरही : आगामी 22 फरवरी 2026 को रसोइया धमना में सनातन हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस सम्मेलन को सफल बनाने को लेकर एकल विद्यालय संच प्रमुख सुनैना देवी की अध्यक्षता में मंगलवार को भगवती मंदिर रसोईया धमना में बैठक हुई। बैठक 27 मातृशक्ति की उपस्थिति में हनुमान चालीसा पाठ के साथ प्रारंभ हुई। यत्र नारयस्तु पूज्यंते, रमंते तत्र देवता। भारतीय सनातन संस्कृति में धर्म संस्कृति को मर्यादित बनाएं रखने का कार्य में नारी शक्ति का योगदान सर्वोपरी रहा हैं। रसोईया धमना में लगभग 550 हिन्दू घर। उक्त सम्मेलन में रसोईया धमना ग्राम में आयोजित होने के नाते शत प्रतिशत घरों से उपस्थिति बनाएं जा सके इसके लिए घर-घर संपर्क अभियान योजनाबद्ध करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। बरही के समाजसेवी त्रिवेणी साव ने सभी को हिंदू सम्मेलन की महता पर प्रकाश डाला। उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सुनैना देवी, शोभा रानी,रिंकी देवी, संजु देवी, आरती देवी ने सतत कार्य करने का संकल्प लिए। शोभा रानी ने अपने आशीर्वचन में उपस्थित सभी नारीशक्ति को अपने शौर्य-कर्तृत्व प्रस्तुत करने का पावन अवसर को भरपूर उपयोग करने का संदेश दिए। संजय कुमार जी ने तन मन धन पूर्वक लगकर हिन्दू सम्मेलन को एतिहासिक कीर्तिमान निर्माण करने के लिए प्रेरित कर धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कल्याण मंत्र के साथ बैठक संपन्न हुई।

जगदेव प्रसाद की 104वी जयंती मनाई गई, जगदेव रथ का हुआ स्वागत

बड़कागांव : बड़कागांव में जगदेव प्रसाद विचार मंच के द्वारा स्वर्गीय शहीद जगदेव प्रसाद की 104 वीं जयंती मनाई गई। डॉ बालेश्वर महतो की अध्यक्षता में मुख्य अतिथि पूर्व विधायक लोकनाथ महतो एवं विशिष्ट अतिथि करणपुरा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ कृति नाथ महतो के हाथों सूर्य मंदिर स्थित आदम कद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दिया गया। इस दौरान पूर्व विधायक लोकनाथ महतो जगदेव प्रसाद की जीवनी पर प्रकाश डाला एवं कहा कि जगदे बाबू हमेशा दबे कुचले पिछड़े लोगों के मसीहा थे। हमेशा शोषित वर्गों के लिए के लिए लड़ाई लड़ते थे । हमें जगदेव बाबू के बताए हुए मार्गो पर चलने की जरूरत है। ताकि एक स्वच्छ एवं मजबूत समाज का निर्माण हो सके। इस दौरान बुधवार शाम को 4:00 बजे पटना से आए शहीद जगदेव प्रसाद रथ का लोगों ने स्वागत किया एवं भ्रमण कर जगदेव प्रसाद की विचारों एवं उनके संदेश को पहुंचाने का प्रयास किया गया। इस दौरान डॉ भीमराव आंबेडकर, गुरदयाल महतो एवं जगदेव प्रसाद की आदमकद प्रतिमा पर लोगों ने माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दिया। मौके पर उपस्थित लोगों में अमर शहीद जगदेव प्रसाद जागरण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर संत कुमार सिंह, रामविलास प्रसाद शोषित समाज दल विहार राज्य मंत्री, अजय कुमार कुशवाहा अध्यक्ष भोजपुर, राकेश कुशवाहा जिला अध्यक्ष अरवल, विपुल कुमार चंद्रवंशी, सांसद प्रतिनिधि सह मुखिया संघ के अध्यक्ष रंजीत कुमार, डॉक्टर बालेश्वर महतो, कर्णपुरा महाविद्यालय के प्राचार्य कृतिनाथ महतो, पूर्व प्रमुख टुकेश्वर प्रसाद, प्रो फजरुद्दीन, प्रवीण कुमार, प्रवील कुमार, दीपक कुमार, रंजन कुमार उर्फ गुड्डू के अलावा कई लोग उपस्थित थे।

समाजसेवी शिक्षाविद जूठन साव के निधन होने पर जीडीएम बालिका विद्यालय में शोक सभा

बड़कागांव : समाजसेवी हेंठगढा बरवाडीह निवासी 80 वर्षीय जूठन साव के आकस्मिक निधन होने से पूरा बड़कागांव क्षेत्र में शोक की लहर है। वहीं जीडीएम बालिका उच्च विद्यालय में 2 मिनट का मौन धारण कर शोक व्यक्त किया गया। वह बड़कागांव क्षेत्र में कांग्रेस के दिग्गज नेता के रूप में जाने जाते थे। इतना ही नहीं वह बड़कागांव के पूर्व प्रमुख स्वर्गीय गुरुदयाल महतो के साथ चलकर शिक्षा के क्षेत्र में अलख जगाने का काम किया। जीडीएम बालिका उच्च विद्यालय के सदस्य भी थे। वहीं विद्यालय के प्रधानाध्यापक राम लखन महतो ने कहा कि विद्यालय के सदस्य जूठन साव के निधन होने पर विद्यालय की अपूर्ण क्षति हुई है। इनके कृतियों को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक राम लखन महतो, वरिष्ठ शिक्षिका विमला कुमारी, अशोक कुमार, अख्तर हुसैन, शोभा कुमारी, कुलदीप कुमार, शंकर राणा, शंकर महतो, मीना वर्मा, जितेंद्र कुमार, प्रमिला देवी, अर्जुन सिंह एवं छात्राएं उपस्थित थे।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि 'समर्पण दिवस' के रूप में मनाई गई

बड़कागांव : भारतीय जनता पार्टी, बड़कागांव मंडल के तत्वावधान में आज प्रखर राष्ट्रवादी, अंत्योदय के प्रणेता और जनसंघ के संस्थापक सदस्य पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि को 'समर्पण दिवस' के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर सांसद कार्यालय बड़कागांव में एक विशेष श्रद्धांजलि सभा एवं गोष्ठी का आयोजन किया गया। श्रद्धांजलि कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि बड़कागांव विधानसभा के पूर्व विधायक माननीय लोकनाथ महतो, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनिल मिश्रा, पूर्व मंडल अध्यक्ष राजेश कुमार उर्फ.जुगनू सिंह, मंडल अध्यक्ष शिव शंकर उर्फ.शिबू मेहता, मंडल सांसद प्रतिनिधि सह मुखिया संघ अध्यक्ष रंजीत मेहता, पूर्व जिप सदस्य टुकेश्वर प्रसाद एवं पार्टी के कार्यकताओं द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्प अर्पित कर की गई। उपस्थित कार्यकताओं ने 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय अमर रहें' और 'भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद' के नारों के साथ उन्हें याद किया। पूर्व विधायक लोकनाथ महतो ने कहा कि ₹पंडित दीनदयाल जी का 'अंत्योदय' का दर्शन सरकार की योजनाओं का मूल आधार है। उनका मानना था कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति का उदय ही वास्तविक विकास है। उनके बताए मार्ग पर चलकर ही हम एक सशक्त भारत का निर्माण कर सकते हैं।₹ मंडल अध्यक्ष शिव शंकर उर्फ.शिबू मेहता ने अपने संबोधन में कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे पंडित जी के आदर्शों को आत्मसात करें और संगठन की मजबूती के लिए बूथ स्तर तक समर्पण भाव से कार्य करें।

एक नजर

झारखंड में 15 फरवरी से बदलेगा मौसम बढ़ेगा तापमान

रांची : झारखंड में 15 फरवरी से मौसम का मिजाज बदलने लगेगा। इसके साथ ही तापमान में धीरे-धीरे वृद्धि होगी और ठंड की विदाई शुरू हो जाएगी। यह जानकारी मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बुधवार को दी। अभिषेक आनंद ने बताया कि देश के उत्तरी राज्यों में हो रही बर्फबारी में कमी आई है। इसका असर झारखंड समेत देश के मध्यवर्ती और पूर्वी राज्यों पर पड़ेगा, जहां तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी। हालांकि उन्होंने कहा कि अगले चार से पांच दिनों तक तापमान में हल्का उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, गुरुवार को राज्य के कई जिलों में आंशिक बादल छाए रहेंगे, जबकि शुक्रवार से मौसम साफ होने की संभावना है। कुछ हिस्सों में दिन के समय गर्मी का अहसास हो सकता है, जबकि अन्य इलाकों में हल्की ठंड बनी रह सकती है। सुबह के समय हल्के दर्जे का कुहासा छाए रहने की भी संभावना जताई गई है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान चाईबासा में 32.4 डिग्री सेल्सियस और सबसे कम तापमान गुमला में 6.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। बुधवार को रांची और आसपास के क्षेत्रों में दिनभर मौसम साफ रहा। 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली हवाओं के कारण दिन में गर्मी कम महसूस हुई। वहीं पिछले एक-दो दिनों से सुबह और शाम की ठंड में भी कमी आई है।

लोक भवन उद्यान में उमड़ी भीड़, एक दिन में 10,848 लोगों ने किया भ्रमण

रांची : राजधानी रांची स्थित लोक भवन उद्यान इन दिनों आम लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। बुधवार को भी बड़ी संख्या में लोगों ने उद्यान का भ्रमण किया। एक दिन में कुल 10,848 आगंतुकों ने यहां पहुंचकर उद्यान की सुंदरता का आनंद लिया। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार के निर्देश पर लोक भवन उद्यान को आम नागरिकों के लिए 15 फरवरी तक खोलने का निर्णय लिया गया है। इसी क्रम में प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंच रहे हैं। उद्यान में बच्चे, बुजुर्ग, युवक-युवतियां और महिलाएं आकर्षक गुलाबों की विभिन्न प्रजातियों, झूलों, फव्वारों, कृत्रिम झरने, फलदार वृक्षों तथा औषधीय पौधों के बीच घूमते और मोबाइल से तस्वीरें लेते नजर आए। प्राकृतिक सौंदर्य और सुव्यवस्थित परिसर लोगों को खासा आकर्षित कर रहा है। उद्यान भ्रमण का समय प्रतिदिन सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक निर्धारित किया गया है। प्रवेश गेट संख्या दो से किया जाता है। सुरक्षा जांच के बाद दोपहर 1 बजे तक ही आगंतुकों को उद्यान में प्रवेश की अनुमति दी जाती है।

रांची में 27 फरवरी को मनेगा फाल्गुन उत्सव

रांची : श्री श्याम संघ के तत्वावधान में आगामी 27 फरवरी को अपर बाजार स्थित श्री राधा वल्लभ मंदिर में श्रद्धा और उत्साह के साथ फाल्गुन उत्सव मनाया जाएगा। फाल्गुन सुदी एकादशी के पावन अवसर पर आयोजित इस धार्मिक आयोजन को लेकर श्याम भक्तों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। संघ के अध्यक्ष कमलेश संचेती ने बुधवार को बताया कि 27 फरवरी की सुबह 7 बजे स्थानीय श्री राधा वल्लभ मंदिर से 501 पावन निशानों के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मंदिर पहुंचेगी, जहां भक्तगण विधि-विधान से निशान पूजन कर बाबा श्याम को पवित्र निशान अर्पित करेंगे। उन्होंने बताया कि फाल्गुन उत्सव को सफल और भव्य बनाने के लिए व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। आयोजन के संयोजक के रूप में विनायक पोद्दार और उप संयोजक के रूप में आशीष अग्रवाल को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

रातू रोड में 10 मकानों पर चला बुलडोजर, सड़क जाम कर पुनर्वास और मुआवजे की मांग पर अड़े लोग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी रांची के सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के पीछे स्थित खादगढ़ा, महुआ टोली और जयप्रकाश नगर इलाके में दखल-दिहानी की कार्रवाई के बाद माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है। मंगलवार को जिला प्रशासन की टीम ने भारी पुलिस बल की मौजूदगी में लगभग 27 कट्ठा जमीन पर बने करीब 10 मकानों को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। प्रशासन का कहना है कि संबंधित भूमि सरकारी थी और उस पर अवैध कब्जा किया गया था, जिसे कोर्ट के आदेश के तहत हटाया गया।

कार्रवाई के तुरंत बाद प्रभावित परिवारों में आक्रोश फैल गया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि उन्हें न तो पर्याप्त समय दिया गया और न ही किसी वैकल्पिक व्यवस्था का आश्वासन। कई परिवारों का कहना है कि वे वर्षों से वहां रह रहे थे और अचानक हुई कार्रवाई से वे बेघर हो गए हैं। महिलाओं और बच्चों सहित कई लोग खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं।

स्थानीय लोगों का दावा है कि वर्ष 2020 में लगभग 48 डिसमिल जमीन की खरीदारी आदिवासी रैयत से की गई थी। इसके एवज में करीब डेढ़ करोड़ रुपये का भुगतान किया गया था। उनका कहना है कि जमीन की खरीद-बिक्री आपसी सहमति से हुई थी और वे कई वर्षों से वहां मकान बनाकर रह रहे थे। हालांकि, जमीन के मूल मालिक की ओर से बाद में मामला दर्ज कराया गया और अदालत से दखल-दिहानी का आदेश प्राप्त किया गया।

बुधवार को बड़ी संख्या में स्थानीय लोग विरोध में सड़क पर उतर आए। प्रदर्शनकारियों ने रातू रोड कब्रिस्तान के पास टायर जलाकर मुख्य सड़क जाम कर दी। सड़क जाम होने से रातू रोड पर यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। राहगीरों को घंटों तक परेशानी झेलनी पड़ी। स्थिति को देखते हुए मौके पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई।

खबर लिखे जाने तक पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की प्रदर्शनकारियों से वार्ता चल रही थी। प्रभावित परिवारों ने कार्रवाई पर रोक लगाने, मामले की पुनः जांच कराने और उचित मुआवजा व पुनर्वास की मांग की है। उनका कहना है कि यदि जमीन लेन-देन में कोई कानूनी विवाद था तो इसकी जिम्मेदारी संबंधित पक्षों की है, आम लोगों को बेघर करना उचित नहीं है।

प्रशासन का कहना है कि पूरी कार्रवाई न्यायालय के आदेश और कानूनी प्रक्रिया के तहत की गई है। अधिकारियों ने लोगों से शांति बनाए रखने और कानून-व्यवस्था कायम रखने की अपील की है। देर शाम तक वार्ता जारी रहने की सूचना है। फिलहाल इलाके में तनाव की स्थिति बनी हुई है और एहतियात के तौर पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात है।

नगर निगम की री-लॉटरी को लेकर वेंडर मार्केट बंद, दो गुटों में बंटे दुकानदार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : कचहरी रोड स्थित वेंडर मार्केट आज बुधवार को बंद होने की सूचना मिली है। जानकारी के मुताबिक, मामला नगर निगम की ओर से री-लॉटरी निकाले जाने का है। बताया जा रहा है कि, निगम की री-लॉटरी को लेकर वेंडर मार्केट के दुकानदार ही दो गुटों में बंट गए। जानकारी के अनुसार, वेंडर मार्केट के कुछ दुकानदार नगर निगम की री-लॉटरी का विरोध कर रहे हैं, तो वहीं, कुछ दुकानदार इसका समर्थन करते नजर आए। दरअसल यह विरोध, 2019 में वेंडर मार्केट के पीछे वाले हिस्से में दुकानें आवंटित करने को हो रहा है। जिसमें विरोध कर रहे लोगों का कहना है कि नगर निगम की ओर से साल 2019 में 3 साल के लिए दुकानें आवंटित की गई थीं और 3 साल बाद उसे रीन्यू किया जाना था। लेकिन, नगर निगम अब, दुकानों को रीन्यू करने के बजाय री-लॉटरी निकाल रहा है।

विरोध कर रहे लोगों का इस पर कहना है कि, नगर निगम वेंडर मार्केट के दुकानदारों के साथ अन्याय कर रहा है। वहीं, नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि, वेंडर मार्केट की दुकानों की री-लॉटरी निकाले जाने संबंधी लेटर 31 जनवरी 2026 को ही जारी कर दिया गया था। जहां, इस लेटर में निगम की ओर से लेटर में साफ कहा गया है कि सर्जना चौक से लेकर कचहरी चौक तक फुटपाथ पर बैठने वाले विक्रेताओं को साल 2019 में ही, अटल स्मृति वेंडर मार्केट में लॉटरी के माध्यम से दुकान खोलने के लिए जगह और चबूतरा आवंटित किए गए थे।

हिंडाल्को मुरी सीएसआर की पहल से सिल्ली सीएचसी को मिली बीएमडी मशीन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : मुरी स्थित हिंडाल्को यूनिट के सीएसआर विभाग की ओर से मंगलवार को सिल्ली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) को एक बीएमडी (बोन मिनरल डेंसिटी) मशीन प्रदान की गई। इस मशीन को हिंडाल्को मुरी यूनिट के सीएसआर हेड श्री अनिल सिंह ने रांची के सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार को औपचारिक रूप से सौंपा।

इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार ने कहा कि हिंडाल्को की यह पहल अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने बताया कि रांची जिले में भी बीएमडी मशीन की उपलब्धता सीमित है। ऐसे में सिल्ली जैसे ग्रामीण क्षेत्र में इस मशीन की स्थापना एक बड़ी उपलब्धि है। इससे अब हड्डियों से संबंधित रोगों की जांच स्थानीय स्तर पर ही संभव हो सकेगी और मरीजों को जांच के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा।

कार्यक्रम के दौरान सिल्ली सीएचसी के प्रभारी ने भी स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने में सहयोग के लिए हिंडाल्को प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त किया।

मौके पर उपस्थित सीएसआर हेड श्री अनिल सिंह ने कहा कि हिंडाल्को अपने सामाजिक दायित्व के तहत स्वास्थ्य, शिक्षा एवं सामुदायिक विकास के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने जानकारी दी कि इसी दिन बिसरिया में एक स्वास्थ्य मेला भी आयोजित किया गया, जिसमें लगभग 600 लोगों का सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। भविष्य में भी हिंडाल्को द्वारा इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे।

गुमला की लापता बच्ची मामले में हाई कोर्ट ने एसपी को दिए मां की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : गुमला से वर्ष 2018 से लापता छह वर्षीय बच्ची के मामले में झारखंड उच्च न्यायालय ने कड़ा रुख अपनाया है। न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद एवं न्यायमूर्ति एके राय की खंडपीठ ने ऑनलाइन उपस्थित गुमला के पुलिस अधीक्षक (एसपी) से सवाल किया कि बच्ची की मां के साथ कथित रूप से डायन-बिसाही कहकर मारपीट की गई, फिर भी इस संबंध में अब तक प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज क्यों नहीं की गई।

इस पर एसपी ने अदालत को बताया कि पुलिस के हस्तक्षेप से मारपीट की घटना को रोका गया था। उन्होंने कहा कि बच्ची की मां ने इसे पारिवारिक मामला बताते हुए प्राथमिकी दर्ज नहीं कराई। हालांकि, अदालत ने इस पर गंभीरता दिखाते हुए एसपी को निर्देश दिया कि बच्ची की मां को तत्काल सुरक्षा मुहैया कराई जाए। सुनवाई के दौरान अदालत ने बच्ची के आधार कार्ड का पता लगाने संबंधी पुलिस आवेदन पर भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के डायरेक्टर को भी प्रतिवादी बनाने का निर्देश दिया। अदालत ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजीआई) प्रशांत पल्लव से पूछा कि छह फरवरी को संबंधित थाना पुलिस द्वारा बच्ची के आधार का पता लगाने के लिए दिए गए आवेदन पर अब तक क्या कार्रवाई हुई है।

झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (झालसा) की सदस्य सचिव भी सुनवाई में ऑनलाइन शामिल हुईं। अदालत ने उन्हें निर्देश दिया कि झालसा, गुमला की टीम को भेजकर बच्ची की मां को दी गई धमकी, गांव से निकाले जाने की स्थिति और उसकी सुरक्षा से जुड़ी जानकारी एकत्र कर अदालत को अवगत कराया जाए। सुनवाई के दौरान अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) गुमला और अहतू थाना प्रभारी सशरीर अदालत में उपस्थित थे। उनकी ओर से बताया गया कि बच्ची की तलाश के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है और खोज अभियान जारी है। राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता गौरव राज और श्रीकांत ने पक्ष रखा, जबकि प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता शैलेश पोद्दार ने दलीलें पेश कीं। मामले की अगली सुनवाई 12 फरवरी को निर्धारित की गई है।

उल्लेखनीय है कि सितंबर 2018 से लापता गुमला की छह वर्षीय बच्ची की बरामदगी को लेकर उसकी मां ने उच्च न्यायालय में हेबियस कॉर्पस याचिका दायर की थी।

एचईसी कर्मियों ने आज के देशव्यापी हड़ताल को सफल बनाने का किया आह्वान

रांची : हटिया मजदूर यूनियन (सीटू) की ओर से बुधवार को एचईसी स्थित एफएफपी शेड में एक सभा आयोजित की गई। सभा में उपस्थित एचईसी कर्मियों ने सर्वसम्मति से 12 फरवरी को प्रस्तावित देशव्यापी हड़ताल को सफल बनाने का संकल्प लिया और मजदूरों से अधिक से अधिक संख्या में भागीदारी की अपील की। सभा को संबोधित करते हुए यूनियन के अध्यक्ष भवन सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से लागू किए गए चार श्रम संहिताएं (लेबर कोड) मजदूरों के अधिकारों को कमजोर करने वाले प्रावधानों से युक्त हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ये कानून कॉरपोरेट हितों को ध्यान में रखकर बनाए गए हैं और पुराने श्रम कानूनों को कोड में बदलकर उन्हें प्रभावहीन कर दिया गया है। उनके अनुसार नई व्यवस्था में श्रमिकों को मालिक की शर्तों पर काम करने की स्थिति में धकेला जा रहा है।

यूनिसेफ इंडिया की फील्ड सर्विसेज प्रमुख ने किया झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय का दौरा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) इंडिया की चीफ, फील्ड सर्विसेज सोलेदाद हेरेरो ने अपने झारखंड दौरे के क्रम में बुधवार को रांची के रातू स्थित झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय का भ्रमण किया। इस अवसर पर उन्होंने छात्राओं, शिक्षकों और विद्यालय प्रबंधन से संवाद कर वहां संचालित शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों का अवलोकन किया।

भ्रमण के दौरान हेरेरो ने छात्राओं से सीधे बातचीत कर उनके सीखने के अनुभव, भविष्य की आकांक्षाओं और करियर योजनाओं के बारे में जानकारी ली।

उन्होंने विद्यालय में उपलब्ध सुरक्षित, समावेशी और प्रेरणादायक वातावरण की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आवासीय विद्यालय बालिकाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और जीवन कौशल विकसित करने का सशक्त मंच प्रदान कर रहे हैं। अपने अनुभव साझा करते हुए सोलेदाद हेरेरो ने कहा कि विद्यालय की छात्राओं में उत्साह, आत्मविश्वास और सीखने के प्रति जिज्ञासा अत्यंत प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि जब बालिकाओं को सुरक्षित और सहयोगी वातावरण मिलता है, तो वे असाधारण उपलब्धियां हासिल कर सकती हैं। यूनिसेफ झारखंड सरकार के साथ मिलकर बालिकाओं के सशक्तिकरण और उनके सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने यह भी कहा कि झारखंड सरकार द्वारा बालिका शिक्षा को सुदृढ़ करने के लिए किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं और यह मॉडल अन्य राज्यों एवं क्षेत्रों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बन सकता है। विद्यालय प्रशासन ने यूनिसेफ के निरंतर सहयोग और मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया। यह दौरा यूनिसेफ और झारखंड सरकार के बीच मजबूत साझेदारी को और सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिसका उद्देश्य प्रत्येक बालिका को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुरक्षित वातावरण और बेहतर भविष्य के अवसर उपलब्ध कराना है।

संक्षिप्त खबरें

सीसीएल जन आरोग्य केन्द्र गांधीनगर द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

रांची : सीसीएल के जन आरोग्य केन्द्र, गांधीनगर द्वारा आज हथिया गोंदा स्कूल, रांची में एक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में कुल 67 बच्चों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। उपस्थित चिकित्सकों ने बच्चों की सामान्य स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं मार्गदर्शन प्रदान किया। शिविर का उद्देश्य बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं प्रारंभिक स्तर पर संभावित स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान करना था। शिविर के सफल आयोजन में डॉ. प्रीति तिग्गा (सीएमओ, सीएसआर इंचार्ज), डॉ. जूही, डॉ. शिल्पी झा, मुन्ना कुमार सिंह एवं सभी पारा मेडिकल स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा। ज्ञात हो कि सीसीएल द्वारा समय-समय पर इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन कर स्थानीय समुदाय के स्वास्थ्य संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा रही है।

पंचायत प्रतिनिधियों को दिया गया प्रशिक्षण

अनगड़ा : अनगड़ा में पंचायती विभाग के द्वारा तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें प्रखंड की सभी पंचायतों के मुखिया पंचायत समिति सदस्य और वार्ड सदस्यों को प्रशिक्षण दिया गया। यह यह प्रशिक्षण जिला के आदेशानुसार पूरे राज्य में दिया जाएगा। पंचायती राज्य विभाग के द्वारा ट्रेनिग दिया जा रहा था जिसमें हेसल पंचायत मुखिया कविता देवी ने प्रशिक्षण दिया।

हेसल में विशेष ग्राम सभा की बैठक, विभिन्न समस्याओं पर हुआ विचार-विमर्श

अनगड़ा : हेसल पंचायत सचिवालय में ग्राम प्रधान रामनाथ करमाली की अध्यक्षता में विशेष ग्राम सभा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से पंचायत की मुखिया कविता देवी उपस्थित रहीं। बैठक के दौरान लैंप्स निर्माण कार्य को लेकर ग्रामीणों के साथ विस्तृत चर्चा की गई। सभी की सहमति से लैंप्स भवन का निर्माण पंचायत भवन के सामने कराने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही पंचायत से संबंधित विभिन्न प्रस्तावों पर विचार-विमर्श कर उन्हें सर्वसम्मति से पारित किया गया। मुखिया कविता देवी द्वारा लैंप्स भवन के लिए भूमि चिन्हित कर उसका लेआउट भी तैयार कराया गया। बैठक में समाजसेवी मुस्तफा अंसारी, रामेश्वर महतो, विष्णु महतो, शीला देवी, ग्राम प्रधान रामनाथ करमाली, रामपोदो महतो, इब्राहिम अंसारी, बलराम मुंडा, सूरज करमाली, गणेश महतो, कृष्णा भगत, असफाक अंसारी, अमीरूल अंसारी सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

संत माईकल प्लस 2 स्कूल मुरी में विदाई समारोह का हुआ आयोजन

सिल्ली : मुरी स्थित संत माईकल +2 स्कूल में कक्षा बारहवीं (सत्र 2025-26) के विद्यार्थियों के लिए विदाई एवं शुभकामना समारोह धूमधाम से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन उत्साह और भावनात्मक माहौल के बीच संपन्न हुआ। कक्षा ग्यारहवीं के छात्र-छात्राओं ने सीनियर विद्यार्थियों को तिलक लगाकर उनका स्वागत किया और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिन्होंने सभी का मन मोह लिया। कक्षा बारहवीं के विद्यार्थियों ने अपने स्कूली जीवन के अनुभवों को साझा करते हुए भावुक शब्दों में अपने उद्गार व्यक्त किए। विद्यालय के निदेशक महोदय ने सभी विद्यार्थियों को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय के प्राचार्य सी. एल. प्रजापति ने कहा कि विद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण एवं स्वर्णिम विकास के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। उन्होंने कामना की कि सभी विद्यार्थी उन्नति के शिखर को स्पर्श करें और अपने माता-पिता व विद्यालय का नाम रोशन करें। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की ओर से कक्षा बारहवीं के छात्र-छात्राओं को स्मृति-चिह्न भेंट किए गए। कार्यक्रम का संचालन कक्षा ग्यारहवीं की छात्राएं ज्योति कुमारी एवं सिम्मी पाल ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन शिक्षिका मनीषा सिंह ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रेसिडेंट शोभा देवी सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

खेल बच्चों के आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता के विकास का सशक्त माध्यम : डॉ मयंक मुरारी

अनगड़ा : उषा मार्टिन फाउंडेशन के द्वारा महिलोंग गांव के सराईटोली में बच्चों के बीच खेल सामग्री का वितरण किया गया। कार्यक्रम का आयोजन बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया गया। इस अवसर पर कैरम बोर्ड, स्किपिंग रोप, वॉलीबॉल, नेट सहित अन्य खेल सामग्री बच्चों को प्रदान की गई। आजसू पार्टी के केंद्रीय सचिव श्री जितेन्द्र सिंह की उपस्थिति में सामग्री का वितरण किया गया। उन्होंने बच्चों को नियमित खेल अभ्यास करने, टीम भावना विकसित करने तथा पढ़ाई के साथ खेल में भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। डॉ. मयंक मुरारी ने कहा कि खेल बच्चों के आत्मविश्वास, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता को विकसित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने बताया कि उषा मार्टिन फाउंडेशन ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों और युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार कार्य कर रहा है तथा आगे भी इस तरह की पहल जारी रहेगी।

इस अवसर पर उषा मार्टिन फाउंडेशन के बरुण कुमार, भुवनेश्वर महतो, मेवालाल महतो एवं सुरेन्द्र ठाकुर सहित सभी खिलाड़ी एवं ग्रामीण उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में बच्चों एवं ग्रामीणों ने फाउंडेशन के प्रति आभार व्यक्त किया और इस पहल की सराहना की।

एक नजर

इंटरसिटी एक्सप्रेस से 90 लीटर महुआ शराब व विदेशी शराब जब्त

कोडरमा : 11 फरवरी धनबाद-सासाराम इंटरसिटी एक्सप्रेस में गझंडी-गुरपा रेलखंड के बीच जांच के दौरान टास्क टीम ने 90 लीटर देशी महुआ शराब तथा 19 बोतल विदेशी शराब बरामद की। कार्रवाई बुधवार सुबह करीब 8:15 बजे नाथगंज ब्लॉक हाल्ट के पास की गई। उप निरीक्षक जितेन्द्र कुमार के नेतृत्व में गुरपा ओपी व सीआईडी धनबाद टीम द्वारा ट्रेन की तलाशी के दौरान सीट के नीचे लावारिस हालत में चार प्लास्टिक बोरा व एक पिट्ठू बैग मिला। तलाशी लेने पर कुल 93,420 मिलीलीटर शराब बरामद हुई, जिसकी अनुमानित कीमत 12,600 रुपये आंकी गई है। जब्त शराब को रेसुब पोस्ट कोडरमा लाकर उत्पाद विभाग को सूचित कर दिया गया है। आगे की कार्रवाई जारी है।

द्वितीय रेंडमाइजेशन संपन्न, 46 मतदान दलों का गठन

सिमडेगा : नगरपालिका आम निर्वाचन 2026 के तहत 16-सिमडेगा नगर परिषद (वर्गझख) क्षेत्र के लिए मतदान कर्मियों का द्वितीय रेंडमाइजेशन जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त कंचन सिंह एवं सामान्य प्रेक्षक संजय पी.एम. कुजूर की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया। पूरी प्रक्रिया पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ एनआईसी झारखंड राज्य इकाई द्वारा विकसित ओपन इलेकॉन सॉफ्टवेयर के माध्यम से संपन्न हुई। नगर परिषद क्षेत्र में कुल 37 मतदान केंद्र निर्धारित किए गए हैं। प्रथम रेंडमाइजेशन में चयनित 230 मतदान कर्मियों को द्वितीय रेंडमाइजेशन के जरिए 46 मतदान दलों में विभाजित किया गया। प्रत्येक दल में पांच कर्मी—पीठासीन अधिकारी, प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ मतदान पदाधिकारी—शामिल हैं। आगामी चरण में तृतीय रेंडमाइजेशन के माध्यम से 37 मतदान दलों की संबंधित मतदान केंद्रों से बूथ टैगिंग की जाएगी, जबकि शेष 9 दलों को रिजर्व रखा जाएगा। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त दीपांकर चौधरी, अपर समाहर्ता ज्ञानेन्द्र, सभी निवार्ची पदाधिकारी, जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी गौरव कुमार, जिला आपूर्ति पदाधिकारी नरेश रजक सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

दिवंगत फौजी सुदीप केरकेट्टा के दशकर्म में शामिल हुईं जोसिमा खाखा

सिमडेगा : जिप सदस्य सह भाजपा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष जोसिमा खाखा बुधवार को पालकोट प्रखंड के कोलेंग पंचायत पहुंचीं। यहाँ उन्होंने भारतीय सेना के जवान और कोलेंग मुखिया कांति केरकेट्टा के पति के बड़े भाई स्व. सुदीप केरकेट्टा के दशकर्म कार्यक्रम में सम्मिलित होकर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। ज्ञात हो कि देश की सेवा में समर्पित फौजी सुदीप केरकेट्टा का पिछले दिनों बीमारी के कारण असामयिक निधन हो गया था। मौके पर शोक संतप्त परिवार से मुलाकात करते हुए जोसिमा खाखा ने दिवंगत फौजी की पत्नी और परिजनों को ढांढस बँधाया। उन्होंने कहा कि सुदीप का निधन न केवल परिवार बल्कि समाज के लिए भी एक अपूरणीय क्षति है। देश की रक्षा करने वाले एक वीर जवान को खोना अत्यंत पीड़ादायक है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और परिजनों को इस विकट परिस्थिति को सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। इस दौरान मुख्य रूप से कोलेंग मुखिया कांति केरकेट्टा, मुखिया पूनम एक्का, मुखिया सुषमा केरकेट्टा, उर्मिला केरकेट्टा, प्रतिमा कुजूर, दिव्या सोरेन सहित क्षेत्र के कई गणमान्य लोग और ग्रामीण उपस्थित थे। सभी ने दिवंगत फौजी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

बिरहोर कॉलोनी से 10 नाबालिग लापता मामले में झालसा सख्त, परिजनों को विधिक सहायता के निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : कोडरमा जिले के जयनगर प्रखंड में अवस्थित गडियाई बिरहोर कॉलोनी से दस नाबालिग बिरहोर बच्चो के गायब होने के मामले को झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार ने काफी गंभीरता से लिया है। उल्लेखनीय है कि कोडरमा जिले के जयनगर गडियाई बिरहोर कॉलोनी के दस बच्चे घर से भोज खाने की बात कह कर परसाबाद के लिए निकले थे परन्तु घर वापस नहीं लौटे। सभी बच्चे पांच वर्ष से आठ वर्ष तक के उम्र के थे तथा उसमे लड़कियां भी शामिल थी। काफी खोज बीन के बाद पता नहीं चल पाने के कारण इसकी सूचना थाना को दी गई। इस घटना की खबर अखबार में छपने के बाद इसकी जानकारी झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची को हुई और इस मामले को गंभीरता से लेते हुए झालसा ने जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा को तत्काल इन बच्चो के परिजनों को विधिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची के निर्देश के आलोक में जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा के सचिव गौतम कुमार के नेतृत्व में प्राधिकार की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गायब हुए नाबालिग बच्चो के परिजनों से मिलकर उन्हें विधिक सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। कोडरमा के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार के कुशल मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार ने कोडरमा जिले के सुदूरवर्ती जंगली क्षेत्र में अवस्थित जयनगर थाना अंतर्गत गडियाई बिरहोर कॉलोनी पहुच कर गायब हुए नाबालिग बच्चे एवं उनके परिजनों से मिलकर उनका कुशल क्षेम पूछा तथा उन्हें हर प्रकार की विधिक सहायता प्रधान कराने का आश्वासन दिया। हालाकि गायब हुए इन बच्चो को दुसरे ही दिन गया रेलवे स्टेशन से सकुशल बरामद कर लिया गया। विदित हो की ये सभी बच्चे परसाबाद स्टेशन से दूसरी एक्सप्रेस ट्रेन में बैठ कर गया चले गए थे जहा से इन्हें सकुशल बरामद किया गया जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार ने बिरहोर बच्चे के परिजनों को आश्वस्त किया कि जिन बच्चो के आधार कार्ड नहीं है उनके आधार कार्ड बनाने, बच्चो का नामांकन विदयालय में करने एवं उनके परिजनों को राज्य एवं केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओ का लाभ दिलाने की दिशा में प्राधिकार के द्वारा आवश्यक पहल किये जाने का आश्वासन दिया साथ ही प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार ने जयनगर प्रखंड के पारा लीगल वोलेनटियर को इस दिशा में आवश्यक पहल करने के निर्देश भी दिए। मौके पर न्यायालयकर्मी संतोष कुमार, जयनगर के पारा लीगल वोलेनटियर शिव कुमार मोदी, चन्दन कुमार यादव आदि मौजूद थे। जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा द्वारा किये गए सकिय पहल एवं संवेदन शीलता की सर्वत्र सराहना की जा रही है

डीवीसी केटीपीएस बॉझेडीह में मशाल जुलूस आज पावर प्लांट बंद कराने का एलान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जयनगर : डीवीसी केटीपीएस बॉझेडीह में आज शाम 5 बजे ऐक्टू और एटक ट्रेड यूनियन के संयुक्त नेतृत्व में डीवीसी मेन गेट से फोर लाइन चौक तक मशाल जुलूस निकाला गया। जुलूस का नेतृत्व ऐक्टू जिला सचिव विजय पासवान एवं एटक जिला अध्यक्ष विनोद पासवान ने किया। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि देशव्यापी लॉकडाउन के समर्थन में कल पूरे पावर प्लांट को बंद कराया जाएगा। नेताओं ने मजदूर एकता पर जोर देते हुए आंदोलन को सफल बनाने का आह्वान किया। सभा की अध्यक्षता ऐक्टू जिला सचिव विजय पासवान ने की, जबकि संचालन एटक जिला अध्यक्ष विनोद पासवान ने किया। कार्यक्रम को जिला परिषद सदस्य महादेव राम, किसान नेता उदय द्विवेदी, एटक नेत्री सोनिया देवी, जिला मंत्री अर्जुन यादव, महेश सिंह एवं झारखंड जनरल मजदूर यूनियन अध्यक्ष राजेंद्र यादव ने संबोधित किया। इस अवसर पर धीरज यादव, दशरथ पासवान, उमाशंकर पासवान, बहादुर यादव, रंजीत भारती, उदय भारती, सहदेव साल, सुरेन्द्र पासवान, अभिमन्यु मोदी, सावित्री देवी, मंजू देवी, रेखा देवी, सरिता देवी सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर मंडल कारा का औचक निरीक्षण, भेदभाव की पुष्टि नहीं

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : सुप्रीम कोर्ट के सुकन्या शांता बनाम भारत संघ (रिट याचिका (सी) संख्या 1404/2023) में दिए गए निर्देशों के अनुपालन में बुधवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार की टीम ने मंडल कारा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जेल की व्यवस्थाओं, सुविधाओं और प्रशासनिक रिकॉर्ड का विस्तृत जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान टीम ने जेल के बैरकों, वार्डों और अन्य भवनों का भ्रमण किया। साथ ही कैदियों से बातचीत कर उनकी स्थिति और सुविधाओं के बारे में जानकारी ली गई। बातचीत के आधार पर टीम ने पाया कि जेल में जाति, धर्म या पंथ के आधार पर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जा रहा है। टीम ने कैदियों को दिए जाने वाले पके भोजन की भी जांच की। जांच में पाया गया कि भोजन जेल नियमावली में निर्धारित मेनू के अनुसार तैयार किया जा रहा है और इसकी गुणवत्ता भी संतोषजनक है। इसके अलावा जेल के रजिस्टर और अभिलेखों की जांच की गई, जो पूरी तरह अद्यतन पाए गए। निरीक्षण के दौरान यह भी स्पष्ट हुआ कि कैदियों के रिकॉर्ड में उनकी जाति का उल्लेख नहीं किया जा रहा है, जो सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुरूप है। स्वच्छता व्यवस्था भी संतोषजनक पाई गई। निरीक्षण के समय मंडल कारा में कुल 219 कैदी निरुद्ध पाए गए। इनमें 211 पुरुष और 8 महिला कैदी शामिल हैं। कुल कैदियों में 211 विचाराधीन (203 पुरुष व 8 महिला) तथा 8 दोषी कैदी (सभी पुरुष) हैं। पीडीजे के नेतृत्व में हुए निरीक्षण दल में प्राधिकार सचिव मरियम हेमरोम, डीएसपी रणवीर सिंह, समाज कल्याण पदाधिकारी सूरजमणि कुमारी, चीफ एलएडीसीएस प्रभात कुमार श्रीवास्तव, जेल अधीक्षक अजय कुमार, सामाजिक कार्यकर्ता पुष्पा कुमारी आदि शामिल थे।

जयनगर प्रखंड में बीएलओ प्रशिक्षण एवं मेपिंग कार्य हेतु बैठक संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जयनगर : प्रखंड कार्यालय में बीएलओ (बूथ स्तर पदाधिकारी) को फॉर्म-8 भरने एवं साथ-साथ मेपिंग कार्य के निष्पादन के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण बैठक सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य निर्वाचन संबंधी कार्यों को समयबद्ध, त्रुटिरहित एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न करना रहा। कार्यक्रम के दौरान नव-नियुक्त बीएलओ को निर्वाचन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। फॉर्म-8 भरने की प्रक्रिया, मतदाता सूची में नाम संशोधन, विलोपन, स्थानांतरण तथा अन्य आवश्यक सुधारों के संबंध में विस्तारपूर्वक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। साथ ही क्षेत्रवार मेपिंग कार्य को सटीक एवं प्रभावी ढंग से करने के निर्देश दिए गए, ताकि प्रत्येक बूथ की मतदाता सूची अद्यतन एवं प्रमाणिक बनी रहे। बैठक में प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी प्रेम कुमार तथा निर्वाचन ऑपरेटर अखिलेश कुमार उपस्थित रहे। उन्होंने सभी बीएलओ को निर्वाचन कार्य की महत्ता से अवगत कराते हुए पारदर्शिता, उत्तरदायित्व एवं गंभीरता के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। बैठक में रंजू कुमारी, प्रमिला देवी, कमरुद्दीन खान, पवन कुमार सिंह, रूही परवीन, फूलवती देवी, सीताराम रविदास, संजय यादव, संध्या कुमारी, वीणा कुमारी, दीपा कुमारी एवं उषा कुमारी उपस्थित रहे। अंत में सभी उपस्थित पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने निर्वाचन कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न करने हेतु अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

मॉडर्न पब्लिक स्कूल में विदाई समारोह का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : जिले के प्रतिष्ठित विद्यालय मॉडर्न पब्लिक स्कूल में 12वीं कक्षा के सभी छात्र - छात्राओं के लिए भावभीनी विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जहां विद्यालय के 11वीं और नवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने 12वीं कक्षा के छात्र-छात्राओं के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ- साथ भावी भविष्य की कामना करते हुए बिदाई समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरूआत इस प्रकार हुई सर्वप्रथम विद्यालय निर्देशिका संगीता शर्मा एवं प्राचार्य गुरु चरण वर्मा के द्वारा 12वीं कक्षा के छात्राओं का अभिवादन माथे पर तिलक लगाकर किया गया। तत्पचात दीप प्रज्वलन किया गया। ग्यारहवीं कक्षा के छात्र शुभोदीप अधिकारी ने द्वारा सुमधुर राधा -कृष्ण की प्रार्थना गीत गाकर पूरे माहौल में समा बांध दिया।इसके बाद केक काटकर कार्यक्रम की शुरूआत हुई। जहां नवीं और ग्यारहवीं कक्षाओं की छात्राओं एवं 12वीं कक्षा के छात्रों के द्वारा धमाकेदार नृत्य प्रस्तुत किया गया। उनके द्वारा प्रस्तुत किया गया नृत्य पूरे माहौल को कुछ पल के लिए ही सही पर खुशनुमा बना दिया। इतना ही नहीं बारहवीं के छात्र छात्रों के मनोरंजन का ख्याल रखते हुए उनके लिए फन गेम का भी आयोजन किया गया था। जैसे लड़कों के लिए 'म्यूजिकल चेयर' और लड़कियों के लिए 'बैलून पास करना'। इस गेम में सभी छात्रों ने खूब बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया और खेल में विजयी छात्रों को आखिर में उपहार भी दिया गया। फन गेम के पश्चात उनके लिए रैंप वॉक का भी आयोजन किया गया, जहां उन्होंने जमकर अपने जलवे बिखेरते नजर आए। अपनी पर्सनालिटी और जलवे को दिखाकर अमन कुमार शर्मा ने मिस्टर फेरवेल और रक्षा जैन ने मिस फेरवेल का खिताब जीता।

नगरपालिका आम निर्वाचन को लेकर कोषांगों की बैठक सह प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : नगर पालिका आम निर्वाचन-2026 के सफल एवं पारदर्शी संचालन को लेकर सभी कोषांगों के वरीय एवं नोडल पदाधिकारियों के साथ बैठक सह प्रशिक्षण का आयोजन समाहरणालय सभागार में किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिला निर्वाचन पदाधिकारीसहझउपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह ने की। इस अवसर पर सामान्य प्रेक्षकसंजय पी०एम० कुजूर (नगर परिषद्, सिमडेगा वर्ग ख) भी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान मास्टर ट्रेनरों द्वारा मतपत्र पेटी से मतदान की पूरी प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। मतदान पूर्व एवं मतदान उपरांत मतपेटिका को सील करने तथा खोलने की विधि, आवश्यक प्रपत्रों को सही तरीके से भरने एवं चिपकाने की प्रक्रिया सहित अन्य तकनीकी बिंदुओं की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। वहीं मतदान दल पीठासीन पदाधिकारी, प्रथम मतदान अधिकारी, द्वितीय मतदान अधिकारी, तृतीय मतदान अधिकारी एवं चतुर्थ मतदान अधिकारी की कार्य दायित्व की भी जानकारी दी गई। उपायुक्त महोदया ने पीठासीन पदाधिकारी सहित सभी मतदान कर्मियों को दी जाने वाली सामग्री की विशेष मिलान कर चेकलिस्ट के अनुरूप देने के बाद कहीं। किसी भी प्रकार की सामग्री ना छूटे इसे ध्यान रखें। वहीं मतदान समाप्ति के बाद मतदान दल को क्या-क्या जमा करना है इसकी भी जानकारी विशेष रूप से देंगे। उपायुक्त महोदया ने सभी प्रपत्रों को भरने सहित आदि की जानकारी प्रशिक्षण में विशेष रूप से देने की बात कहीं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सभी प्रक्रियाएं निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप ही संपादित हों। इस दौरान विभिन्न कोषांगों की कार्य प्रगति की समीक्षा की गई। नगरपालिका निर्वाचन कोषांग, मतपत्र एवं मतपेटिका कोषांग, सामग्री कोषांग, परिवहन कोषांग, विधि-व्यवस्था सह आचार संहिता कोषांग, हेल्पलाइन एवं जन शिकायत कोषांग, प्रेक्षक कोषांग, प्रशिक्षण कोषांग, मीडिया कोषांग, निर्वाचन व्यय अनुश्रवण कोषांग, सूचना तकनीकी कोषांग तथा नियंत्रण कक्ष के कार्यों पर विस्तार से चर्चा हुई। परिवहन कोषांग को को निर्देश दिया गया कि मतदान कर्मी एवं पुलिस पदाधिकारी के लिए अलग-अलग छोटी गाड़ी की व्यवस्था करें।

संक्षिप्त खबरें

आरबीआई के निर्देश पर सतगावां में वित्तीय साक्षरता शिविर, डिजिटल बैंकिंग सुरक्षा पर जोर

सतगावां : भारतीय रिजर्व बैंक के निदेर्शानुसार, बुधवार को प्रखंड के बासोडीह पंचायत सचिवालय में वित्तीय साक्षरता सप्ताह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बैंक ऑफ इंडिया की बासोडीह और सतगावां शाखा तथा वित्तीय साक्षरता केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में अग्रणी जिला प्रबंधक के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को बैंकिंग सेवाओं,विशेषकर केवाईसी और सुरक्षित बैंकिंग के प्रति जागरूक करना था। वित्तीय साक्षरता केंद्र के प्रभारी रत्नेश कुमार ने ग्रामीणों को केवाईसी दस्तावेजों,सी-केवाईसी और खाता अनुशासन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। बढ़ते साइबर अपराधों को देखते हुए,बैंक अधिकारियों ने ग्रामीणों को आगाह किया कि वे केवाईसी अपडेट करने के नाम पर अनजान लिंक्स पर क्लिक न करें। मनी म्यूल और अन्य वित्तीय धोखाधड़ी से बचने के लिए आरबीआई द्वारा जारी जागरूकता वीडियो भी दिखाए गए। शिविर में स्पष्ट किया गया कि आरबीआई का मूल मंत्र का जानकार बनें,सतर्क रहें। शिविर में केंद्र सरकार की विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं जैसे जनधन खाता,प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और अटल पेंशन योजना की जानकारी दी गई। इन योजनाओं के लाभ और आवेदन प्रक्रिया को सरल भाषा में समझाकर ग्रामीणों को वित्तीय रूप से सक्षम बनने के लिए प्रोत्साहित किया गया।कार्यक्रम में जिला अग्रणी प्रबंधक विमल कांत झा, बैंक ऑफ इंडिया बासोडीह शाखा के प्रबंधक अविनाश आनंद,स्वधार फीनक्सेस के वित्तीय साक्षरता प्रभारी रत्नेश कुमार,बी.सी विनय शंकर वैद्य, सुजीत कुमार, प्रदीप कुमार, सुमन कुमार, सुजीत यादव, अनिकेत कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं और पुरुष मौजूद थे।

शिवरात्रि को लेकर घोड़सिमर मंदिर में तीन दिवसीय मेले की तैयारी तेज

कोडरमा : सतगावां प्रखंड स्थित प्रसिद्ध घोड़सिमर मंदिर में महाशिवरात्रि के अवसर पर तीन दिवसीय मेले के आयोजन की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। मंदिर परिसर को सजाया-संवारा जा रहा है और श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए व्यापक व्यवस्था की जा रही है।मंदिर प्रबंधन समिति द्वारा मंदिर की साफ-सफाई, रंग-रोगन और विशेष पूजा-अर्चना की तैयारी की जा रही है। साथ ही मेले को लेकर पोचड़ा (पूजा सामग्री की दुकानें) और अन्य अस्थायी दुकानों की व्यवस्था की जा रही है। स्थानीय दुकानदारों ने भी अपनी-अपनी दुकानें सजानी शुरू कर दी हैं।शिवरात्रि के दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए प्रशासनिक स्तर पर भी सुरक्षा और यातायात व्यवस्था की तैयारी की जा रही है। मेले के दौरान प्रसाद वितरण जैसे का आयोजन भी किया जाएगा। घोड़सिमर मंदिर में हर वर्ष शिवरात्रि पर भव्य मेला लगता है, जिसमें आसपास के गांवों सहित दूर-दराज से भी श्रद्धालु बाबा भोलेनाथ के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। इस वर्ष भी मेले को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल।

केरसई इंदिरा चौक से प्रखंड मुख्यालय एवं थाना तक जाने वाली सड़क बदहाल राहगीर परेशान

केरसई : प्रखंड अंतर्गत यह मुख्य मार्ग छत्तीसगढ़ सीमा को जोड़ती हैं। यह मुख्य मार्ग केरसई इंदिरा चौक से प्रखंड होते हुवे थाना तक लगभग पौन किलो मीटर सड़क पूरी तरह से जर्जर हो चुका है, जिससे चौक से लेकर प्रखंड एवं थाना आना जाना राहगीरों ,ग्रामीणों,एवं सरकारी कर्मियों के लिए चुनौती बन गया है। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे व नुकीले पत्थर उभर आए हैं। हालत यह है कि चौक से थाना तक की सड़क पर भारी वाहन अनेकों बार दुर्घटनाग्रस्त हो चुकी है और हालात यह है कि पैदल चलना भी जोखिम भरा हो गया है और आए दिन लोग गिरकर घायल हो रहे हैं। वाहन या ऑटो गुजरने पर भारी धूल उड़ती है तथा प्रखंड एवं थाना के कार्यों के लिए आना जाना भी मुश्किल हो गया है।जिसके चलते ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से आग्रह करते हुए मांग किया है कि जल्द इस रोड को बनाया जाए जिससे प्रखंड एवं थाना आने-जाने में ग्रामीण ऑन को अन्य तरह के कार्य करने में मुश्किलों का सामना करना ना पड़े।

राष्ट्रीय संगठन सृजन अभियान कार्यक्रम में शामिल हुए भूषण बाड़ा

सिमडेगा : नई दिल्ली में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित जिला कांग्रेस अध्यक्षों के राष्ट्रीय संगठन सृजन अभियान कार्यक्रम में झारखंड कांग्रेस कमेटी ने भी मजबूत मौजूदगी दर्ज की। इस कार्यक्रम में सिमडेगा विधायक सह जिला अध्यक्ष भूषण बाड़ा भी शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में विपक्ष के नेता सह सांसद राहुल गांधी, राष्ट्रीय महासचिव के.सी. वेणुगोपाल और कई पूर्व मुख्यमंत्री उपस्थित थे। मौके पर राहुल गांधी ने कई सुझाव दिए। उन्होंने मुख्य रूप से बूथ स्तर पर कार्यकताओं को सशक्त बनाने सहित कई सुझाव दिए। राहुल गांधी ने कहा कि जो जिला अध्यक्ष अपने संगठनात्मक दायित्वों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करेगा, उसे प्रमोशन मिलेगा। उन्होंने कहा कि संगठन मजबूत करना, जनता तक कांग्रेस का संदेश पहुँचाना और अनुशासन बनाए रखना सभी जिला अध्यक्षों की प्राथमिक जिम्मेदारी है।पार्टी में अनुशासन, टीमवर्क और पारदर्शिता अनिवार्य है। कार्यक्रम में जिला अध्यक्षों को युवाओं, महिलाओं, एससी-एसटी और अल्पसंख्यक समुदायों को अधिक से अधिक जिम्मेदारी देने पर जोर देते हुए कहा गया कि संगठन अब नई सोच और नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि बूथों का दौरा कर जनता से सीधा संवाद करना होगा। संगठन की असली ताकत बूथ पर बनती है, ज़िलों के दफ्तरों में नहीं। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, झारखंड प्रदेश प्रभारी के राजू, प्रदेश अध्यक्ष केशव कमलेश महतो सहित प्रदेश स्तर के कई पदधारी सहित 8 राज्यों के कुल 286 जिला अध्यक्षों ने हिस्सा लिया।

दुमका में दोहरा हत्याकांड, इंस्पेक्टर कार्यालय के पीछे मिला मां-बेटी का शव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

दुमका : दुमका शहर के वीर कुंवर सिंह चौक के समीप स्थित पुलिस निरीक्षक (इंस्पेक्टर) कार्यालय के पीछे मां और बेटी का शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। शहर के अत्यंत व्यस्त और संवेदनशील माने जाने वाले क्षेत्र में हुई इस वारदात ने लोगों को स्तब्ध कर दिया है। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत और आक्रोश का माहौल है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह स्थानीय लोगों की नजर जब दोनों शवों पर पड़ी तो तत्काल नगर थाना पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी। घटनास्थल की परिस्थितियां संदिग्ध बताई जा रही हैं। महिला के कपड़े अस्त-व्यस्त पाए गए हैं, जबकि बच्ची के नाक से खून निकलने के निशान मिले हैं। प्रथम दृष्टया मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है। परिस्थितियों को देखते हुए दुष्कर्म या दुष्कर्म के प्रयास के दौरान विरोध करने पर हत्या की आशंका जताई जा रही है। हालांकि पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की आधिकारिक पुष्टि की जाएगी। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही मृतकों की शिनाख्त और उनके परिजनों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, महिला अपने बेटे के साथ शहर में भीख मांगकर जीवन-यापन करती थी। नगर निकाय चुनाव को लेकर प्रशासन द्वारा कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के दावे किए जा रहे हैं। ऐसे में इंस्पेक्टर कार्यालय के पीछे दोहरे हत्याकांड की यह घटना सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। फिलहाल पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच में जुटी है और घटनाक्रम की कड़ियों को जोड़ने का प्रयास कर रही है। पूरे शहर में इस जघन्य वारदात को लेकर चर्चा और रोष का माहौल है।

एक नजर

ट्रक की चपेट में आकर बाइक सवार युवक की मौत

सरिया : बुधवार की सुबह 8:30 बजे सरिया बागोडीह पथ के कोलहरिया गांव के समीप सड़क दुर्घटना में एक बाइक सवार की दर्दनाक मौत हो गया। घटना को लेकर मिली जानकारी के अनुसार जमुआ तारा चुंगलो थाना क्षेत्र निवासी रामरतन राय के 23 वर्षीय पुत्र सत्यम कुमार बगोदर स्थित रॉयल इनफील्ड के शो रुम में सेल्स विभाग में कार्य करता था। बुधवार की सुबह शो रुम से गाड़ी डेलिवरी के लिए नई गाड़ी लेकर गिरिडीह ब्रांच जा रहा था। इसी बीच कोल्हारिया के समीप एफ सी आई का अनाज लेकर ट्रक संख्या जे एच 09 आर 1884 सरिया की ओर आ रही थी इसी बीच बाइक सवार को अपने चपेट में ले लिया। और मौके पर ही मौत हो गया। घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। वही ग्रामीणों की काफी भीड़ इकट्ठा हो गया। घटना की सूचना पर स्वजन और सरिया पुलिस पहुंची और सुबह 10:30 बजे शव को सरिया पुलिस ने अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बगोदर ट्रामा सेंटर भेज दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार मृतक का चचेरा भाई का आज 12वीं श्राद्ध है। इस घटना के बाद परिवार के लोगों के कोहराम मच गया है।

दुबई से फंसे झारखंड के 11 मजदूरों की सुरक्षित वतन वापसी

सरिया : झारखंड के 14 प्रवासी मजदूरों में से 11 की आज (बुधवार) दुबई से सुरक्षित वापसी हो गई है। ये मजदूर अक्टूबर 2025 में एटउ कंपनी में ट्रांसमिशन लाइन के काम के लिए दुबई गए थे, लेकिन कंपनी द्वारा वेतन न देने, ओवरटाइम कराने और रहने-खाने की सुविधा न उपलब्ध कराने के कारण वे वहां फंस गए थे। मजदूरों ने अपनी पीड़ा एक वीडियो के जरिए साझा कर सरकार से मदद की अपील की थी।समाजसेवी सिकन्दर अली, जो प्रवासी मजदूरों के हित में सक्रिय हैं, ने मजदूरों को नेताजी सुभाष चंद्र बोस इंटरनेशनल एयरपोर्ट, कोलकाता पहुंचाया। यहां से उन्हें बस से हावड़ा स्टेशन के रास्ते अपने घरों की ओर रवाना किया गया। वापसी के बाद मजदूरों ने कहा कि यदि देश में ही बेहतर रोजगार की व्यवस्था हो तो वे कभी विदेश नहीं जाएंगे। वे मजबूरी में विदेश जाते हैं क्योंकि घरेलू स्तर पर हुनरमंद मजदूरों को उचित काम नहीं मिल पाता।मजदूरों के परिजनों ने झारखंड सरकार, केंद्र सरकार, मीडिया और विशेष रूप से सिकन्दर अली के प्रति आभार व्यक्त किया। सिकन्दर अली ने बताया कि रोजगार के लिए लोग परदेश जाते हैं और वहां कई दर्दनाक घटनाएं होती हैं। सरकार को देश में ही रोजगार के ठोस इंतजाम करने की जरूरत है ताकि ऐसे मामले कम हों।झारखंड और केंद्र सरकार ने मजदूरों की सक्रियता दिखाते हुए उनकी वापसी कराई। यह घटना प्रवासी मजदूरों की समस्याओं को फिर उजागर करती है, जहां विदेशी कंपनियां अक्सर शोषण करती हैं।

बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग्स लिमिटेड का क्रिकेट टूर्नामेंट 4.0 शुरू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग्स लिमिटेड द्वारा आयोजित अरुणा बुधिया मेमोरियल इंटर-डिपार्टमेंट क्रिकेट टूर्नामेंट 4.0 का आगाज 10 फरवरी को सिरका क्रिकेट स्टेडियम में उत्साहपूर्ण माहौल के बीच हुआ। 10 से 28 फरवरी तक चलने वाला यह टूर्नामेंट कर्मचारियों के बीच खेल भावना और आपसी समन्वय को मजबूत करने की दिशा में एक अहम पहल माना जा रहा है। स्वर्गीय अरुणा बुधिया की स्मृति में आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्देश्य कर्मचारियों में टीमवर्क, नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना को प्रोत्साहित करना है। उद्घाटन समारोह में जैको वेंटर, मैनेजिंग डायरेक्टर ओर एंड मेटल, साउथ अफ्रीका ने गौरव बुधिया, डायरेक्टर, बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग्स लिमिटेड, टेबोगो रालेका, सेल्स डायरेक्टर ओर एंड मेटल, साउथ अफ्रीका, संभु पाधी, एजीएम झ ओर एंड मेटल इंडिया तथा सत्यकी बिस्वास, मैनेजर ओर एंड मेटल की उपस्थिति में टूर्नामेंट का विधिवत शुभारंभ किया। इस प्रतियोगिता में कुल आठ टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिनमें लगभग 110 खिलाड़ी मैदान में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। उद्घाटन मुकाबला एडमिन एवेंजर्स और कमर्शियल वॉरियर्स के बीच खेला गया, जिसने दर्शकों को रोमांच से भर दिया। टूर्नामेंट को दो समूहों में विभाजित किया गया है। ग्रुप ए में पावर पैंथर्स, सुपर जायंट्स, एचओ हंटर्स और फेरो फाइटर्स शामिल हैं, जबकि ग्रुप बी में एडमिन एवेंजर्स, कमर्शियल वॉरियर्स, इंडक्शन स्टार्स और स्पंज स्ट्राइकर्स अपनी चुनौती पेश कर रही हैं।

फरार अपराधी राहुल दुबे के घर कुर्की जब्ती, न्यायालय के आदेश पर कार्रवाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कुजू : रामगढ़ जिला समेत झारखंड के विभिन्न जिलों में आपराधिक गतिविधियों, रंगदारी और अपहरण जैसे गंभीर मामलों में वांछित चल रहे राहुल दुबे के विरुद्ध बुधवार को न्यायालय के आदेश पर कुर्कीझजब्ती की कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई कुजू ओपी क्षेत्र अंतर्गत ट्रांसपोर्ट नगर स्थित उसके आवास पर की गई। पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में पूरी प्रक्रिया विधि सम्मत तरीके से संपन्न कराई गई। कार्रवाई के दौरान प्रशिक्षु डीएसपी फौजान अहमद, सर्कल इंस्पेक्टर रजत कुमार, कुजू ओपी प्रभारी आशुतोष सिंह, सब इंस्पेक्टर आशीष कुमार गौतम, एएसआई राजेश कुमार सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहे। साथ ही स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में कुर्की की प्रक्रिया पूरी की गई। कुर्कीझजब्ती के तहत घर से तीन पलंग, एक सोफा सेट, दो गोदरेज अलमारी, एक शू रैक, एक ड्रेसिंग टेबल तथा चार पंखे सहित अन्य घरेलू सामान जब्त किए गए। जब्त सामग्री को सूचीबद्ध कर थाना परिसर लाया गया और नियमानुसार आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि राहुल दुबे लंबे समय से कई मामलों में फरार है और गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार ठिकाना बदल रहा है। न्यायालय के निर्देश के आलोक में यह सख्त कार्रवाई की गई है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यदि वह शीघ्र आत्मसमर्पण नहीं करता है तो आगे भी कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी। इस कार्रवाई को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना रहा। स्थानीय लोगों ने इसे कानून व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि यदि किसी को फरार आरोपी के संबंध में कोई सूचना मिले तो तुरंत प्रशासन को अवगत कराएं, ताकि उसे जल्द गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा सके।

सरिया नगर पंचायत में विकास की चमक सिर्फ नई कॉलोनियों तक सीमित

बलीडीह और श्री रामडीह गांवों की अनसुनी पुकार कच्ची नालियों में बहता गंदा पानी बना मुसीबत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : झारखंड के गिरिडीह जिले में बसा सरिया प्रखंड का बड़की सरिया नगर पंचायत क्षेत्र एक तरफ विकास की चकाचौंध दिखा रहा है, तो दूसरी तरफ कुछ गांवों की आंखों में आंसू और दिल में निराशा छिपी है। जहां एक ओर केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री तथा कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी ने हाल ही में नगर पंचायत में 16 महत्वपूर्ण विकास योजनाओं का भव्य शिलान्यास किया, वहां बलीडीह और श्री रामडीह जैसे पुराने बसे गांवों को एक भी योजना का हिस्सा नहीं मिला। यह सवाल उठता है कि क्या विकास की किरणें सिर्फ चुनिंदा इलाकों तक पहुंच रही हैं, या फिर पुराने गांवों को अब भी अंधेरे में रखा जा रहा है? बलीडीह और श्री रामडीह गांव सरिया नगर पंचायत के अंतर्गत आते हैं, लेकिन इन गांवों के निवासियों का कहना है कि विकास की हर सौगात नए बसे कॉलोनियों और मुख्य बाजार क्षेत्रों में ही सिमट जाती है। सड़कें हों, नाली-नालियां हों, या कोई अन्य बुनियादी सुविधा—सब कुछ नई बस्तियों को प्राथमिकता मिलती है। पुराने गांवों में रहने वाले लोग सालों से उम्मीद लगाए बैठे हैं कि कब उनकी गलियां पक्की होंगी, कब नालियां साफ-सुथरी बनेंगी, और कब उनकी रोजमर्रा की मुश्किलें कम होंगी। लेकिन हर बार निराशा ही हाथ लगती है।बीते दिनों जब पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल था—केंद्रीय मंत्री के हाथों 16 योजनाओं का शिलान्यास हो रहा था, उस वक्त भी इन गांवों के लोग सिर्फ दूर से तमाशा देखते रहे। कोई ढउउ रोड, कोई ड्रेनेज सिस्टम, कोई स्ट्रीट लाइट या पार्क—कुछ भी इन गांवों के नाम नहीं आया। स्थानीय लोग पूछते हैं—क्या हमारी आबादी कम है? क्या हम वोटर नहीं हैं? या फिर हमारी आवाज इतनी कमजोर है कि सरिया नगर पंचायत के अधिकारियों तक नहीं पहुंच पाती? सबसे बड़ी समस्या है झंडा चौक से बालीडीह स्थित रेलवे लाइन तक की मुख्य नाली का। यह नाली आज भी कच्ची है। बरसात के दिनों में पानी की तेज धार गलियों में बहती है, घरों में घुस जाती है, गंदगी फैलाती है और बीमारियां पैदा करती है। बच्चे स्कूल जाते वक्त कीचड़ में फंस जाते हैं, बुजुर्गों के लिए चलना मुश्किल हो जाता है।

अध्यक्ष पद के चार प्रत्याशियों का डीजे बंधा प्रचार वाहन जब्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : निकाय चुनाव में आदर्श आचार संहिता का सख्ती से अनुपालन कराया जा रहा है। इसी क्रम में प्रशिक्षु आईएएस सह छतरपुर के अनुमंडल पदाधिकारी व वाहन कोषांग के प्रभारी हिमांशु लाल ने बुधवार को छतरपुर नगर पंचायत में अध्यक्ष पद के चार प्रत्याशियों का डीजे बंधा चार प्रचार वाहन को जब्त किया है। सभी वाहनों को थाना में लगा दिया गया है। मामले में कार्रवाई की जा रही है। प्रशिक्षु आईएएस ने शाम 6 बजे बताया कि जांच के दौरान पाया गया कि छतरपुर नगर पंचायत में अध्यक्ष पद की प्रत्याशी समिता देवी उर्फ सुमन गुप्ता के प्रचार वाहन में डीजे बंधा हुआ है। नियम विरुद्ध साउंड सिस्टम होने के कारण वाहन को जब्त कर लिया गया। इसी तरह अध्यक्ष पद के ही प्रत्याशी चंदन प्रकाश सिन्हा के प्रचार वाहन में भी डीजे बंधा होने के कारण गाड़ी को जब्त किया गया। अध्यक्ष पद के ही प्रत्याशी कैलाश सिंह और भरत प्रसाद की प्रचार गाड़ी में भी डीजे साउंड सिस्टम होने के कारण उसे भी जब्त कर लिया गया है।

संक्षिप्त खबरें

राधा गोविंद विवि में सेफर इंटरनेट डे 2026 पर एआई जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

रामगढ़ : राधा गोविंद विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी द्वारा सेफर इंटरनेट डे 2026 के अवसर पर स्मार्ट टेक, सुरक्षित विकल्प एआई के सुरक्षित एवं जिम्मेदार उपयोग की खोज विषय पर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के सुरक्षित, नैतिक और जिम्मेदार उपयोग के प्रति जागरूक करना था, ताकि वे डिजिटल युग की चुनौतियों का समझदारी से सामना कर सकें। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के शिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वक्ताओं ने एआई तकनीक की बढ़ती उपयोगिता और उसके प्रभाव पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही डेटा गोपनीयता, साइबर अपराध, डीपफेक, फेक न्यूज, ऑनलाइन धोखाधड़ी और डिजिटल सुरक्षा जैसे गंभीर विषयों पर चर्चा की गई। विद्यार्थियों को सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने, मजबूत पासवर्ड के उपयोग, संदिग्ध लिंक से सावधानी बरतने तथा सोशल मीडिया पर जिम्मेदारी से सामग्री साझा करने के लिए प्रेरित किया गया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलाधिपति बी.एन. साह ने कहा कि डिजिटल युग में एआई परिवर्तन का एक सशक्त माध्यम बन चुका है। शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग और शोध के क्षेत्र में एआई की भूमिका लगातार बढ़ रही है। ऐसे में आवश्यक है कि विद्यार्थी तकनीक का उपयोग सकारात्मक सोच, नैतिक मूल्यों और जिम्मेदारी के साथ करें, ताकि समाज को इसका अधिकतम लाभ मिल सके। सचिव प्रियंका कुमारी ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे समय की आवश्यकता बताया। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. निर्मल कुमार मंडल, वित्त एवं लेखा पदाधिकारी डॉ. संजय कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. अशोक कुमार, प्रबंध समिति सदस्य अजय कुमार, इंजीनियरिंग संकाय के व्याख्यातागण तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूकता का सशक्त संदेश दिया।

विधायक सविता महतो व सोमेश सोरेन ने चीलगु में वीर शहीद तिलका मांझी को दी श्रद्धांजलि

चांडिल : वीर शहीद बाबा तिलका मांझी की जयंती के अवसर पर बुधवार को रांची से लौटने के क्रम में विधायक सविता महतो एवं विधायक सोमेश सोरेन ने चांडिल प्रखंड के चीलगु स्थित बाबा तिलका मांझी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर विधायक सविता महतो ने कहा कि बाबा तिलका मांझी का जीवन संघर्ष, साहस और बलिदान की अद्भुत मिसाल है। उनके आदर्शों और विचारों से प्रेरणा लेकर हमें समाज और राष्ट्र के उत्थान के लिए कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि तिलका मांझी ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ आवाज उठाकर स्वतंत्रता संग्राम की अलख जगाई, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। मौके पर मुख्यमंत्री की बुआ सुखी टुडू, जिला अध्यक्ष डॉ. शुभेंदु महतो, झामुमो केंद्रीय सदस्य ओम प्रकाश लायेक, काबलू महतो, स्नेहा महतो, संजय महतो, दिलीप किस्कू, शिव शंकर लायेक, राहुल वर्मा, करण हांसदा सहित अन्य कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग उपस्थित थे।

बाबा तिलका मांझी जयंती पर गांगोडीह में फुटबॉल प्रतियोगिता व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

चांडिल : बुधवार को बाबा तिलका मांझी जयंती के अवसर पर बाबा तिलका मांझी कल्याण समिति गांगोडीह पुनर्वास के द्वारा आयोजित एक दिवसीय फूटबॉल प्रतियोगता एवं संस्कृतिक कार्यक्रम में बीजेपी युवा मोर्चा आकाश कुमार महतो, नवीन महन्ती शामिल हुयें। बाबा तिलका मांझी के जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दियें।

उपायुक्त-सह- जिला दण्डाधिकारी, का कार्यालय, गुमला
(पंचायत शाखा)
(dprogumla11@gmail.com

:- आम सूचना :-

नगरपालिका (आम) निर्वाचन, 2026 के निमित अध्यक्ष, सभी वार्ड पार्षद पद के उम्मीदवारों के निर्वाचन व्यय पंजी की जाँच हेतु व्यय प्रेक्षक, गुमला द्वारा नगर भवन, गुमला में बैठक निर्धारित की गई है जो निम्नवत् है :-

क्र0	तिथि एवं समय	स्थान	अभ्युक्ति
1	2	3	4
1	12.02.2026 समय 11:00 बजे पूर्वाहन्	नगर भवन, गुमला	
2	16.02.2026 समय 11:00 बजे पूर्वाहन	नगर भवन, गुमला	
3	20.02.2026 समय 11:00 बजे पूर्वाहन	नगर भवन, गुमला	
4	27.03.2026 समय 11:00 बजे पूर्वाहन	नगर भवन, गुमला	

उक्त के आलोक में सभी नाम निर्देशित प्रत्याशी अध्यक्ष, पद/वार्ड पार्षद पद के प्रत्याशियों की जानकारी हेतु इसकी सूचना का प्रकाशन सभी प्रमुख दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित करने की कृपा की जाय।

जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका)
गुमला

PR 372793 Panchayati Raj(25-26)#D

समर्पण दिवस के रूप में मनाई गई पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि, भाजपा ने दी श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : भाजपा जमशेदपुर महानगर ने एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 58वीं पुण्यतिथि को 'समर्पण दिवस' के रूप में मनाया। बुधवार को भाजपा जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष संजीव सिन्हा की अध्यक्षता में साकची स्थित जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में झारखंड भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिनेशानंद गोस्वामी मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। इस दौरान बरकट्ठा के विधायक अमित यादव, प्रदेश मंत्री नंदजी प्रसाद समेत पार्टी के वरीय नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया। मौके पर कार्यकर्ताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय अमर रहे एवं भारत माता की जय से कार्यालय परिसर गुंजायमान रखा। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए झारखंड भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिनेशानंद गोस्वामी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय भारतीय राजनीति में मूल्य आधारित आचरण, नैतिकता और राष्ट्रवाद के सशक्त स्तंभ थे। उनका संपूर्ण जीवन सिद्धांतों पर आधारित राजनीति के प्रतीक हैं। डॉ. गोस्वामी ने कहा कि मात्र 15 वर्षों के सक्रिय राजनीतिक जीवन में पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने जनसंघ को अखिल भारतीय स्वरूप दिया, उसे वैचारिक आधार प्रदान किया और कार्यकताओं में मातृभूमि की सेवा का आजीवन संकल्प जगाया। 'वंदे मातरम' और 'भारत माता की जय' जैसे राष्ट्रीय भावों को उन्होंने राजनीतिक संस्कार का हिस्सा बनाया। उनका एकात्म मानव दर्शन आज भी भारतीय राजनीति को दिशा दे रहा है। उन्होंने कहा कि पंडित जी के अंत्योदय के विचार को अटल बिहारी वाजपेयी जी की एनडीए सरकार ने आगे बढ़ाया और अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र एवं भाजपा शासित राज्य सरकारें उसी मार्ग पर अग्रसर हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना, शौचालय निर्माण, उज्ज्वला योजना, किसानों के हित में योजनाएं, कोरोना काल में टीकाकरण जैसे अभियान अंत्योदय की भावना के सशक्त उदाहरण हैं, जिनका उद्देश्य समाज के अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति का उत्थान है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के समृद्ध, शक्तिशाली और वैभवशाली भारत के सपने को साकार करने के लिए संकल्प लें।

e-Procurement Cell
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
BUILDING CONSTRUCTION DEPARTMENT
BUILDING DIVISION NO. – 1, RANCHI
(Behind State Guest House Morhabadi), Dindayal Nagar Booty Road Ranchi-834008

VERY SHORT TERM E-QUOTATION INVITATION NOTICE
FOR RATE PURPOSE ONLY
Quotation Reference No: BCD/Bld. Div. No.- 1 --- 30/2025-26

Sealed Quotations are invited for the work **Renovation of Main Building, Construction of Shed and Upgradation of Kitchen in B.P.D.P. Senior Officer's Quarter No. 2/4 at Morhabadi, Ranchi** for all Materials from Reputed Shop Keepers/ Manufacturers / Suppliers / Retailers / Distributors and Registered B.C.D. Contractors for following items. They should quote their rates for unit mentioned in the table. If they do not deals all of the below mentioned items then they are allowed to quote their rate for part of the items which ever they deals. The rates should be exclusive of all types of Taxes, GST, Contractor's Profit and overhead charges etc. but inclusive of Royalty. All Rates should be exclusive of Labour Cess.

Terms and Condition
1. The quotationer shall furnish Pan, GST registration no.
2. The rate quoted by quotationer shall be firm and final.
3. The undersigned reserves the right to accept or reject/cancel any or all quotations without assigning any reason thereof.

नोट :–
(1) वेबसाईट में ई–कोटेशन अपलोड की अंतिम तिथि : 18-02-2026 के अपराह्न 1:00 बजे तक।
(2) ई–कोटेशन खोलने की तिथि एवं समय 19-02-2026 अपराह्न 1:30 बजे।
(3) ई–कोटेशन आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता : कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल संख्या–1, राँची।
(4) ई–कोटेशन प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0 : 8527519262
विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

Nodal Officer,
e-Procurement Cell,
Office of the Executive Engineer
Building Construction Department,
Building Division No.-1, Ranchi

PR 372828 Building(25-26).D

धर्म, समाज और राष्ट्र की चेतना जगाने वाले स्वामी दयानंद सरस्वती

स्वामी दयानंद ऐसे देशभक्त, समाज सुधारक, मार्गदशक और आधुनिक भारत के महान चिंतक थे, जिन्होंने न केवल ब्रिटिश सत्ता से जमकर लोहा लिया बल्कि अपने कार्यों से समाज को नई दिशा और ऊर्जा भी प्रदान की। 1857 की क्रांति में उनका अमूल्य योगदान था। आर्य समाज के संस्थापक महर्षि स्वामी दयानन्द सरस्वती का जन्म गुजरात के टंकारा में 12 फरवरी 1824 को हुआ था। स्वामी दयानंद का बचपन बहुत अच्छा बीता लेकिन उनके जीवन में घटी एक घटना ने उन्हें इस कदर प्रभावित किया कि वे 21 वर्ष की आयु में ही अपना घर बार छोड़कर आत्मिक एवं धार्मिक सत्य की तलाश में निकल पड़े और संन्यासी बन गए। जीवन में ज्ञान की तलाश में वे स्वामी विरजानंद से मिले, जिन्हें अपना गुरु मानकर उन्होंने मथुरा में वैदिक तथा योग शास्त्रों के साथ ज्ञान की प्राप्ति की। साल 1845 से 1869 तक कुल 25 वर्षों की अपनी वैराग्य यात्रा में उन्होंने कई प्रकार के दैविक क्रियाकलापों के बीच विभिन्न प्रकार के योगों का भी गहन अभ्यास किया। देश के स्वतंत्रता संग्राम में स्वामी दयानंद की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण थी और "स्वराज" का नारा उन्होंने ही दिया था, जिसे बाद में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने अपनाया और "स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है" का नारा दिया। वेदों का प्रचार-प्रसार करने के साथ-साथ उनकी महत्ता लोगों तक पहुंचाने तथा समझाने के लिए उन्होंने देशभर में भ्रमण किया। जीवनपर्यन्त वेदों, उपनिषदों का पाठ करने वाले स्वामी जी ने पूरी दुनिया को इस ज्ञान से लाभान्वित किया। उनकी किताब "सत्यार्थ प्रकाश" आज भी दुनियाभर में अनेक लोगों के लिए मार्गदर्शक साबित हो रही है। वेदों को सर्वोच्च मानने वाले स्वामी दयानन्द ने वेदों का प्रमाण देते हुए हिन्दू समाज में फैली कुरीतियों और अंधविश्वासों का डटकर विरोध किया। जातिवाद, बाल विवाह, सती प्रथा जैसी समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने में उनका योगदान उल्लेखनीय है, इसीलिए उन्हें "संन्यासी योद्धा" भी कहा जाता है। दलित उद्धार तथा स्त्रियों की शिक्षा के लिए भी उन्होंने कई आन्दोलन किए। हिन्दू धर्म के अलावा इस्लाम तथा ईसाई धर्म में फैली बुराईयों और अंधविश्वासों का भी उन्होंने जोरदार खंडन किया। उन्होंने अपना पूरा जीवन मानव कल्याण, धार्मिक कुरीतियों की रोकथाम तथा वैश्विक एकता के प्रति समर्पित कर दिया। वे आध्यात्मिक क्रांति के संदेशवाहक थे। स्वामी दयानंद ने आर्य समाज की स्थापना मुम्बई के गिरगांव में गुड़ी पड़वा के दिन 10 अप्रैल 1875 को की थी, जिसकी स्थापना का मुख्य उद्देश्य शारीरिक, आत्मिक और सामाजिक उन्नति के साथ समूचे विश्व को एक साथ जोड़ना था। आर्य समाज के द्वारा उन्होंने दस मूल्य सिद्धांतों पर चलने की सलाह दी। मूर्ति पूजा के अलावा वे जाति विवाह, महिलाओं के प्रति असमानता की भावना, मांस के सेवन, पशुओं की बलि देने, मंदिरों में चढ़ावा देने इत्यादि के सख्त खिलाफ थे और इसके लिए उन्होंने लोगों में जागरुकता पैदा करने के अथक प्रयास किए। अपने 59 वर्ष के जीवनकाल में महर्षि दयानंद ने न सिर्फ देश में व्याप्त बुराईयों के खिलाफ लोगों को जागृत किया बल्कि अपने वैदिक ज्ञान से नवीन प्रकाश को भी देशभर में फैलाया। हालांकि कई लोगों ने उनका जमकर विरोध भी किया लेकिन स्वामी दयानंद सरस्वती के तार्किक ज्ञान के समक्ष बड़े-बड़े विद्वानों और पंडितों को भी नतमस्तक होना पड़ा। वे अपने जीवन को पुनर्जन्म, ब्रह्मचर्य, संन्यास तथा कर्म सिद्धांत के चार स्तंभों पर खड़ा मानते थे। स्वामी दयानंद हिन्दी भाषा के प्रबल समर्थक थे और उनका मत था कि कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक पूरे देश में एक ही भाषा "हिन्दी" बोली जानी चाहिए। मानव शरीर को नश्वर बताते हुए वह कहते थे कि हमें इस शरीर के जरिये केवल एक अवसर मिला है, स्वयं को साबित करने का कि "मनुष्यता" और "आत्मविवेक" क्या है। वे कहा करते थे कि शक्ति किसी अलौकिकता या चमत्कारिता के प्रदर्शन के लिए नहीं होती। सभी धर्मों और उनके अनुयायियों को वे एक ही ध्वज तले बैठा देखना चाहते थे।

डिजिटल क्रांति पर साइबर प्रहार गंभीर चुनौती

ललित गर्ग

डिजिटल युग ने भारत की अर्थव्यवस्था और सामाजिक जीवन को अभूतपूर्व गति प्रदान की है। मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई, ई-कॉमर्स और ऑनलाइन सेवाओं ने लेन-देन को सरल, त्वरित और पारदर्शी बनाया है। आज एक सामान्य नागरिक भी कुछ सेकंड में देश के किसी भी कोने में धन भेज सकता है, बिल जमा कर सकता है या निवेश कर सकता है। यही डिजिटल क्रांति "नए भारत" और "विकसित भारत" की आधारशिला मानी जा रही है। किंतु इसी क्रांति के साथ एक गहरी विडंबना भी उभरकर सामने आई है-डिजिटल धोखाधड़ी और साइबर लूट की भयावह बढ़ोतरी। हजारों करोड़ रुपये की ऑनलाइन ठगी की घटनाएँ न केवल आमजन को आर्थिक रूप से आहत कर रही हैं, बल्कि देश की आर्थिक सुरक्षा और वित्तीय प्रणाली की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगा रही हैं।

डिजिटल व्यवस्था की मूल आत्मा "विश्वास" है। जब कोई व्यक्ति मोबाइल स्क्रीन पर उभरे एक क्यूआर कोड को स्कैन करता है या किसी लिंक पर क्लिक करता है, तो वह केवल तकनीक पर ही नहीं, बल्कि उस संपूर्ण तंत्र पर भरोसा करता है जो उसे सुरक्षित लेन-देन का आश्वासन देता है। किंतु जब यही विश्वास ठगी, फर्जी कॉल, फिशिंग, निवेश घोटालों और पहचान चोरी के कारण टूटने लगता है, तब डिजिटल विकास की पूरी अवधारणा कमजोर पड़ने लगती है। यदि बैंकिंग व्यवस्था में नकली नोटों की भरमार हो जाए तो मुद्रा पर विश्वास डगमगा जाता है, उसी प्रकार यदि डिजिटल लेन-देन में ठगी सामान्य अनुभव बन जाए, तो नागरिक डिजिटल माध्यमों से दूरी बनाने लगते हैं। यह स्थिति केवल व्यक्तिगत हानि का प्रश्न नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आर्थिक ढांचे के लिए भी खतरे की घंटी है। परंपरागत अपराधों और डिजिटल अपराधों की तुलना करें तो दोनों के स्वरूप और प्रभाव में महत्वपूर्ण अंतर दिखाई देता है। पहले चोरी या डकैती किसी सीमित भौगोलिक क्षेत्र तक सीमित होती थी, अपराधी की पहचान अपेक्षाकृत स्पष्ट होती थी और जांच प्रक्रिया स्थानीय स्तर पर संचालित होती थी। डिजिटल अपराधों में अपराधी अदृश्य है, वह किसी दूसरे राज्य या देश में बैठकर वारदात कर सकता है, और कुछ मिनटों में सैकड़ों लोगों को निशाना बना सकता है। पारंपरिक अपराध में जोखिम अपराधी के लिए अधिक था, डिजिटल अपराध में जोखिम कम और लाभ अधिक है। यही असंतुलन इसे अत्यंत खतरनाक बनाता है।

एक अन्य तुलनात्मक पक्ष यह है कि डिजिटल अपराधों में पीड़ित की मनोवैज्ञानिक स्थिति भी अलग होती है। ठगी का शिकार व्यक्ति स्वयं को अपराधी के सामने असहाय पाता है। पुलिस और साइबर क्राइम कार्यालयों के चक्कर लगाने के बाद भी जब उसे तकनीकी कारणों का हवाला देकर लौटा दिया जाता है, तो उसके भीतर व्यवस्था के प्रति गहरा अविश्वास जन्म लेता है। कई मामलों में यह देखा गया है कि शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया जटिल है, समुचित मार्गदर्शन नहीं मिलता, और समय पर कार्रवाई न होने से धन की रिकवरी असंभव हो जाती है। इससे यह धारणा बनती है कि डिजिटल अपराध का कोई वास्तविक दंड नहीं है। सरकार और न्यायपालिका ने समय-समय पर इस समस्या की गंभीरता को स्वीकार किया है। शीर्ष अदालत द्वारा ऑनलाइन धोखाधड़ी को आर्थिक सुरक्षा से जोड़कर देखना इस बात का संकेत है कि यह केवल व्यक्तिगत अपराध नहीं, बल्कि संगठित आर्थिक आक्रमण भी हो सकता है। किंतु नीति-निर्माण और क्रियान्वयन के बीच की दूरी अभी भी बनी हुई है। अनेक प्लेटफार्म और हेल्पलाइन स्थापित किए गए हैं, परंतु उनकी कार्यप्रणाली में त्वरित प्रतिक्रिया, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व की कमी स्पष्ट दिखती है। यदि शिकायत के बाद प्रारंभिक "गोल्डन ऑवर" में ही बैंक खाते फ्रीज करने और ट्रांजैक्शन ट्रैक करने की प्रभावी व्यवस्था न हो, तो बाद की प्रक्रिया औपचारिकता बनकर रह जाती है। वित्तीय प्रणाली की दृष्टि से देखें तो डिजिटल धोखाधड़ी का बढ़ना निवेश, उपभोग और बैंकिंग व्यवहार पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। यदि आमजन को यह आशंका सताने लगे कि ऑनलाइन निवेश योजनाएँ या भुगतान सुरक्षित नहीं हैं, तो वह नकद लेन-देन की ओर लौट सकता है। यह प्रवृत्ति सरकार की कैशलेस अर्थव्यवस्था की नीति को कमजोर करेगी। इसके अतिरिक्त, विदेशी निवेशकों के लिए भी यह संकेत नकारात्मक हो सकता है कि साइबर सुरक्षा का ढांचा पर्याप्त सुदृढ़ नहीं है। अतः यह केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि आर्थिक नीति का भी केंद्रीय प्रश्न है। समाधान के स्तर पर तुलनात्मक रूप से देखें तो विकसित देशों ने साइबर सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा के दायरे में रखा है। वहाँ विशेषीकृत एजेंसियाँ, उच्च प्रशिक्षित तकनीकी विशेषज्ञ, त्वरित डेटा साझा करने की प्रणाली और सख्त दंडात्मक प्रावधान हैं। भारत में भी साइबर क्राइम ब्यूरो और डिजिटल सुरक्षा तंत्र मौजूद हैं, परंतु उनकी क्षमता, संसाधन और प्रशिक्षण को और अधिक सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता है। स्थानीय पुलिस बल को केवल पारंपरिक अपराधों की नहीं, बल्कि डिजिटल फॉरेंसिक, ब्लॉकचेन ट्रैकिंग और डेटा विश्लेषण की भी विशेषज्ञता दी जानी चाहिए। जब तक जांच एजेंसियाँ तकनीकी रूप से अपराधियों से एक कदम आगे नहीं होंगी, तब तक रोकथाम कठिन रहेगी।

एक महत्वपूर्ण पक्ष नागरिक जागरूकता का भी है। तकनीक जितनी उन्नत होती है, अपराधी भी उतने ही नए तरीके अपनाते हैं। अतः केवल सरकारी तंत्र पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। विद्यालयों, महाविद्यालयों और सामाजिक संगठनों के माध्यम से डिजिटल साक्षरता अभियान चलाना आवश्यक है, ताकि लोग संदिग्ध लिंक, कॉल और निवेश प्रस्तावों से सावधान रहें। किंतु यह भी ध्यान रखना होगा कि जागरूकता का दायित्व पीड़ित पर डालकर व्यवस्था अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकती। सुरक्षा का मूल दायित्व तंत्र का है, नागरिक का नहीं। भ्रष्टाचार और लापरवाही भी इस समस्या को जटिल बनाते हैं। यदि बैंक या भुगतान प्लेटफार्म समय पर कार्रवाई नहीं करते, या आंतरिक मिलीभगत से फर्जी खाते संचालित होते हैं, तो यह केवल तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि संस्थागत विफलता है। इसलिए पारदर्शी ऑडिट प्रणाली, जवाबदेही और कठोर दंड अनिवार्य हैं। डिजिटल प्लेटफार्मों की केवाईसी प्रक्रिया को अधिक कठोर और वास्तविक बनाना होगा, ताकि फर्जी पहचान के माध्यम से खाते खोलना कठिन हो। अंततः डिजिटल क्रांति का उद्देश्य सुविधा, पारदर्शिता और समृद्धि है। यदि यही क्रांति भय, असुरक्षा और अविश्वास का कारण बनने लगे, तो उसका नैतिक औचित्य कमजोर पड़ जाएगा। भारत जैसे विशाल देश में डिजिटल परिवर्तन को रोकना संभव नहीं, और न ही यह वांछनीय है। किंतु इसे सुरक्षित और विश्वसनीय बनाना अनिवार्य है। सरकार को नीति, तकनीक और प्रशासन-तीनों स्तरों पर समन्वित रणनीति अपनानी होगी। साइबर अपराध के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई, पीड़ितों को समयबद्ध राहत, जांच एजेंसियों का सशक्तीकरण और वित्तीय संस्थानों की जवाबदेही-ये सब मिलकर ही धोखाधड़ी मुक्त डिजिटल परिवेश का निर्माण कर सकते हैं। डिजिटल भारत की सफलता केवल ऐप्स और आंकड़ों से नहीं, बल्कि उस विश्वास से मापी जाएगी जो नागरिक अपने मोबाइल स्क्रीन पर उभरते हर ट्रांजैक्शन संदेश के साथ महसूस करता है। यदि यह विश्वास सुरक्षित रहा, तो डिजिटल क्रांति राष्ट्र को नई ऊँचाइयों पर ले जाएगीय यदि यह टूट गया, तो समृद्धि का सपना भी अधूरा रह जाएगा। अतः समय की मांग है कि डिजिटल धोखाधड़ी को एक राष्ट्रीय चुनौती मानकर उसके समाधान की दिशा में ठोस, निर्णायक और पारदर्शी कदम उठाए जाएँ, ताकि विकसित भारत की आधारशिला मजबूत और अडिग रह सके।

योगी के बजट से 2027 की बिसात, आंकड़ों के सहारे सियासी दांव

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश सरकार का 2026-27 का बजट केवल अगले वित्त वर्ष की आय-व्यय योजना नहीं है, बल्कि इसे 2027 के विधानसभा चुनाव की सबसे ठोस राजनीतिक पटकथा के रूप में देखा जा रहा है। 9 लाख 12 हजार 696 करोड़ रुपये के इस बजट के जरिए सरकार ने यह साफ संकेत दिया है कि वह चुनाव से पहले विकास, सुरक्षा और कल्याण तीनों मोर्चों पर अपने दावों को आंकड़ों के साथ जमीन पर उतारकर पेश करना चाहती है। पिछले बजट के मुकाबले करीब 12.9 प्रतिशत बढ़े इस आकार को सत्ता पक्ष "विश्वास का बजट" बता रहा है, जबकि इसके भीतर छिपा राजनीतिक संदेश यह है कि सरकार न तो संसाधनों की कमी से जूझ रही है और न ही चुनाव से पहले खर्च बढ़ाने से पीछे हट रही है।

सरकार ने सबसे पहले प्रदेश की अर्थव्यवस्था को अपने मजबूत पक्ष के रूप में सामने रखा है। 2024-25 के त्वरित अनुमान के अनुसार 30.25 लाख करोड़ रुपये की जीएसडीपी और 13.4 प्रतिशत की वृद्धि दर यह दिखाने की कोशिश है कि उत्तर प्रदेश अब केवल जनसंख्या वाला राज्य नहीं, बल्कि तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था वाला प्रदेश बन चुका है। 2016-17 में जहां जीएसडीपी करीब 12.75 लाख करोड़ रुपये थी, वहीं आठ-नौ वर्षों में इसके ढाई गुना से अधिक होने को सरकार स्थिर शासन और निवेश के अनुकूल माहौल का नतीजा बता रही है। 2027 के चुनाव में यह आंकड़ा खासतौर पर शहरी मतदाताओं, कारोबारियों और निवेश से जुड़े वर्गों के सामने रखा जाएगा, ताकि यह संदेश जाए कि सत्ता में बदलाव विकास की रफ्तार को रोक सकता है।

प्रति व्यक्ति आय को लेकर दिए गए आंकड़े भी इसी राजनीतिक रणनीति का हिस्सा हैं। 2016-17 में 54,564 रुपये रही प्रति व्यक्ति आय के 2024-25 में बढ़कर 1,09,844 रुपये होने और 2025-26 में इसके 1,20,000 रुपये तक पहुंचने के अनुमान को सरकार आम आदमी की जिंदगी से जोड़कर पेश कर रही है। यह संदेश खास तौर पर मध्यम वर्ग और निम्न मध्यम वर्ग के लिए है, जो महंगाई, बच्चों की पढ़ाई और स्वास्थ्य खर्च को लेकर सबसे ज्यादा चिंतित रहता है। सरकार का दावा है कि आय बढ़ने का मतलब सिर्फ आंकड़ों में सुधार नहीं, बल्कि उपभोग और जीवन स्तर में बदलाव है।

गरीबी के मोर्चे पर 6 करोड़ लोगों को बहुआयामी गरीबी से बाहर निकालने का दावा 2027 के लिहाज से सबसे बड़ा सामाजिक कार्ड माना जा रहा है। मुफ्त राशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला गैस कनेक्शन, आयुष्मान भारत कार्ड, शौचालय और बिजली कनेक्शन जैसी योजनाओं से जुड़े करोड़ों लाभार्थियों को एक साथ रखकर सरकार यह दिखाना चाहती है कि गरीब सिर्फ योजनाओं का नाम नहीं, बल्कि सत्ता की राजनीति का केंद्र है। चुनावी रणनीति में यह वर्ग इसलिए अहम है क्योंकि यह सीधे सरकार से जुड़ाव महसूस करता है और उसके फैसले अक्सर स्थिर रहते हैं।

रोजगार को लेकर बजट में पेश किए गए आंकड़े विपक्ष के सबसे मजबूत मुद्दे का जवाब माने जा रहे हैं। बेरोजगारी दर 2.24 प्रतिशत बताकर सरकार यह दावा कर रही है कि प्रदेश में रोजगार की स्थिति राष्ट्रीय औसत से बेहतर है। पुलिस विभाग में 2017 से अब तक 2 लाख 19 हजार से अधिक भर्तियां, 1 लाख 58 हजार पदोन्नतियां, 60 हजार से ज्यादा प्रशिक्षणाधीन जवान और 83 हजार से अधिक पदों पर चल रही भर्ती प्रक्रिया को एक साथ जोड़कर सरकार यह दिखाना चाहती है कि सरकारी नौकरियां सिर्फ घोषणाओं तक सीमित नहीं रहीं। शिक्षा क्षेत्र में 34 हजार से अधिक शिक्षकों की नियुक्ति भी इसी दिशा में रखा गया कदम है, क्योंकि शिक्षक समुदाय ग्रामीण और कस्बाई राजनीति में राय बनाने की अहम भूमिका निभाता है।

युवाओं के लिए स्वरोजगार को बढ़ावा देने की रणनीति भी बजट में साफ दिखती है। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत बिना गारंटी और बिना ब्याज ऋण देकर हर साल 1 लाख सूक्ष्म उद्यम स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसका राजनीतिक मतलब यह है कि सरकार उन युवाओं को भी साधना चाहती है, जिन्हें सरकारी नौकरी की सीमित सीटों से निराशा हुई है। अगर यह योजना आंशिक रूप से भी सफल होती है, तो 2027 तक लाखों परिवार सीधे इससे जुड़ सकते हैं।

कृषि क्षेत्र के आंकड़े ग्रामीण राजनीति को ध्यान में रखकर चुने गए हैं। 3 लाख 4 हजार करोड़ रुपये से अधिक का रिकॉर्ड गन्ना मूल्य भुगतान पश्चिमी उत्तर प्रदेश और तराई क्षेत्र में सरकार का सबसे मजबूत चुनावी हथियार माना जा रहा है। गन्ना मूल्य में 30 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी से करीब 3000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त लाभ का दावा किसानों को यह याद दिलाने के लिए है कि भुगतान सीधे खाते में पहुंचा है। गेहूं, धान और मोटे अनाज की लाखों मीट्रिक टन खरीद और हजारों करोड़ रुपये के भुगतान के आंकड़े न्यूनतम समर्थन मूल्य को लेकर सरकार की प्रतिबद्धता दिखाने की कोशिश हैं। नलकूपों के लिए मुफ्त बिजली की व्यवस्था ग्रामीण मतदाताओं के लिए सीधा संदेश है कि सिंचाई लागत सरकार उठाने को तैयार है।

महिलाओं को लेकर बजट में दिए गए आंकड़े 2022 के चुनावी अनुभव से निकले हुए माने जा रहे हैं, जहां महिला मतदाताओं का झुकाव निर्णायक साबित हुआ था। मुख्यमंत्री सुमंगला योजना के तहत 26.81 लाख बालिकाओं को लाभ, सेफ सिटी परियोजना, महिला पुलिस बीट, सीसीटीवी नेटवर्क और वर्किंग वूमेन हॉस्टल जैसे प्रावधान यह दिखाते हैं कि सरकार महिला सुरक्षा और सम्मान को केवल कानून-व्यवस्था नहीं, बल्कि सामाजिक मुद्दा मानती है। महिला मतदाता भावनात्मक और व्यावहारिक दोनों आधारों पर निर्णय करती हैं, और बजट में यह संदेश उसी दिशा में जाता है।

कानून-व्यवस्था से जुड़े आंकड़े भी 2027 की चुनावी कहानी का अहम हिस्सा हैं। डकैती, लूट, हत्या और अपहरण जैसे अपराधों में 40 से 80 प्रतिशत तक कमी के दावे के जरिए सरकार यह स्थापित करना चाहती है कि उत्तर प्रदेश अब पहले जैसा असुरक्षित नहीं है। पुलिस भवनों, आवास और संसाधनों पर हजारों करोड़ रुपये के प्रावधान यह संकेत देते हैं कि सुरक्षा ढांचे को और मजबूत किया जाएगा। यह संदेश शहरी मतदाताओं, व्यापारियों और महिलाओं के लिए खास तौर पर अहम है।

कुल मिलाकर 2026-27 का बजट एक ऐसा दस्तावेज बनकर सामने आया है, जिसमें हर बड़ा आंकड़ा 2027 के मतदाता को ध्यान में रखकर चुना गया है। विकास, कल्याण, सुरक्षा और पहचान चारों को जोड़कर सरकार ने यह दिखाने की कोशिश की है कि सत्ता की निरंतरता ही स्थिरता की गारंटी है। आने वाले महीनों में यही बजट गांव-गांव, शहर-शहर होने वाली राजनीतिक बहसों का आधार बनेगा, जहां सरकार इन आंकड़ों के सहारे भरोसा मांगेगी और विपक्ष इन्हीं आंकड़ों को चुनौती देने की कोशिश करेगा।

सूडोकु नवताल- 7703

★★★★☆ मध्यम

6	3	7		1	5	4		9
	8						2	
		1		4	8			6
	6			9	7	1		
7	2						5	3
		5	6	3			9	
5			8	2		3		
	4						7	
1		3	7	5		2	6	8

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7702 का हल

5	9	4	1	7	2	6	3	8
6	8	1	4	3	5	2	7	9
2	3	7	8	9	6	1	4	5
9	2	3	7	5	1	4	8	6
4	7	6	9	2	8	5	1	3
1	5	8	3	6	4	9	2	7
8	6	2	5	4	3	7	9	1
7	1	5	2	8	9	3	6	4
3	4	9	6	1	7	8	5	2

शोक सभाओं की भव्यता का दुर्भाग्यपूर्ण चलन

डॉ. प्रियंका सौरभ

किसी भी सभ्य समाज की पहचान उसके उत्सवों से नहीं बल्कि उसके शोक से होती है। समाज दुःख को किस तरह ग्रहण करता है, उसे किस गरिमा और संवेदनशीलता के साथ व्यक्त करता है- यही उसकी मानवीय परिपक्वता का पैमाना है। दुर्भाग्यवश, आज हमारा समाज इस कसौटी पर खरा उतरता हुआ नहीं दिखता। शोक सभाएं, जो कभी दुःख बांटने और शोकाकुल परिवार को संबल देने का सहज माध्यम थीं, अब धीरे-धीरे भव्यता, प्रदर्शन और सामाजिक प्रतिस्पर्धा का मंच बनती जा रही हैं।

आज देश के अनेक हिस्सों में प्रमुख अखबारों के पन्ने पलटते समय यह दृश्य सामान्य हो गया है कि एक ही व्यक्ति के लिए दस, बीस या पचास शोक संदेश एक ही दिन प्रकाशित हो रहे हैं। वे भी साधारण नहीं बल्कि रंगीन, बड़े फॉन्ट में, कई बार पूरे-पूरे पृष्ठों पर। शोक संदेश अब सूचना नहीं, बल्कि विज्ञापन का रूप ले चुके हैं।

कभी छह-सात पंक्तियों का श्वेत-श्याम शोक संदेश ही यह बताने के लिए पर्याप्त होता था कि अमुक व्यक्ति का निधन हो गया है और अमुक स्थान पर शोक सभा आयोजित है। रिश्तेदार और परिचित बिना किसी तामझाम के पहुंच जाते थे। उस समय शोक की अभिव्यक्ति में सादगी थी, मौन था और आत्मीयता थी।

समय के साथ यह सादगी कहीं खोती चली गई। आज शोक संदेश का आकार, उसका रंग, उसका स्थान और उसका खर्च- सब कुछ सामाजिक हैसियत का प्रतीक बन गया है।

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि मृत्यु जैसे अंतिम सत्य को भी हमने स्टेटस सिंबल में बदल दिया है। अब यह देखा जाता है कि किस परिवार ने कितना बड़ा शोक संदेश दिया, किसने रंगीन दिया और किसका संदेश पहले पन्ने पर छपा। शोक सभाओं का स्वरूप भी इसी प्रवृत्ति का प्रतिबिंब बन गया है। अब साधारण बैठक या घर के आंगन में बैठकर संवेदना प्रकट करने का चलन कम होता जा रहा है। उसकी जगह विशाल मंडप, सजे हुए पंडाल, सफेद पर्दे, कालीन और भव्य साज-सज्जा ने ले ली है। कई बार तो शोकसभा किसी बड़े बैंक्वेट हॉल या मैरिज गार्डन में आयोजित की जाती है, जहां का वातावरण शोक से अधिक किसी सामाजिक समारोह जैसा प्रतीत होता है।

मंच पर मृतक का बड़ा, सुसज्जित चित्र रखा जाता है, पुष्पमालाओं और सजावटी रोशनी के बीच। शोकाकुल परिवार के सदस्य भी पूरी तरह सज-संवरकर आते हैं। उनका पहनावा, उनकी देहभाषा और उनका व्यवहार किसी गहरे दुःख की अनुभूति नहीं कराता।

ऐसा नहीं है कि वे दुःखी नहीं हैं लेकिन शोक की वह स्वाभाविक सादगी, वह मौन पीड़ा, इस भव्यता में दब जाती है। शोकसभा में उपस्थित लोगों की संख्या अब संवेदना का नहीं बल्कि प्रतिष्ठा का पैमाना बन चुकी है। कितने लोग आए, कितनी गाड़ियां आईं, कितने नेता पहुंचे, कितने अधिकारी आए-इन सबकी गिनती और चर्चा होती है। शोकसभा समाप्त होने के बाद भी यह मूल्यांकन चलता रहता है कि "अमुक व्यक्ति तो आया ही नहीं" या "फलां बड़े साहब भी पहुंचे थे।" मानो शोकसभा मृतक के प्रति श्रद्धांजलि न होकर सामाजिक शक्ति प्रदर्शन का अवसर हो।

यह प्रवृत्ति केवल तथाकथित उच्च वर्ग तक सीमित नहीं रही है। छोटे और मध्यमवर्गीय परिवार भी अब इस होड़ में शामिल होते जा रहे हैं। वे जानते हैं कि इस तरह का आयोजन उनकी आर्थिक क्षमता से बाहर है, फिर भी सामाजिक दबाव के कारण वे पीछे हट नहीं पाते। परिणामस्वरूप शोकसभा, जो मानसिक संबल देने का अवसर होनी चाहिए, आर्थिक बोझ में बदल जाती है। कई परिवार इस बोझ को उठाने में कठिनाई महसूस करते हैं, लेकिन "लोग क्या कहेंगे" के भय से मजबूरी में यह सब करते हैं।

इस भव्य आयोजन में खानपान की व्यवस्था भी एक महत्वपूर्ण तत्व बन गई है। चाय, कॉफी, मिनरल वाटर, नाश्ता और कई बार भोजन तक की व्यवस्था की जाती है। इन व्यवस्थाओं की गुणवत्ता और विविधता पर भी ध्यान दिया जाता है। यह दृश्य उस मूल भावना से बिल्कुल विपरीत है, जिसके तहत शोकसभा का आयोजन किया जाता है। शोकसभा का उद्देश्य लोगों को खिलाना नहीं बल्कि शोकाकुल परिवार के दुःख में सहभागी बनना है।

शोकसभाओं में शामिल होने वाला व्यक्ति भी कई बार असमंजस में पड़ जाता है। वातावरण देखकर यह महसूस ही नहीं होता कि वह किसी शोकसभा में आया है। नए-नए रिवाज गढ़ लिए गए हैं, जबकि पुराने, सरल और गरिमामय रिवाज धीरे-धीरे लुप्त होते जा रहे हैं। एक और चिंताजनक पहलू यह है कि पुण्य स्मृति और पुण्य तिथि जैसे अत्यंत निजी भाव भी अब सार्वजनिक प्रदर्शन का माध्यम बनते जा रहे हैं। किसी प्रियजन को याद करना व्यक्तिगत अनुभूति है। उसकी स्मृति मन में, परिवार के बीच और सादगी के साथ जीवित रहनी चाहिए। फिर यह आवश्यकता क्यों महसूस होती है कि बरस-दर-बरस अखबारों में बड़े-बड़े विज्ञापन देकर पूरे समाज को बताया जाए कि आप आज भी अपने प्रिय को याद करते हैं? क्या स्मरण का मूल्य उसके प्रचार में निहित है?

यह प्रश्न केवल परंपरा का नहीं, बल्कि संवेदनशीलता का भी है। जब निजी दुःख सार्वजनिक दिखावे में बदल जाता है, तो उसकी आत्मा खो जाती है। शोक, जो आत्ममंथन और विनम्रता का अवसर होना चाहिए, वह अहं और प्रदर्शन का साधन बन जाता है।

समय आ गया है कि समाज इस प्रवृत्ति पर गंभीरता से विचार करे। हमें यह समझना होगा कि मृत्यु किसी की सामाजिक हैसियत नहीं पूछती। वह सबको समान बना देती है।

दैनिक पंचांग

12 फरवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

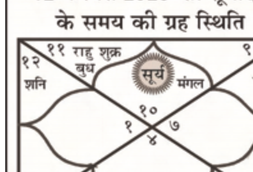

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मकर में	कुंभ	06.41 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	मीन	08.14 बजे से
मंगल	मकर में	मेष	09.45 बजे से
बुध	कुंभ में	वृष	11.25 बजे से
गुरु	मिथुन में	मिथुन	13.23 बजे से
शुक्र	कुंभ में	कर्क	15.36 बजे से
शनि	मीन में	सिंह	17.52 बजे से
राहु	कुंभ में	कन्या	20.04 बजे से
केतु	सिंह में	तुला	22.15 बजे से
राहुकाल	1.30 से 3.00 बजे तक	वृश्चिक	00.30 ब.से
		धनु	02.46 बजे से
		मकर	04.51 बजे से

गुरुवार 2026 वर्ष का 43 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ)
पक्ष कृष्ण
तिथि दशमी 12.23 बजे को समाप्त।
नक्षत्र ज्येष्ठा 13.43 बजे को समाप्त।
योग हर्षण 03.06 बजे रात्र को समाप्त।
करण विष्टि 12.23 बजे तदनन्तर बव 01.28 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 24.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 13°46'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872618
जूलियन दिन 2461083.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सावान **तारीख** 23
विशेष महर्षि दयानन्द सरस्वती जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रेम प्रसंग में मां और प्रेमी ने मिलकर 15 वर्षीय बेटे की हत्या की, गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : बुधवार को बरहरवा थाना कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नितिन खंडेलवाल ने बताया कि बीते दिनों बरहरवा थाना क्षेत्र के रतनपुर के 15 वर्षीय किशोर आयुष साह की हत्या की घटना घटित हुई थी, जिसका खुलाशा हो चुका है,जो सोची समझी साजिश के तहत अंजाम दी गई थी,युवक की हत्या उसकी मां मीनू देवी और उसके प्रेमी रोहित साह ने मिलकर की थी,जबकि रोहित साह महिला का रिश्ते में भांजा है,जो रांगा थाना क्षेत्र के धरमपुर का रहने वाला है। आगे उन्होंने बताया कि मृतक की माँ मीनू देवी का रोहित साह के साथ अवैध संबंध था,बीते दिनों 7 फरवरी को महिला का पति हेमंत साह कुछ काम से बाहर गया था ऐसे में महिला ने रोहित साह को फोन कर अपने घर बुला लिया, दोनों घर के पीछे शारीरिक संबंध रहे थे तभी महिला का पुत्र आयुष साह ने दोनों को आपत्तिजनक स्थित में देख लिया। परिवार और अन्य किसी को इस घटना की जानकारी न हो इसके लिए दोनों ने आयुष के गले में रस्सी का फंदा लगाकर उसकी हत्या कर दी तथा शव घर के पीछे तलाबनुमा गड्ढे के किनारे फेक दिया। तत्पश्चात साजिश के तहत घटना के बाद बुधवार की रात महिला ने बेटे की गायब होने की सूचना आसपास के लोगों एवं परिवार को दी और खोजबीन की एक्टिंग की ताकि किसी को शक न हो, उसने कहा कि शौचालय जाने की बात कहकर आयुष घर से निकला था,कुछ देर ढूंडने पर तालाब के किनारे गिरा पाया,इसके बाद इलाज के लिए बरहरवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया,जहां चिकित्सकों ने उसे रेफर कर दिया,फिर उसे पाकुड़ के सोनाजोडी ले कर जाया गया जहाँ चिकित्सको ने उसे मृत घोषित कर दिया गया। गुरुवार को पिता हेमंत साह घर पहुँचे और दाह संस्कार की तैयारी करने में जुट गए,हलाँकि उनकी दो बेटियां भी है। मामले की जानकारी बरहरवा थाना पुलिस को मिलते ही बरहरवा थाना प्रभारी सुमित कुमार सिंह, बरहरवा पुलिस इंस्पेक्टर संतोष कुमार दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुँचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अगले दिन मृतक के पिता हेमंत साह ने पुत्र की हत्या की शिकायत दर्ज कराई। जिसके बाद पुलिस मामले की तहकीकात में जुट गई जाँच के बाद पूरा मामला शीशे की तरह साफ हो गया। घटना के सफल उद्भेदन में बरहरवा पुलिस इंस्पेक्टर संतोष कुमार, बरहरवा थाना प्रभारी सुमित कुमार सिंह, एएसआई राजनाथ साव, एएसआई रंजय कुमार यादव शामिल थे। पुलिस ने मृतक युवक की माँ मीनू देवी और रोहित साह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

धर्मपुर में 22 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : बरहरवा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत पलटनिया रोड स्थित धर्मपुर गांव (थाना रांगा) में बुधवार सुबह एक दर्दनाक घटना सामने आई, जिसने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया। गांव के एक 22 वर्षीय युवक ने अपने ही घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद परिवार और आसपास के लोगों में शोक की लहर दौड़ गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार धर्मपुर निवासी मुनिलाल ठाकुर के पुत्र धीरज ठाकुर (उम्र 22 वर्ष) ने अज्ञात कारणों से घर के अंदर फंदे से लटककर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। घटना का पता चलते ही घर में कोहराम मच गया। परिजनों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर जुट गए।घटना की सूचना मिलते ही रांगा थाना पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की तथा पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आत्महत्या के पीछे के कारणों का फिलहाल स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं परिजनों से पूछताछ के बाद ही घटना के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। मामले की गंभीरता को देखते हुए हर पहलू से जांच की जा रही है।घटना के बाद से धर्मपुर गांव में शोक का माहौल है। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने बताया कि धीरज सामान्य स्वभाव का युवक था और इस तरह का कदम उठाने की किसी को आशंका नहीं थी। अचानक हुई इस घटना ने सभी को स्तब्ध कर दिया है। ऐसी घटनाएं समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं।

चार श्रम कानूनों के खिलाफ मुरी में नुक्कड़ सभा का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : मुरी शहीदे आजम भगत सिंह चौक बड़ा मुरी में चार काला कानून के खिलाफ नुक्कड़ सभा का आयोजन किया गया । ये नुक्कड़ सभा 12 फरवरी को देशव्यापी हड़ताल के समर्थन में मुरी एल्यूमिनियम कारखाना श्रमिक संघ द्वारा किया गया। मुख्य वक्ता के तौर पर सदानंद सोनार ने कहा कि केंद्र के मोदी सरकार ने हम मजदूरों को शोषण करने का सभी बंदोबस्त करके मालिकों के हाथों में गिरवी रख दिया है। काम के समय को 8 घंटे के जगह 12 घंटे करने की बात है। अब मजदूर कंपनी के मनमानी को रोकने के लिए हड़ताल भी नहीं कर सकती, हड़ताल को गैरकानूनी घोषित कर दिया गया है। इस कानून के तहत कंपनी कभी भी आपको बिना कारण छटनी के नाम पर नौकरी से निकाल सकती है। इसी क्रम में नीतिश महतो ने भी अपनी बातें को रखी उन्होंने कहा कि अब यूनियन बनना काफी कठिन होने जा रही है। मुकेश साहू ने कहा सामाजिक सुरक्षा संहिता के तहत 9 पुराने कानून को हटा कर एक कानून बनाया गया, जो काफी नहीं है। नुक्कड़ सभा का संचालन संजय महतो तथा आलोक महतो ने किया। इस नुक्कड़ सभा में काफी संख्या में मजदूरों ने भाग लिया।

नगर निकाय चुनाव प्रशिक्षण एवं इंटर परीक्षा केंद्र का डीसी ने किया औचक निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीसी हेमंत सती ने आज मध्य विद्यालय पुलिस लाईन में आयोजित नगर निकाय चुनावझ2026 हेतु पीठासीन पदाधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रशिक्षण की प्रगति, मतदान सामग्रियों के उपयोग की विधि, मतपत्र प्रबंधन, सीलिंग प्रक्रिया तथा निर्वाचन संबंधी प्रपत्रों के सही संधारण की विस्तृत जानकारी ली। डीसी ने कहा कि सभी पदाधिकारी निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करें तथा किसी भी परिस्थिति में त्रुटि की गुंजाइश न रहे। उन्होंने प्रशिक्षण में अनुशासन, समयबद्धता एवं व्यवहारिक अभ्यास पर विशेष बल देने का निर्देश दिया। इसके पश्चात डीसी ने संध्या इंटर विद्यालय पहुंचे, जहां झारखंड अधिविध परिषद रांची द्वारा आयोजित इंटर की परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने परीक्षा कक्षों का भ्रमण कर परीक्षार्थियों का जायजा लिया तथा परीक्षा संचालन की पारदर्शिता एवं गोपनीयता की जानकारी ली। डीसी ने केंद्राधीक्षक को निर्देशित किया कि परीक्षा पूर्णतः शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं कदाचार मुक्त वातावरण में संपन्न हो तथा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुदृढ़ रखें। निरीक्षण के दौरान जिला शिक्षा पदाधिकारी दुगार्नंद झा एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

सामान्य प्रेक्षकों की उपस्थिति में मतदान कर्मियों का द्वितीय रेंडमाइजेशन संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले के नगरपालिका निर्वाचन 2026 के अंतर्गत नगर परिषद क्षेत्र में मतदान कार्य को राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने को लेकर प्रतिनियुक्त मतदान कर्मियों का द्वितीय रेंडमाइजेशन समाहरणालय स्थित एनआईसी कक्ष में सामान्य प्रेक्षकों की उपस्थिति में सम्पन्न कराया गया। ज्ञात हो कि नगर परिषद पाकुड़ क्षेत्र अंतर्गत कुल 42 मतदान केंद्रों में मतदान संपन्न कराने हेतु मतदान दलों के गठन के लिए राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित सॉफ्टवेयर के माध्यम से द्वितीय रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया पूरी की गई। इस प्रक्रिया के माध्यम से मतदान दलों को उनके संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों के साथ टैग किया गया, जिससे निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके। विदित हो कि नगरपालिका निर्वाचन बैलेट बॉक्स के माध्यम से संपन्न कराया जाना है। प्रत्येक मतदान केंद्र पर एक पीठासीन पदाधिकारी सहित कुल पांच मतदान कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई है, जिनके द्वारा मतदान प्रक्रिया का सुचारू संचालन किया जाएगा। सामान्य प्रेक्षक रंजित लोहरा ने बताया कि निर्वाचन कार्य से जुड़े सभी चरणों को राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप व्यवस्थित एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराया जा रहा है, ताकि मतदाताओं को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं भयमुक्त वातावरण में मतदान करने का अवसर प्राप्त हो सके। इस अवसर पर परियोजना निदेशक, आईटीडीए अरूण कुमार एक्का, उप निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) प्रीतिलता मुर्मू, सभी निवार्ची पदाधिकारी, जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी तथा निर्वाचन विभाग के कर्मी उपस्थित रहे।

साहेबगंज में नदीय एवं मुहाना डॉल्फिन जनसंख्या आकलन हेतु क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहेबगंज : वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, साहेबगंज एवं भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून के संयुक्त तत्वावधान में 10 फरवरी 2026 को रंगीवाइड एस्टीमेशन ऑफ रिवरीन एंड एस्टुअरिन डॉल्फिन पॉपुलेशन इन इंडिया-2एनडी साइकिल विषय पर एक दिवसीय क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन डॉल्फिन व्याख्या केंद्र चाणन, साहेबगंज में किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य अतिथि साहेबगंज वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग द्वारा किया गया।इस अवसर पर डीपीओ, नमामि गंगे अमित मिश्रा की गरिमामय उपस्थिति रही। भारतीय वन्यजीव संस्थान से प्रोजेक्ट डॉल्फिन की वैज्ञानिक डॉ. सनी देउरी ने रेंजवाइड नदीय एवं मुहाना क्षेत्र डॉल्फिन आकलन विषय पर विस्तृत परिचयात्मक प्रस्तुति दी। अपने उद्घाटन संबोधन में वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग ने डॉल्फिन संरक्षण की आवश्यकता तथा वैज्ञानिक एवं मानकीकृत आकलन पद्धति के महत्व पर बल दिया। उन्होंने उपस्थित वन कर्मियों एवं साहेबगंज क्षेत्र के डॉल्फिन वाचरों से प्रशिक्षण के दौरान बताई गई विधियों को गंभीरता से सीखने एवं भविष्य में सर्वेक्षण कार्य में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने वन विभाग एवं भारतीय वन्यजीव संस्थान के विशेषज्ञों का पारस्परिक परिचय कराते हुए उनकी विशेषज्ञता से प्रतिभागियों को अवगत कराया।तकनीकी सत्रों के अंतर्गत देहरादून के शोधार्थियों द्वारा डॉल्फिन गणना से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। गौतम ने डॉल्फिन आकलन पद्धति की वैज्ञानिक प्रक्रिया को विस्तार से समझाया। सुरोजित मोइत्रा ने डॉल्फिन पर्यावास एवं मानवीय गतिविधियों की रिकॉर्डिंग पद्धति पर प्रशिक्षण दिया। विजय प्रताप सिंह ने नदीय जीव-जंतुओं की निगरानी एवं आंकड़ों के वैज्ञानिक संकलन की विधि पर सत्र संचालित किया। इसके अतिरिक्त, भारतीय वन्यजीव संस्थान की डॉल्फिन सर्वेक्षण टीम द्वारा वन विभाग के फील्ड कर्मचारियों को सर्वेक्षण में प्रयुक्त उपकरणों के संचालन एवं उपयोग की व्यवहारिक जानकारी प्रदान की गई।

एक नजर

दंत विभाग में दंत चिकित्सक रहे नदारद

साहिबगंज : यहां के लोगो को सदर अस्पताल में बेहतर स्वास्थ सुविधा मिले इसके लिए अन्य विभाग के अलावा दंत विभाग में अब तीन-तीन दंत चिकित्सक है। इसमे दो स्थाई व एक डीएमएफटी फंड से डॉक्टर है। इसके बाद भी एक दंत चिकित्सक आये दिन विलंब से पहुचते है। या फिर नदारद रहते है। ऐसा ही मामला बुधवार को देखने को मिला है। दोपहर 12:13 बजे दंत चिकित्सक डॉ. देवजीत राम अपने ड्यूटी से नदारद रहे। मरीजो का आरोप है कि आये दिन उक्त डॉक्टर समय पर ड्यूटी नही पहुचते है। डॉ. देवजीत की कुर्सी खाली रहा। इसके चलते मरीजो को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। हालांकि इस दौरान दंत चिकित्सक डॉ. सागरिका व एक डेंटल हाइजेनिस्ट ओटी में मरीजो का दांत निकालने का कार्य कर रहे थे। जबकि डॉ. भारती कुमारी मरीजो को देख रहे थे।

राशन दुकान से 88 किलो डोडा चूरा बरामद, गिरफ्तार

पूर्वी सिंहभूम : गोलमुरी थाना क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 88 किलो डोडा चूरा के साथ एक अधेड़ व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान हिंदू बस्ती, लाइन नंबर-2 निवासी बलराम महतो (56) के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से एक मोबाइल फोन भी जब्त किया है। बुधवार को सिटी डीएसपी सुनील कुमार चौधरी ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि 10 फरवरी को गुप्त सूचना के आधार पर गोलमुरी स्थित बलराम महतो की राशन दुकान में छापेमारी की गई। तलाशी के दौरान दुकान के अंदर प्लास्टिक के बोरों में छिपाकर रखे गए 256 पैकेट डोडा चूरा बरामद किए गए, जिनका कुल वजन 88 किलो बताया गया है। छापेमारी के समय आरोपित दुकान पर मौजूद था, जिसे मौके से ही गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बरामद डोडा चूरा और मोबाइल को जब्त कर लिया है। पूछताछ के बाद आरोपित को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि डोडा चूरा की आपूर्ति कहां से की जा रही थी और इसमें और कौन-कौन शामिल है।

अनियंत्रित पिकअप वैन पलटी, राजमिस्त्री की मौत

पूर्वी सिंहभूम : पूर्वी सिंहभूम जिले के धालभूमगढ़ प्रखंड अंतर्गत बेतझरिया स्थित खेतान फैक्ट्री के पास बुधवार को एक भीषण सड़क दुर्घटना में एक राजमिस्त्री की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दस अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। मजदूरों और निर्माण सामग्री से लदी पिकअप वैन अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसा इतना जबरदस्त था कि वाहन के चारों पहिए ऊपर हो गए और चीख-पुकार मच गई। जानकारी के अनुसार पिकअप वैन (संख्या ओआर 11 जी 4939) में करीब 11 से 12 मजदूर सवार थे। सभी पांडुगुड़ा क्षेत्र में निर्माण कार्य के लिए जा रहे थे। वाहन में मजदूरों के साथ भारी मात्रा में सीमेंट भी लदा था। बताया जाता है कि मोड़ पर चालक ने नियंत्रण खो दिया, जिससे वाहन सड़क किनारे पलट गया। इस दुर्घटना में मंगलमुंडा नामक राजमिस्त्री की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। अन्य घायल मजदूरों को तत्काल स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों का आरोप है कि चालक शराब के नशे में वाहन चला रहा था। एक महिला मजदूर, जो अपने बच्चों के साथ चालक के बगल में बैठी थी, बार-बार उसे धीमी गति से चलने की हिदायत दे रही थी, लेकिन चालक ने उसकी बात अनसुनी कर दी। तेज रफ्तार में मोड़ काटने के दौरान संतुलन बिगड़ने से यह हादसा हुआ।

संक्षिप्त खबरें

ट्रक की चपेट में आने से हुई मौत,मौके से ट्रक लेकर ड्राइवर फरार

साहिबगंज : मुफस्सिल थाना क्षेत्र के थाना के महज कुछ ही दूर मुख्य सड़क पर मंगलवार की शाम लगभग 6 बजे के आस पास तेज रफ्तार से आ रही, अज्ञात ट्रक की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। छोटी कोदरजन्ना पश्चिम टोला निवासी मो. बिलाल उर्फ विलायत उम्र लगभग 61वर्ष पिता स्वर्गीय शेख बाबत किसी काम से साहिबगंज बाजार से घर लौट रहा था,कि मुफस्सिल थाना के कुछ ही दूरी पर सड़क पर तेज रफ्तार से आ रही ट्रक ने उसे टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों ने घायल को सदर अस्पताल साहिबगंज में भर्ती कराया। वही अस्पताल में चिकित्सक डॉ. प्रशांत कुमार प्राथमिक उपचार करने के बाद उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। जहां भागलपुर हायर सेंटर ले जाने के क्रम में घायल वृद्ध की मौत हो गई। मौत की खबर सुनते ही पूरे गांव में मातम पसर गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि आए दिन करमटोला से मुफस्सिल थाना मुख्य सड़क पर हाईवा ट्रक तेज रफ्तार से परिचालन होने से स्थानीय लोगों और राहगीरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वही मुफस्सिल थाना प्रभारी अनीश कुमार पांडेय ने बताया कि मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए साहिबगंज सदर अस्पताल भेज दिया गया है,वही आगे की कार्यवाही की जा रही है।

जिला सीनियर क्रिकेट लीग टूर्नामेंट में माही येलो ने 6 विकेट से दर्ज की जीत

साहिबगंज : जिला क्रिकेट संघ के तत्वाधान में सिदो-कान्हू स्टेडियम में चल रहे सीनियर क्रिकेट लीग टूर्नामेंट के तहत बुधवार को माही येलो बनाम नार्थ कॉलोनी क्रिकेट क्लब के बीच मैच खेला गया। माही येलो ने टॉस जीत कर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। वहीं पहले बल्लेबाजी करते हुए नॉर्थ कॉलोनी क्रिकेट क्लब ने 26.3 ओवर में 144 रन बना कर ऑल आउट हो गई। सौरभ व सतीश हरिजन ने 26-26 व सचिन ने 25 रन की पारी खेली। नार्थ कॉलोनी क्रिकेट क्लब के गेंदबाज रवि पासवान ने 5, मणिभूषण व कुश तिवारी ने 2-2 विकेट लिया। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी माही येलो ने 27.2 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 148 रन बना कर 6 विकेट से मैच जीत लिया। प्रिंकेश ने 40, कुश तिवारी ने नाबाद 27 व शोएब अंसारी ने 23 रन की पारी खेली। नार्थ कॉलोनी क्रिकेट क्लब के गेंदबाज सचिन, अमूल व मतीउर रहमान ने 1-1 विकेट लिया। माही येलो के खिलाड़ी रवि पासवान को मैन ऑफ दी मैच घोषित किया गया। मुख्य अतिथि डॉ सलखु चंद्र हांसदा ने रवि पासवान को मैन ऑफ दी मैच की ट्रॉफी से पुरस्कृत किया। मैच में अंपायरिंग हयातुल्लाह व तारिक अनवर ने किया। जबकि स्कोरिंग श्याम रंजन ने किया। मौके पर टूर्नामेंट इंचार्ज मो अशफाक आलम सहित अन्य मौजूद थे।

सेवा ही मेरा धर्म, गरीबों की आंखों की रोशनी लौटाना ही मेरा संकल्प : बजरंगी यादव

साहिबगंज : सेवा, संवेदना और संकल्प का अनुकरणीय उदाहरण बुधवार को भरतिया कॉलोनी स्थित अयोध्या धाम परिसर में देखने को मिला, जब समाजसेवी व भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव की ओर से नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में नेत्र रोगी, उनके परिजन और स्थानीय लोग उपस्थित रहे। इस दौरान मरीजों की आंखों की जांच कर ऑपरेशन से संबंधित आवश्यक जानकारियां दी गईं। शिविर का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सूर्या सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. विजय कुमार, रेलवे के सेवानिवृत्त पदाधिकारी जी.पी. सिंह, समाजसेवी सुशील भरतिया, सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक शंभू नाथ यादव समेत अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर बजरंगी प्रसाद यादव ने कहा कि ह्लमानव सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है। समाज के गरीब और जरूरतमंद लोगों की आंखों की रोशनी लौटाना ही मेरा जीवन लक्ष्य है ह्व उन्होंने बताया कि साहिबगंज व आसपास के क्षेत्रों में लगातार नेत्र जांच शिविर लगाकर जरूरतमंद मरीजों का इलाज कराया जा रहा है। पूर्व में आयोजित शिविरों के माध्यम से हजारों लोगों की आंखों की जांच, दवा वितरण और करीब दो हजार मरीजों को नि:शुल्क चश्मा उपलब्ध कराया गया। शिविर के दौरान 350 मोतियाबिंद मरीजों को चिन्हित किया गया है। इनमें से चरणबद्ध तरीके से दीप आई हॉस्पिटल, साहिबगंज में ऑपरेशन कराए जा रहे हैं। अब तक दर्जनों मरीजों का सफल ऑपरेशन हो चुका है। आयोजकों द्वारा मरीजों के रहने-खाने और देखभाल की पूरी व्यवस्था की गई है। मुख्य अतिथि डॉ. विजय कुमार ने कहा कि बजरंगी यादव जैसे व्यक्तित्व समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उनके प्रयास से सैकड़ों लोगों को नेत्र पीड़ा से राहत मिल रही है। उन्होंने भविष्य में भी हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों एवं मरीजों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। शिविर के सफल आयोजन में कई समाजसेवियों और कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका रही।

एसबीयू में याद किये गये पं. दीनदयाल उपाध्याय

रांची : पं. दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर सरला बिरला विश्वविद्यालय में आज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दीनदयाल जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। विवि के माननीय महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक ने अपने संबोधन में कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय एक ऐसे दूरदर्शी मनीषी थे, जिन्होंने देश को पूंजीवाद के द्वंद्व से निकालकर 'एकात्म मानववाद' का विकल्प दिया। आज भारत जिस ओजस्वी राष्ट्र के रूप में उभर रहा है, उसमें दीनदयाल जी के विचारों की महती भूमिका है। उन्होंने दीनदयाल जी के उद्गारों की व्याख्या करते हुए कहा कि विकास का असली पैमाना 'अंत्योदय' है, यानी समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति का कल्याण, जिसे गांठ बांधकर हमें राष्ट्र के उत्थान के निमित्त दृढ़ संकल्पित होकर कार्य करना चाहिए। माननीय कुलपति प्रो सी जगनाथन ने भारतीय राजनीति को सेवा की दिशा प्रदान करने में दीनदयाल जी के योगदान को याद किया एवं उनके विचारों व आदर्शों को आत्मसात करने की बात कही। डीन डॉ. नीलिमा पाठक ने अद्वैत वेदांत का उल्लेख करते हुए समाज के प्रत्येक स्तर के व्यक्ति के लिए अच्छा करने का संकल्प लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो एस बी डांडिन सहित विभिन्न विभागों के शिक्षकगणों के अलावा बड़ी संख्या में शिक्षाकेत्तर कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

देश में बेरोजगारी दर अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में पिछली तिमाही के मुकाबले घटी

यह गिरावट ग्रामीण पुरुष और महिला दोनों के लिए बेरोजगारी दर में कमी के कारण आई

नई दिल्ली। भारत में 15 साल और उससे ऊपर के लोगों में बेरोजगारी दर अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में पिछली तिमाही के मुकाबले कमी आई है। यह जानकारी सांख्यिकी मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों में दी गई। आधिकारिक आंकड़ों में बताया गया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी दर अक्टूबर-दिसंबर 2025 में घटकर 4 फीसदी हो गई, जो पिछली तिमाही में 4.4 फीसदी थी। यह गिरावट ग्रामीण पुरुष और महिला दोनों के लिए बेरोजगारी दर में कमी के कारण हुई। रिपोर्ट के मुताबिक 15 साल और उससे ज्यादा आयु के शहरी व्यक्तियों की बेरोजगारी दर पिछली तिमाही के 6.9 फीसदी की तुलना में घटकर 6.7 फीसदी हो गई। यह गिरावट शहरी पुरुषों की बेरोजगारी दर में कमी के कारण हुई, जो जुलाई-सितंबर के आंकड़े 6.2 फीसदी से घटकर अक्टूबर-दिसंबर 2025 में 5.9 फीसदी हो गई। अक्टूबर-दिसंबर में 15 साल और उससे ज्यादा आयु के व्यक्तियों की समग्र श्रम बल सहभागिता दर बढ़कर 55.8 फीसदी हो गई, जो पिछली तिमाही के 55.1 फीसदी से ज्यादा है। यह रोजगार में वृद्धि को दर्शाता है।

15 साल और उससे ज्यादा आयु की महिलाओं की एलएफपीआर में अक्टूबर-दिसंबर 2025 में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई और यह 34.9 फीसदी तक पहुंच गई, जबकि जुलाई-सितंबर 2025 के दौरान यह 33.7 फीसदी थी। रोजगार का एक अन्य सूचक, 15 साल और उससे ज्यादा आयु के व्यक्तियों का श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर), जुलाई-सितंबर 2025 में 52.2 फीसदी से बढ़कर अक्टूबर-दिसंबर 2025 में 53.1 फीसदी हो गया। अप्रैल-जून 2025 से अक्टूबर-दिसंबर 2025 के दौरान, 15 साल और उससे ज्यादा आयु के व्यक्तियों का ग्रामीण डब्ल्यूपीआर दोनों लिंगों में लगातार बढ़ता रहा। कृषि क्षेत्र ग्रामीण रोजगार में अपना दबदबा बनाए रखने में सफल रहा, इस तिमाही के दौरान 15 साल और उससे ज्यादा आयु के नियोजित व्यक्तियों में से 58.5 फीसदी कृषि क्षेत्र से संबंधित थे, जो पिछली तिमाही के 57.7 फीसदी से ज्यादा है।

बीएलएस कंपनी ने किया अपने शेयरधारकों को 200 फीसदी का डिविडेंड देने का ऐलान

यह फैसला कंपनी की मजबूत आर्थिक स्थिति और बेहतर कैश फ्लो की वजह से लिया

नई दिल्ली। एआई और टेक सेक्टर से जुड़ी कंपनी बीएलएस इंटरनेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने अपने शेयरधारकों को 200 फीसदी का अंतरिम डिविडेंड देने का ऐलान किया है यानी हर इक्विटी शेयर पर 2 रुपए। कंपनी इस बार कुल 82.35 करोड़ रुपए डिविडेंड के तौर पर बांटेगी। बीएलएस इंटरनेशनल सर्विसेज लिमिटेड के मुताबिक यह अब तक का सबसे बड़ा अंतरिम डिविडेंड है। कंपनी के मुताबिक यह फैसला कंपनी की मजबूत आर्थिक स्थिति और बेहतर कैश फ्लो की वजह से लिया गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीएलएस सरकारों और आम लोगों के लिए एआई और टेक्नोलॉजी सेक्टर सर्विस के लिए काम करती है। साथ ही कंपनी फ्यूचर डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर में भी लगातार निवेश कर रही है। कंपनी ने तीसरी तिमाही में जबरदस्त रिजल्ट दिखाया। बीती तिमाही कंपनी का रेवेन्यू 736 करोड़ रुपए रहा, जो पिछले साल की इसी तिमाही से 43.6 फीसदी ज्यादा है। कंपनी ने बिजनेस वीजा और कंसुलर सर्विसेज व डिजिटल सर्विसेज में अच्छी तेजी दिखाई। अगर कंपनी के मुनाफे की बात करें तो बीती तिमाही यह 170 करोड़ रुपए रहा, जहां साल-दर-साल 33.1 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। बीती तिमाही भी 25.3 फीसदी का उछला आया। कंपनी का कहना है कि ऑपरेशनल कैपेसिटी और खर्चों पर काबू रखने की वजह से मुनाफा अच्छा रहा।

कंपनी के जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर ने कहा कि 9 महीनों का परफॉर्मेंस स्थिर और मजबूत रहा। करीब पूरा वित्त वर्ष 2025 का टॉपलाइन और बॉटमलाइन लेवल मैच कर रहा है। खासकर इस तिमाही में दोनों सेगमेंट्स ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने दावा किया कि बीएलएस इंटरनेशनल लगातार नए कॉन्ट्रैक्ट्स को अपने पाले में कर रही है, वहीं पुराने कॉन्ट्रैक्ट्स को भी रिन्यू कर रही है।

उन्होंने कहा कि कंपनी टेक्नोलॉजी से जुड़े नई चीजें तेजी से अपना रही है आधारित नए कदम उठा रही है, जिससे आगे भी बेहतर परिणाम आ सकते हैं।

लोगों के मन में डर और कन्फ्यूजन कम करने सरकार बना रही नया इनकम टैक्स एक्ट

बदलाव अचानक नहीं होंगे, धीरे-धीरे नए सिस्टम की तरफ बढ़ेगा, 1 अप्रैल से होगा लागू

नई दिल्ली। इनकम टैक्स को लेकर लोगों के मन में डर और कन्फ्यूजन को कम करने की सरकार तैयारी कर रही है। सरकार जल्द ही नए इनकम टैक्स नियमों को नोटिफाई करने वाली है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ये नियम मार्च के पहले हफ्ते में जारी हो सकते हैं। साथ ही नया नियम 1 अप्रैल 2026 से लागू हो जाएगा। बता दें नया इनकम टैक्स एक्ट पहले ही पास हो चुका है, लेकिन आम लोगों के लिए असली तस्वीर इन नियमों से ही साफ होगी। सैलरी पाने वाले कर्मचारियों से लेकर निवेशकों और विदेश से कमाई करने कमाने वालों तक, सभी को इन्हीं नियमों के आधार पर अपने टैक्स की प्लानिंग करनी होगी।

सरकार का दावा है कि बदलाव अचानक नहीं होंगे। धीरे-धीरे नए सिस्टम की तरफ बढ़ा जाएगा, ताकि टैक्सपेयर्स पर बेवजह का दबाव न पड़े। आने वाले नियम तय करेंगे कि टैक्स सिस्टम कितना आसान और पारदर्शी है। नए नियमों के साथ टैक्स सिस्टम में बड़ा बदलाव आने वाला है। पुराना फाइनेंशियल ईयर और असेसमेंट ईयर वाला सिस्टम अब खत्म हो जाएगा। अब 'टैक्स ईयर' की बात होगी, जो आमतौर पर 1 अप्रैल से 31 मार्च तक रहेगा। ये बदलाव धीरे-धीरे आएगा, मतलब पहले कमाए हुए इनकम पर रिटर्न फाइलिंग में कोई बड़ा झटका नहीं लगेगा। सरकार का मकसद साफ-सुथरा और आसान सिस्टम बनाना है। नियम 1 अप्रैल 2026 से लागू होंगे, लेकिन पहले साल के रिटर्न बाद में जुलाई 2027 में फाइल होंगे। इससे टैक्सपेयर्स को अचानक बदलाव का बोझ नहीं पड़ेगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सैलरी पाने वाले लोगों के लिए सबसे अच्छी खबर ये है कि नए नियमों में पर्क्स यानी नौकरी के साथ मिलने वाले फायदों पर साफ नियम बन रहे हैं। जैसे कि कंपनी की तरफ से फ्री या सस्ता घर, कंपनी कार और ड्राइवर, बिजली-पानी-गैस के बिल, क्लब मेंबरशिप, गिफ्ट्स और वाउचर्स आदि पर टैक्स कैसे लगेगा, ये सब साफ होगा। खास तौर पर गिफ्ट्स और वाउचर्स पर नियम साफ हैं। अगर कर्मचारी की तरफ से साल भर में गिफ्ट, वाउचर या टोकन 15,000 रुपए तक हैं, तो टैक्स नहीं लगेगा। इससे ज्यादा हुआ तो टैक्स लगेगा। पहले ये लिमिट कम थी और काफी कन्फ्यूजन रहता था।

मुकेश अंबानी की रिलायंस कंज्यूमर ने तमिलनाडु की प्रसिद्ध मान्ना का किया अधिग्रहण

मुंबई। मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज की सब्सिडियरी कंपनी रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट ने तमिलनाडु की प्रसिद्ध मान्ना का अधिग्रहण किया है। रिलायंस ग्रुप की तरफ से इसकी जानकारी मंगलवार को दी गई है। रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स का पोर्टफोलियो मान्ना के अधिग्रहण के बाद फूड सेगमेंट में और मजबूत हो जाएगा। आरसीपीएल के सेगमेंट में धायम, इंडिपेंड और सिल शामिल है। बता दें आरसीपीएल की मौजूदगी मोटा आनाज आधारित हेल्थ फूड सेगमेंट में बढ़ा है।

बता दें पिछले दो दशक से हेल्ख फोक्सड प्रोडक्ट्स सेगमेंट में मान्ना एक अग्रणी उत्पादक बना हुआ है। रिलायंस इडस्ट्रीज ने कहा है कि मान्ना की तमिलनाडु सहित अन्य पड़ोसी राज्यों में काफी मजबूत स्थिति है। बता दें मान्ना का अधिग्रहण ऐसे समय में हुआ है जब भारतीय ग्राहकों को रुझान मोटा अनाज आधारित भोजन की तरफ बढ़ा है। सरकार भी इसको खूब बढ़ावा दे रही है। रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के डायरेक्टर कहा कहना है कि तमिलनाडु में मान्ना एक हेल्थ फोकस्ड विश्वसनीय ब्रांड है। कंपनी मोटा आनाज आधारित प्रोडक्ट्स, बेवरेजेज और बेबी फूड्स बेचती है। कंपनी ओट्स, वुमेन्स हेल्थ ड्रींक, आटा प्रोडक्ट बेचती है। इसके अलावा बच्चों के लिए ड्रींक्स, सतुआ से बना ड्रींक जैसे प्रोडक्ट बेच रही है।

तीन घंटे के अंदर हटाएं सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक कंटेंट, सरकार ने घटाई समयसीमा

एआई का इस्तेमाल कर बनाई गई सामग्री पर स्पष्ट लेबल लगाना होगा

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने कहा है कि आगामी 20 फरवरी से सोशल मीडिया और इंटरनेट मध्यवर्ती कंपनियों को दिक्कत देने वाली सामग्री को तीन घंटे के अंदर हटाना होगा। अब तक इसके लिए 36 घंटे का समय दिया जाता था। मध्यवर्तियों को अपने प्लेटफॉर्म से गैर सहमति वाली अंतरंग तस्वीरों को 24 घंटे के बजाय दो घंटे के अंदर हटाना होगा। मंत्रालय ने इन बदलावों को सूचना प्रौद्योगिकी नियम, 2021 में संशोधनों के रूप में शामिल किया है। यह बदलाव इसलिए किया गया क्योंकि मंत्रालय को ऐसे फीडबैक मिले थे कि संवेदनशील सामग्री को हटाने के लिए 24 घंटे और 36 घंटे की अवधि बहुत ज्यादा है जिसके चलते कंटेंट के प्रसार को रोक पाना मुश्किल होगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कंपनियों को अब आपत्तिजनक सामग्री को ज्यादा तेजी से हटाना होगा। मंत्रालय ने मंगलवार को अधिसूचित ताजा संशोधनों में कहा है कि जो प्लेटफॉर्म उपयोगकर्ताओं को एआई का इस्तेमाल करके सामग्री बनाने की इजाजत देते हैं उन्हें ऐसी सामग्री पर स्पष्ट लेबल लगाना होगा कि यह सामग्री कृत्रिम ढंग से तैयार की गई है। ऐसी सामग्री को स्थायी मेटाडेटा या अन्य पहचान के माध्यमों से जोड़ना होगा ताकि ऐसी सामग्री के मूल स्रोत का पता लगाया जा सके। मंत्रालय ने कहा है कि यह कोई भी ऑडियो, दृश्य या ऑडियो-विजुअल जानकारी हो सकती है, जिसे कंप्यूटर संसाधन का उपयोग करके कृत्रिम या एल्गोरिदम से बनाया, उत्पन्न, संशोधित या परिवर्तित किया गया हो, इस प्रकार कि वह वास्तविक, प्रामाणिक या सत्य प्रतीत हो। मंत्रालय ने एआई का इस्तेमाल करके 'सद्भावना' में की गई सामग्री संपादन को इसकी परिभाषा से बाहर रखा है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 23पैसे की गिरावट के साथ ही 90.71 रुपये पर बंद हुआ। भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते पर सहमति के बाद से

मुद्रा बाजार में उत्साह की बजाय सतर्कता का माहौल बना हुआ है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.63 पर खुला। फिर और टूटकर 90.77 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 11 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया सोमवार को उतार-चढ़ाव भरा कारोबार करते हुए अंत में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.66 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 फीसदी की गिरावट के साथ 97.79 पर रहा।

अब ज्यादा भारतीय कृषि उत्पाद होंगे निर्यात, अमेरिकी बाजार में बिना शुल्क मिलेगा प्रवेश

नई दिल्ली। अब भारत अपने कृषि उत्पादों का अमेरिका में ज्यादा निर्यात कर सकेगा। सरकारी अधिकारियों ने बताया कि निर्यात को बढ़ाने में अमेरिका के साथ कृषि व्यापार के मौजूदा अधिशेष से मदद मिलेगी। भारत का वर्ष 2024 में समुद्री उत्पादों को हटाकर कृषि निर्यात 3.4 अरब डॉलर रहा जबकि आयात 2.1 अरब डॉलर था। भारत-अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते के तहत भारत को करीब 46 अरब डॉलर के अमेरिकी आयात बाजार में बिना शुल्क के प्रवेश मिला है। शुल्क-मुक्त उत्पाद का पहले से ही भारत से अमेरिका के आयात में करीब 1.4 अरब डॉलर का हिस्सा हैं। इनमें मसाले, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, फल, चाय, कॉफी और जरुरी तेल हैं। भारत को 160 अरब डॉलर के आयात बाजार के लिए 18 फीसदी पारस्परिक शुल्क पर वरीयता पहुंच भी मिलेगी, जो निकट भविष्य में निर्यात की अपार संभावनाओं को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से समुद्री क्षेत्र को करीब 25 अरब डॉलर के अमेरिकी आयात बाजार खंड में 18 फीसदी की शुल्क दर पर पहुंच प्राप्त होती है जो विस्तार के लिए अहम अवसर प्रदान करती है।

कंपनियों द्वारा आईपीओ, क्यूआईपी और राइट्स इश्यू से जुटाई पर सेबी रखेगी नजर

जानकारी छुपाने, बेजा इस्तेमाल पर उठी चिंताओं पर सख्त नियम बनाने पर विचार

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) आईपीओ, पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) और राइट्स इश्यू के जरिए कंपनियों द्वारा जुटाई गई रकम पर निगरानी से जुड़े नियम सख्त बनाने पर विचार कर रहा है। इन माध्यमों से जुटाई गई रकम के इस्तेमाल में देरी, इनकी जानकारी छुपाने और इनके बेजा इस्तेमाल को लेकर उठी चिंताओं के बीच सेबी यह कदम उठाने पर विचार कर रही है। इस मामले से जुड़े लोगों ने इसकी जानकारी दी। फिलहाल जुटाई गई रकम 100 करोड़ रुपए से ज्यादा होने पर कंपनियों को सेबी के पास पंजीकृत एक निगरानी एजेंसी की सेवाएं लेनी पड़ती है। यह आम तौर पर क्रेडिट रेटिंग एजेंसी होती हैं। सेबी अब यह सीमा घटाकर 50 करोड़ रुपए करने या पूरी तरह हटाने पर विचार कर रहा है। इस कदम से सेबी का निगरानी का दायरा बढ़ जाएगा खासकर छोटे निर्गम भी इसकी जद में आ जाएंगे। सूत्रों ने कहा कि इस मुद्दे पर सेबी की प्राथमिक बाजार सलाहकार समिति की पिछली महीने हुई बैठक में चर्चा हुई थी। सेबी को इस मामले पर उसकी प्रतिक्रिया जानने के लिए भेजे गए ई-मेल का समाचार लिखे जाने तक कोई जवाब नहीं आया था। यही नहीं, नियामक निगरानी रिपोर्टों से जुड़े खुलासा ढांचे में भी बदलाव करने पर विचार कर रहा है। मौजूदा ढांचे के तहत निगरानी एजेंसियां अपनी त्रैमासिक रिपोर्ट कंपनी को देती हैं। इसके बाद कंपनियों को यह रिपोर्ट तिमाही समाप्त होने के 45 दिनों के अंदर स्टॉक एक्सचेंजों को सौंपनी होती है। यह पूरा सिलसिला अक्सर बीच में ही अटक जाता है क्योंकि कंपनियां रिपोर्ट सौंपने में देरी करती हैं या इनकी जानकारी नहीं दे पाती हैं। इससे निवेशकों को धन के इस्तोमल पर सीमित जानकारी ही हासिल हो पाती है।

शेयर बाजार सपाट बंद हुआ

सेंसेक्स 40 अंक गिरा, निफ्टी 18 अंक उछला

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को सपाट बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से अच्छे संकेतों के बाद भी बाजार में मिला-जुला कारोबार देखा गया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स ने एक तय दायरे में कामकाज किया और अंत में यह 40.28 अंक नीचे आकर 84,233.64 पर बंद हुआ। इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 18.70 अंक की हल्की बढ़त लेकर 25,953.85 पर बंद हुआ। बाजार जानकारों के अनुसार घरेलू शेयर बाजार की नजर तिमाही परिणामों पर लगी है। इसलिए सीमित दायरे में कामकाज हुआ। आज ऑटो और हेल्थ सेक्टर में तेजी रही जबकि आईटी में गिरावट रही। दुनिया भर में बिकवाली के माहौल से भी बाजार पर दबाव पड़ा। मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में गिरावट रही।

सेंसेक्स की कंपनियों में टीसीएस के शेयर सबसे ज्यादा 2.46 फीसदी टूटे। इन्फोसिस, एचसीएल टेक, इटरनल, आईटीसी, टेक महिंद्रा, टाइटन और एचडीएफसी बैंक के शेयर भी गिरे। दूसरी ओर भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के शेयर उछले। मारुति सुजुकी और ट्रेंट के शेयर भी आज बढ़े।

ब्रोडर मार्केट में निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में बढ़त रही। सेक्टोरल मोर्चे पर निफ्टी हेल्थकेयर सेक्टर में सबसे अधिक 1.62 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। इसके बाद निफ्टी ऑटो में 1.3 फीसदी की वृद्धि हुई। जबकि निफ्टी आईटी सबसे कमजोर प्रदर्शन करने वाला सेक्टर रहा। इसमें 1.76 फीसदीत की गिरावट रही। इससे पहले आज सुबह शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ खुला। सुबह सेंसेक्स 84,339 अंक पर खुला। सुबह खुलने के बाद इसमें में तेजी देखने को मिली। सुबह ये की बढ़त के साथ 84,413.21 पर कारोबार कर रहा था।

वहीं इसी तरह निफ्टी सुबह ये 55.75 अंक की फीसदी की बढ़त के साथ ही 25,990.90 पर कामकाज कर रहा था।

वहीं दूनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में सुबह तेजी रही। जापान का निक्केई इंडेक्स बढ़त के साथ उछला। वहीं ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया के बाजारों में भी बढ़त देखी गई। एशियाई बाजारों की यह बढ़त ऐसे समय में दिखी जब मेरिकी बाजारों में मिश्रित रुख रहा।

अमेरिकी बाजारों में गत दिवस एसएंडपी 500 और नैस्डैक नीचे आया जबकि डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज लगातार तीसरे दिन उछाल के साथ बंद हुआ। अब निवेशकों की नजर अमेरिका के आने वाले लेबर मार्केट डेटा पर टिकी हुई है।

घरेलू बाजार में आज का दिन तिमाही परिणामों के लिए अहम है। महिंद्रा एंड महिंद्रा, डिवीज लैब्स, अशोक लेलैंड, मैक्स फाइनेंशियल सर्विसेज, पतंजलि फूड्स, एसजेवीएन, एस्ट्राजेनेका फार्मा, किर्लोस्कर ऑयल इंजन, टीबीओ टेक, बायर क्रॉपसाइंस, अमारा राजा एनर्जी, अवंती फीड्स, आईआरकॉन, जुपिटर वैगन्स, पीएंडजी हेल्थ, मिसेज़ बेक्टर्स फूड्स सहित कई कंपनियां आज अपने तीसरी तिमाही के परिणाम घोषित करेंगी।

हॉस्पिटल कंपनी का शेयर 33 फीसदी रिटर्न देगा! अच्छे वैल्यूएशन पर ट्रेड कर रहे शेयर

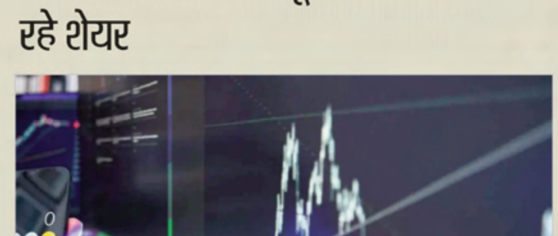

नई दिल्ली। वैश्विक बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच भारतीय शेयर बाजार बुधवार को सपाट शुरुआत के साथ खुले। इंडेक्स हैवीवेट रिलायंस इंडस्ट्रीज और ऑटो स्टॉक्स में बढ़त से बाजार को सपोर्ट मिल रहा है जबकि रियल्टी और सरकारी बैंकिंग शेयरों में बिकवाली से बाजार में दबाव पड़ा है। इससे पहले मंगलवार को बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ था। बाजार में ब्रोकरेज हॉउस सिटी ने हॉस्पिटल चलाने वाली कंपनी अपोलो हॉस्पिटल्स एंटरप्राइज लिमिटेड पर दमदार आउटलुक दिया है। ब्रोकरेज का मानना है कि कंपनी के शेयर फिलहाल अच्छे वैल्यूएशन पर ट्रेड कर रहे हैं। ब्रोकरेज हॉउस सिटी ने अपोलो हॉस्पिटल्स एंटरप्राइज पर 'बाय' रेटिंग दी हैं। ब्रोकरेज ने स्टॉक पर 9,600 रुपए का टारगेट प्राइस दिया है। इस तरह शेयर 33 फीसदी का रिटर्न दे सकता है। कंपनी के शेयर मंगलवार को 7,220 रुपए पर बंद हुए। ब्रोकरेज के मुताबिक कंपनी का कामकाज मजबूत रहा। तीसरी तिमाही में एबिट्डा से पहले की कमाई में क्रमशः 17 फीसदी और 27 फीसदी की सालाना बढ़ोतरी हुई। आय 6,500 करोड़ रुपए और कमाई 970 करोड़ रुपए रही। ब्रोकरेज ने बताया कि बढ़ोतरी की अगुवाई अस्पताल कारोबार ने की, जहां आय में 15 फीसदी सालाना वृद्धि दर्ज हुई। यह बढ़ोतरी तब हुई जब नई अस्पताल सुविधाएं भी जोड़ी गईं हैं। अस्पताल कारोबार का मार्जिन 60 आधार अंक बढ़कर 24.5 फीसदी हो गया। प्रदर्शन को अपोलो हेल्थको से भी सहारा मिला, जहां अपोलो 24 घंटों के खर्चों में 12 फीसदी सालाना कमी से मार्जिन में 210 आधार अंकों का सुधार हुआ। सिटी ने कहा कि शेयर का वैल्यूएशन अभी भी आकर्षक है। ऐसा इसलिए क्योंकि यह अपने पुराने औसत स्तर से नीचे कारोबार कर रहा है। अपोलो हॉस्पिटल्स के शेयर एक महीने में करीब 5 फीसदी चढ़ गए हैं। तीन और छह महीने में कंपनी का प्रदर्शन करीब सपाट रहा है। एक साल में स्टॉक ने 20 फीसदी, दो साल में 18 फीसदी और तीन साल में 72.01 फीसदी रिटर्न दिया है। स्टॉक का 52 वीक का हाई 8,099 रुपए और 52 वीक लो 6,002.15 रुपये है। बीएसई पर कंपनी का मार्केट कैप 1,08,899 करोड़ रुपए है।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील से फार्मा सेक्टर होगा मजबूत, दोनों देशों को मिलेगा फायदा

सस्ती दवा निर्माण की वजह से अमेरिकी बाजार में अहम सप्लायर बना भारत

नई दिल्ली। भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर जहां कई सेक्टरों में अनिश्चितता है, वहीं फार्मा सेक्टर पूरी तरह आश्वस्त नजर आ रहा है। कम लेबर कॉस्ट और सस्ती दवा निर्माण क्षमता की वजह से भारत अमेरिकी बाजार के लिए एक अहम सप्लायर बना हुआ है। ऐसे में अमेरिका की भारत पर निर्भरता पहले से ही मजबूत रही है, जो इस ट्रेड डील के बाद और बढ़ने की संभावना है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जोटा हेल्थकेयर के चेयरमैन ने कहा कि अमेरिका के बाद सबसे ज्यादा एफडीए-अप्रूव्ड प्लांट भारत में हैं। भारत से बड़ी मात्रा में जेनरिक दवाएं, लाइफ सेविंग और क्रॉनिक बीमारियों की दवाएं अमेरिका को निर्यात की जाती हैं। उन्होंने कहा कि ट्रेड डील के तहत भारत को एक बड़ी कूटनीतिक और आर्थिक जीत मिली है, क्योंकि अब तक टैरिफ के मामलों में अमेरिका शायद ही कभी झुका हो, लेकिन पीएम मोदी के नेतृत्व में प्रोटोकॉल के जरिए संतुलित और लाभकारी समझौता संभव हुआ है। इस डील से दोनों देशों को फायदा मिलेगा। उन्होंने बताया कि भारत से अमेरिका को मुख्य रूप से लाइफस्टाइल और क्रॉनिक बीमारियों से जुड़ी दवाओं का निर्यात होता है। इनमें डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, थायराइड जैसी बीमारियों की दवाएं हैं, जिनकी मांग अमेरिकी

बाजार में लगातार रहती है। उन्होंने आगे कहा कि यूरोपीय संघ के साथ हुई ट्रेड डील से भी भारत को बड़ा फायदा होगा। इस समझौते के तहत एक्सपोर्ट पर ड्यूटी शून्य कर दी गई है। इससे न सिर्फ दवाओं का निर्यात बढ़ेगा, बल्कि टेक्नोलॉजी और व्यापार का ट्रांसफर भी भारत में होगा। इसके परिणामस्वरूप भारत में दवा निर्माण और सस्ता होगा, जिससे भारतीय मरीजों को भी कम कीमत पर दवाएं मिलेंगी। इस तरह, भारत-यूएस ट्रेड डील और यूरोपीय संघ के साथ हुए समझौतों से भारतीय फार्मा सेक्टर की वैश्विक पकड़ और मजबूत होने की संभावना है।

नई 7-सीटर निसान ग्रेविटी 17 को लांच करने की तैयारी

नई दिल्ली। भारतीय कार बाजार में 7-सीटर कारों की भारी डिमांड को देखते हुए निसान ग्रेविटी को कंपनी 17 फरवरी को लॉन्च करने वाली है। यह निसान की पहली 7-सीटर एमपीवी होगी और भारतीय बाजार में कंपनी की नई रणनीति का अहम हिस्सा माना जा रहा है। निसान ग्रेविटे रेनो ट्राइबर के सीएमएफ-ए प्लेटफॉर्म पर आधारित है, जिससे इसकी कीमत काफी प्रतिस्पर्धी रहने की उम्मीद है। ट्राइबर की शुरुआती कीमत 5.76 लाख रुपये है, और ग्रेविटे भी इसी रेंज में लॉन्च हो सकती है। डिजाइन और रंगों की बात करें तो इसे सिग्नेचर टील शेड के साथ व्हाइट, सिल्वर, ब्लैक और ग्रे विकल्पों में पेश किया जाएगा। पहले जारी किए गए डिजाइन स्केच बताते हैं कि इसमें फ्रंट पर हॉरिजॉन्टल एलईडी डीआरएलएस, क्रोम स्लैट ग्रिल और बोनट पर 'ग्रेविटी' लेटरिंग होगी। पीछे की तरफ स्प्लिट टेल-लैंप और टेलगेट पर हॉरिजॉन्टल इंसर्ट के साथ एक आकर्षक रियर प्रोफाइल मिलेगा। ग्रेविटे में ट्राइबर की तरह 1.0-लीटर पेट्रोल इंजन दिया जाएगा, जिसमें मैनुअल और एएमटी दोनों ट्रांसमिशन विकल्प मिलने की संभावना है। निसान ने इसे अपने सिबलिंग ट्राइबर से अधिक बोल्ड और मॉडर्न लुक देने के लिए खास एक्सटीरियर डिजाइन एलिमेंट शामिल किए हैं। उल्टे एल-शेप डीआरएलएस, चौड़ी फ्रंट ग्रिल, सिल्वर बंपर इंसर्ट और कनेक्टेड टेल-लैंप डिजाइन इसे एक प्रीमियम अपील देते हैं।

डीएमके बौखलाहट में दे रही विभाजनकारी बयान, सत्ता में वापसी नहीं होगी : जदयू

पटना, । जदयू प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने कई राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय मुद्दों पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि डीएमके के मंत्री द्वारा दिया गया बयान वोट बैंक की राजनीति के लिए राज्य को बांटने की कोशिश है। राजीव रंजन ने आरोप लगाया कि डीएमके नेताओं द्वारा लगातार समाज को विभाजित करने वाले बयान दिए जा रहे हैं। यह बौखलाहट और हताशा का परिणाम है क्योंकि डीएमके को पता है कि उनकी सत्ता में वापसी नहीं होने जा रही है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में एआईएडीएमके, भारतीय जनता पार्टी, पीएमके और अन्य छोटी पार्टियां मिलकर एक प्रभावी विकल्प के रूप में उभर रही हैं। ऐसे में डीएमके के दिन पूरे होने वाले हैं, इसलिए इस तरह के बयान सामने आ रहे हैं। जदयू प्रवक्ता ने दावा किया कि तमिलनाडु की जनता ने मन बना लिया है कि डीएमके की वापसी नहीं होगी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के उस बयान पर, जिसमें उन्होंने कहा कि अविश्वास प्रस्ताव की कार्यवाही पूरी होने तक वह कुर्सी पर नहीं बैठेंगे, जदयू प्रवक्ता ने इसे गौरवशाली संसदीय परंपरा बताया। उन्होंने कहा कि यदि विपक्ष की ओर से अविश्वास प्रस्ताव आता है, तो उसकी कार्यवाही पूरी होने तक अध्यक्ष सदन में नहीं बैठते हैं। उनके अनुसार, यह परंपरा का निर्वहन है और इसे विवाद का विषय बनाना संसदीय मयार्दा का उल्लंघन है। राजीव रंजन ने राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जिस पुस्तक का प्रकाशन ही नहीं हुआ, उसके कुछ अंशों के आधार पर केंद्र सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करना उचित नहीं है। उन्होंने बताया कि लोकसभा अध्यक्ष ने इसी आधार पर राहुल गांधी को बोलने की अनुमति नहीं दी, क्योंकि पुस्तक आधिकारिक रूप से प्रकाशित नहीं हुई है। अजित पवार के विमान दुर्घटना को लेकर उन्होंने कहा कि हर दुर्घटना की जांच डीजीसीए कराती है। जब जांच के नतीजे सार्वजनिक होंगे, तब सच्चाई सामने आएगी। अभी अटकलें लगाने का कोई मतलब नहीं है। हुमायूं कबीर द्वारा मुर्शिदाबाद में मस्जिद बनाने के ऐलान पर उन्होंने कहा कि यह टीएमसी और हुमायूं कबीर के बीच की नूरा कुश्ती है। दोनों मिलकर समाज के दो संप्रदायों को बांटने की कोशिश कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल की जनता अब झांसे में नहीं आएगी और टीएमसी की वापसी नहीं होगी। बिहार विधानसभा के बजट सत्र में विपक्ष के हंगामे को लेकर उन्होंने कहा कि विपक्ष का रवैया गैर-जिम्मेदाराना और दुर्भाग्यपूर्ण है। जंगल राज लाने वालों की पार्टी से जनता को कोई उम्मीद नहीं है। उन्होंने दावा किया कि पिछले दो दशकों में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विकास को नए आयाम दिए हैं, आम लोगों की जिंदगी बेहतर हुई है और कानून-व्यवस्था में सुधार आया है। अपराध दर लगातार घट रही है। गृह मंत्रालय द्वारा ह्यवंदे मातरमह्न को लेकर जारी नए निर्देशों पर उन्होंने कहा कि देश ह्यवंदे मातरमह्न की 150वीं वर्षगांठ मना रहा है। भारत की आजादी के इतिहास में इसकी बड़ी भूमिका रही है। जब भी ह्यवंदे मातरमह्न सुनते हैं तो देश के लिए बलिदान देने वाले वीरों के प्रति श्रद्धा का भाव जागता है। इसलिए सम्मान में सबको खड़ा होना चाहिए।

पुलिस महकमे में बड़ा फेरबदल, कई थानेदार बदले, कई को मिली नई जिम्मेदारी

तिरहुत-मुजफ्फरपुर। कानून-व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए पुलिस महकमे में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। नए अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है, जबकि लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई भी की गई है। मुजफ्फरपुर जिले में पुलिस महकमे में व्यापक फेरबदल किया गया है। एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा ने बेहतर कार्यकुशलता और रिक्त पदों को ध्यान में रखते हुए कई थाना प्रभारियों का तबादला किया है। कुछ अधिकारियों को हटाया गया है तो कई को नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस संबंध में एसएसपी ने आधिकारिक अधिसूचना जारी की है। जारी आदेश के अनुसार ब्रह्मपुरा थाना प्रभारी विजय लक्ष्मी को यातायात अनुसंधान इकाई में भेजा गया है। वहीं बरुराज थाना प्रभारी अभिषेक कुमार मिश्रा को भी यातायात अनुसंधान इकाई में योगदान देने का निर्देश दिया गया है। हथौड़ी थाना के एसएचओ विक्की कुमार को हटाकर मीनापुर थाना की अनुसंधान इकाई के अवर पुलिस निरीक्षक देवेंद्र चौधरी को हथौड़ी का नया प्रभारी बनाया गया है। कटरा थाना प्रभारी पंकज कुमार को तुर्की थाना का प्रभारी बनाया गया है, जबकि कटरा थाना की जिम्मेदारी मनीष कुमार प्रथम को सौंपी गई है। सदर थाना की अनुसंधान इकाई के अवर पुलिस निरीक्षक कुणाल कश्यप को बरुराज थाना प्रभारी बनाया गया है। अहियापुर थाना की अनुसंधान इकाई के विपिन रंजन को ब्रह्मपुरा थाना का प्रभारी नियुक्त किया गया है। वहीं अहियापुर केस अनुसंधान इकाई के अवर पुलिस निरीक्षक आशुतोष कुमार शुक्ला को पारू थाना का प्रभारी बनाया गया है। एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा ने कहा कि बेहतर पुलिसिंग और मामलों के त्वरित अनुसंधान को ध्यान में रखते हुए यह फेरबदल किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो अधिकारी बेहतर कार्य करेंगे उन्हें जिम्मेदारी दी जाएगी, जबकि लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

बिहार में अमेरिका जैसी सड़कें, 1km दूर से दिखेगा मोड़

पटना,। रूट 66 हो या लिंकन हाईवे, अमेरिका की एक पहचान अच्छी सड़कों वाले देश के रूप में भी है। जल्द ही आप बिहार में भी अमेरिका जैसी सड़कों पर फरार्टा भर सकेंगे। राज्य में ऐसे 5 एक्सप्रेस वे बन रहे हैं। 6 लेन वाले इन एक्सप्रेस वे पर 1 ' दूर से मोड़ नजर आएगा। आप 120 '/ की रफ्तार से कार दौड़ा पाएंगे। सभी एक्सप्रेस वे की कनेक्टिविटी पटना से होगी। बिहार के किसी भी कोने से आप तीन घंटे में राजधानी पटना पहुंच जाएंगे। दैनिक भास्कर की खास रिपोर्ट में जानिए बिहार में किन 5 एक्सप्रेस वे का निर्माण चल रहा है। ये किन जिलों से गुजरेंगे। इनकी खासियत क्या है। यह बिहार का पहला उत्तर-दक्षिण एक्सप्रेस वे होगा। 225 ' लंबा यह एक्सप्रेस वे उत्तर बिहार को दक्षिण बिहार से जोड़ेगा। औरंगाबाद के आमस से शुरू होकर दरभंगा तक जाएगा। यह एक्सप्रेस-वे 6 जिलों (गया, जहानाबाद, पटना, वैशाली, समस्तीपुर और दरभंगा) से गुजरेगा। इससे राज्य के उत्तर पूर्वी हिस्सों से देश के बाकी हिस्सों तक माल ढुलाई में आसानी होगी।2- गोरखपुर-सिलीगुड़ी एक्सप्रेस वे 520 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेस वे उत्तर प्रदेश के गोरखपुर को पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी से जोड़ेगा। यह एक साथ तीन राज्यों को एक सूत्र में बांधेगा। इससे नेपाल के साथ लगी सीमा तक पहुंच आसान होगी। एक्सप्रेस वे गंडक और कोसी नदी पर अतिरिक्त ब्रीज के सहारे सिलीगुड़ी तक पहुंचेगा। यह एक्सप्रेस वे बिहार के 9 जिलों (पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, शिवहर, सीतामढ़ी, मधुबनी, दरभंगा, सुपौल, अररिया और किशनगंज) से होकर गुजरेगा। अगले चार साल में बनकर तैयार होगा। राज्य में इसकी लंबाई करीब 416 किलोमीटर होगी। इससे बिहार, उत्तर प्रदेश और बंगाल के हाईवे को नई कनेक्टिविटी मिलेगी। पश्चिम चंपारण या किशनगंज से पटना जाना हो तो आपको मुजफ्फरपुर आना होगा। इसके बाद मुजफ्फरपुर से पटना आने वाली सड़क इस्तेमाल करनी होगी। इस एक्सप्रेस वे से सीतामढ़ी जिले में स्थित पुनौरा धाम (माता सीता की जन्मस्थली) जाना आसान होगा। 3- वाराणसी-कोलकाता एक्सप्रेस वे करीब 700 ' लंबा यह एक्सप्रेस वे बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। तीनों राज्यों को कोलकाता पोर्ट से बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। इससे सामानों को निर्यात करना आसान होगा। बिहार में एक्सप्रेस वे की लंबाई करीब 121.70 ' होगी। यह चार जिलों (कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद और गया जी) से गुजरेगा। इससे बिहार के लोगों को उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल जाने में आसानी होगी। ये सड़कें एक्सप्रेस वे को पटना से जोड़ेंगी। 4. रक्सौल-हल्दिया एक्सप्रेस वे करीब 650 ' लंबे इस एक्सप्रेस वे का 407 ' लंबा हिस्सा बिहार से गुजरेगा। यह बिहार के रक्सौल को पश्चिम बंगाल के हल्दिया पोर्ट से जोड़ेगा। इससे समुद्र के रास्ते हल्दिया पोर्ट आने वाले सामान को नेपाल ले जाना आसान होगा। बिहार को पोर्ट तक सीधी और तेज कनेक्टिविटी मिलेगी।

पप्पू यादव की जमानत पर सुनवाई टली, पुलिस से भिड़े वकील, बोले- आप क्या कर रहे

पटना,। दानापुर और किशनगंज सिविल कोर्ट को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिली है। बुधवार सुबह मेल के जरिए धमकी दी गई है। मेल में लिखा है कि, ठीक 1 PM बजे आपके कोट परिसर में 5 बम धमाके होंगे। पाकिस्तान-कनमोझी जिंदाबाद! एहतियात के तौर पर कोर्ट परिसर को खाली करा लिया गया। फिलहाल, पुलिस ने कोर्ट परिसर को बंद कर दिया है और किसी भी को भी अंदर नहीं जाने दे रही है। पटना सिविल कोर्ट में आज पप्पू यादव के मामले पर सुनवाई होनी थी। लेकिन इस धमकी के बाद सुनवाई को टाल दिया गया है। ये छठी बार है जब पटना सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। बार-बार धमकी मिलने के बाद वकीलों की पुलिस से बहस भी हुई। वकीलों ने पुलिस से कहा कि, आप लोग कर क्या रहे हैं? घटना की जानकारी मिलते ही पीरबहोर थाने की पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। कोर्ट परिसर में तलाशी ली जा रही है। बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड की टीम को बुलाया गया है। की मिली है। धमकी देने वाले ने दावा किया कि जज चैंबर, वॉशरूम और अन्य स्थानों पर आरडीएक्स जैसे विस्फोटक लगाए गए हैं, जिन्हें रिमोट से उड़ाया जा सकता है। एहतियात के तौर पर कोर्ट परिसर को खाली कराया गया। पटना सिविल कोर्ट को छठी बार बम से उड़ाने की धमकी यह छठी बार है, जब पटना सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। पटना सिविल कोर्ट के अधिवक्ता विजय कुमार,का कहना है कि, 'पटना सिविल कोर्ट को उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सुबह से ही कोर्ट को बंद कर दिया गया है। अभी कोई भी अधिकारी परिसर के भीतर नहीं जा रहे हैं। हम लोग भी बाहर आ गए हैं।यहां स्थिति बहुत खराब है। कोर्ट में आए अनिल कुमार द्विवेदी ने कहा कि, ये छठी बार धमकी मिली है। लगातार इस तरह की धमकी मिल रही है। इस पर प्रशासन का कहीं कोई ध्यान नहीं है और बिना किसी सूचना के गेट बंद किया गया। हम लोग सुबह 8 बजे से आकर यहां घूम रहे हैं। कोर्ट कब खुलेगा, नहीं खुलेगा, इसकी कोई जानकारी नहीं दी गई है। हम लोग को सिर्फ यह कहा गया है कि अभी आप लोग अंदर न जाए। अंदर बम विस्फोट होने की संभावना है। एक्सपर्ट बोले- आउटलुक से संपर्क करना चाहिए साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट मुकेश चौधरी का कहना है कि, तुरंत आउटलुक से संपर्क कर आईपी एड्रेस हासिल करना चाहिए। ऐसे मामलों को हल्के में नहीं लेना चाहिए। जरूरत पड़ने पर सीबीआई के माध्यम से मामला भारत पोल तक भेजा जाना चाहिए। किसी भी समय बड़ा खतरा हो सकता है।

राजगीर में बनेगा राज्य का पहला डायनासोर पार्क, 22 करोड़ की लागत से 6 महीने में होगा तैयार

पटना,। राजगीर में राज्य का पहला डायनासोर पार्क नेचर सफारी परिसर में बनने जा रहा है, जिसकी टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और अगले छह माह में इसे पर्यटकों के लिए खोलने का लक्ष्य तय किया गया है। ऐतिहासिक नगरी राजगीर में पर्यटन को नया आयाम देने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। बिहार का पहला डायनासोर पार्क जल्द ही साकार होने जा रहा है। प्रदेश सरकार ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना की टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली है और वन विभाग का लक्ष्य है कि अगले छह माह में यह अत्याधुनिक पार्क पर्यटकों के लिए 4.5 हैक्टेयर में फैलेगा मेसोजोइक युग का संसार राजगीर नेचर सफारी परिसर में प्रस्तावित क्लिफ वॉक के समीप लगभग 4.5 हैक्टेयर क्षेत्र में बनने वाले इस पार्क पर करीब 22 करोड़ रुपये की लागत आएगी। यह केवल एक मनोरंजन स्थल नहीं, बल्कि आधुनिक तकनीक और विज्ञान का अनूठा संगम होगा। यहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, एनिमेट्रोनिक्स और अत्याधुनिक सेंसर तकनीक के माध्यम से करोड़ों वर्ष पूर्व के मेसोजोइक युग का अनुभव कराया जाएगा। जीवंत नजर आएंगे डायनासोर जिला वन पदाधिकारी राजकुमार मनमोहन ने बताया कि पार्क में लगाए जाने वाले डायनासोर केवल स्थिर प्रतिमाएं नहीं होंगे। ब्रशलेस मोटर्स और संवेदनशील सेंसर की मदद से ये प्रतिकृतियां हरकत करेंगी, गर्दन घुमाएंगी, मुंह खोलेंगी और गर्जना भी करेंगी। हाई डेंसिटी स्पंज और सिलिकॉन रबर की कोटिंग से इनकी त्वचा वास्तविक जैसी प्रतीत होगी। पार्क का मुख्य आकर्षण 15 मीटर लंबा और 7 मीटर ऊंचा डिप्लोडोकस होगा। इसके अलावा 13 मीटर लंबा स्पिनोसॉरस और टायरानोसॉरस रेक्स (टी-रेक्स) भी यहां स्थापित किए जाएंगे। प्रवेश द्वार को जुरासिक गेट के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके बाद पर्यटक डायनासोर की हड्डियों जैसी संरचना वाली सुरंग से गुजरेंगे। पूरे पार्क को छह अलग-अलग विषयगत क्षेत्रों में विभाजित किया जाएगा, जिनमें टी-रेक्स जोन, विश्राम क्षेत्र, बच्चों का खेल क्षेत्र और डेंजर जोन शामिल हैं। ज्वालामुखी से लेकर बोलते पेड़ तक पार्क में 6 मीटर ऊंचा कृत्रिम ज्वालामुखी स्थापित किया जाएगा, जिससे धुआं और प्रकाश प्रभाव निकलेगा। बच्चों के लिए 4 मीटर ऊंचा ह्यबोलने वाला पेड़ह्न भी लगाया जाएगा, जो अपनी हलचल और ध्वनि के माध्यम से संवाद करेगा। बच्चों के लिए खास आकर्षण छोटे आगंतुकों के लिए डिगिंग साइट बनाई जाएगी, जहां बच्चे रेत में छिपे डायनासोर के जीवाश्म खोजने का अनुभव ले सकेंगे। इसके अतिरिक्त डिनो राइडिंग की सुविधा भी होगी। पार्क में एक आधुनिक 3डी थिएटर स्थापित किया जाएगा, जहां डायनासोर के इतिहास और उनके विलुप्त होने की कहानी दिखाई जाएगी।

कोहरे के चलते पेड़ से टकराई बाराती बस,3 की मौत:सुपौल में घना कोहरा, जीरो विजिबिलिटी

पटना,। समस्तीपुर, नालंदा समेत कई जिलों में सुबह-सुबह धूप निकली है। वहीं सुपौल में घना कोहरा छाया हुआ है। कोहरे की वजह से विजिबिलिटी जीरो है। कोहरे की वजह से 4 ट्रेनें लेट चल रही हैं, जबकि पाटलिपुत्र एक्सप्रेस को रद्द कर दिया गया है। कुहासे की वजह से मोतिहारी में सड़क हादसा हो गया। इसमें तीन लोगों की मौत हो गई। बारात में शामिल होने जा रही एक स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन के परखच्चे उड़ गए और वह करीब 20 मीटर दूर जा गिरा। मृतकों की पहचान राजपुर थाना क्षेत्र के विनोद प्रसाद(55), उनके चचेरे भाई अनिल प्रसाद(35) और उपमुखिया गजेंद्र दास(40) के रूप में हुई है। ये तीनों एक ही गांव के निवासी थे। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, इस समय बिहार में शुष्क मौसम बनने की सबसे बड़ी वजह पश्चिमी विक्षोभ की कमजोर स्थिति और बारिश की गतिविधि का कम होना है। जब बादल और बारिश कम होती है तो दिन में धूप ज्यादा निकलती है और तापमान बढ़ने लगता है। विशेषज्ञों का कहना है कि फरवरी के दूसरे सप्ताह से उत्तर भारत में मौसम सामान्य होना शुरू हो जाता है, क्योंकि सूर्य की गर्मी बढ़ने लगती है और दिन बड़े होने लगते हैं। इसी कारण दिन में तापमान बढ़ता है जबकि सुबह-शाम हल्की ठंड बनी रहती है। मौसम विभाग के मुताबिक बिहार में आने वाले दिनों में बड़े मौसम बदलाव की संभावना कम है। राज्य में अगले कुछ दिनों तक शुष्क मौसम रहने और हल्के कोहरे की स्थिति बने रहने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुमान के अनुसार अगले एक सप्ताह तक बिहार में मौसम सामान्य रहने की संभावना है। अधिकतर जिलों में बारिश की संभावना कम रहेगी। सुबह हल्का कोहरा संभव, दिन में धूप और हल्की गर्माहट के साथ रात में हल्की ठंड महसूस हो सकती है।

पंडारक में शराब के नशे में कहासुनी के बीच बढ़ा विवाद, अधेड़ को कैंची मारकर फरार हुआ युवक

पटना,। पटना जिले के पंडारक में आपसी विवाद ने खूनी रूप ले लिया। शराब के नशे में हुए झगड़े के दौरान एक युवक ने अधेड़ पर कैंची से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। बाढ़ अनुमंडल के पंडारक थाना क्षेत्र के बिहारी बिगहा गांव में मंगलवार दोपहर नशे की हालत में एक युवक ने अधेड़ व्यक्ति पर कैंची से हमला कर दिया। घटना में अधेड़ गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए बाढ़ अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अपने शहर के ई-पेपर, सभी ताजा खबरें और ऐड फ्री अनुभव के लिए अमर उजाला प्रीमियम सब्सक्राइब करें अपने शहर के ई-पेपर, सभी ताजा खबरें और ऐड फ्री अनुभव के लिए अमर उजाला प्रीमियम सब्सक्राइब करें घायल की पहचान बिहारी बिगहा निवासी रंजीत सिंह के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे रंजीत सिंह गांव के ही एक युवक के साथ स्थानीय ठाकुरबाड़ी के पास बैठे थे। दोनों के बीच पहले से दोस्ती थी और उस समय दोनों ने शराब पी रखी थी। इसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। आरोप है कि बहस बढ़ने पर युवक ने आपा खो दिया और पास में रखी कैंची उठाकर रंजीत सिंह पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। हमले में उनके सिर और एक हाथ में गंभीर चोटें आईं। खून से लथपथ हालत में परिजनों ने उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया। परिवार ने आरोपी के खिलाफ पंडारक थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराने की बात कही है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपी की तलाश की जा रही है।

विधान परिषद में गमार्या माहौल: फर्जी योजनाओं और दलपतियों के मुद्दे पर विपक्ष ने सरकार को घेरा

पटना,। 18वीं विधान मंडल के बजट सत्र का आज सातवां दिन है। विपक्ष लगातार सरकार पर हमला बोल रहा है। आज राजद और कांग्रेस के नेताओं ने सदन के बाहर हंगामा किया। विधानसभा में विपक्ष ने दलपतियों की बहाली का मुद्दा उठाया। इस पर पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश ने जवाब दिया। लेकिन, जवाब से विपक्ष संतुष्ट नहीं हो पाया। मामला बढ़ते देख सम्राट चौधरी और विजय चौधरी ने सरकार की ओर से जवाब दिया। विधान परिषद में मंत्री अशोक चौधरी ने एमएलसी खालिद अनवर से प्रमाण मांगा तो तब फिर सुनील कुमार सिंह उठ खड़े हुए। कहा कि पूरे कुआं में भांग डाला गया हो तो कोई क्या करे? जब अशोक चौधरी जवाब देने लगे तो फिर सुनील सिंह लगातार बोलने लगे तब सभापति ने पहल कर दोनों को शांत कराया। सभापति ने सुनील सिंह से पूछा कि आप अपने क्षेत्र में क्या करते हैं? विधान परिषद में महेश्वर सिंह ने कहा कि हम सरकार और जनता के बीच की कड़ी हैं। जो गड़बड़ी कर रहा है उसके खिलाफ कार्रवाई हो।इस पर खालिद अनवर और महेश्वर सिंह के बीच बहस होने लगी। खालिद अनवर ने कहा कि मेरे यहां इसकी कोई शिकायत नहीं है यह मैं दावा के साथ कह रहा हूं।

बिहार विधान परिषद की कार्यवाही शुरू हुई। विपक्ष की एमएलसी शशि यादव ने कहा कि ठेका पर दैनिक भोगी को सरकार के द्वारा किए गए भुगतान का पूरा अंश नहीं मिल पाता है इसलिए उनको स्थायी कर्मी के रुप में उनको किया जाए। इस पर डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने कहा कि सुझाव अच्छा है। विचार किया जाएगा। वहीं एमएलसी अब्दुल बारी सिद्दीकी ने कहा कि नगर आवास विभाग में 3200 योजनाएं स्वीकृत की गई, जिसमें 101 योजनाएं डुप्लीकेट में जिस अधिकारियों ने बिना जांच के स्वीकृत कर दी। उसके विरुद्ध क्या कार्रवाई की गई? जनता के पैसा की बबार्दी नहीं हो इसके लिए सरकार ध्यान दे। विजय सिन्हा ने कहा कि एक ही तरह के अलग अलग मामलों का अलग अलग परिणाम नहीं होंगे। ऐसा आदेश हमने अपने विभाग के सीओ को दिए हैं। डिप्टी सीएम की बात के बाद माले विधायक ने कोर्ट के आदेश का जिक्र किया।

संदीप सौरभ ने कहा कि मैं पूरी कॉपी दे रहा हूं। इसमें दो दो कोर्ट का आदेश है। डीएम को विचार करने की बात ही नहीं कही है। इसके बाद संसदीय कार्य मंत्री ने इस मामले में हस्तक्षेप किया। क्यों कि कोर्ट ने जो आदेश दिया है वह स्पष्ट है। कोर्ट ने जिलाधिकारी को 90 दिन के अंदर विचार कर निर्णय लेने का आदेश दिया। हमलोगों ने तो कोर्ट के ही निर्णय स्वागत किया। इसके बाद मंत्री दीपक प्रकाश ने कहा कि उपमुख्यमंत्री ने सरकार के पक्ष को अच्छे से रखा। लेकिन, सरकार दलपतियों के प्रति संवेदना रखती है।

दरभंगा में बढ़ते जा रहे हैं दुष्कर्म के मामले,15 में से 10 केस लंबित; आरोपियों पर कुर्की की तैयारी

दरभंगा। महिला थाना में दर्ज दुष्कर्म के 15 मामलों में दस अब भी लंबित हैं। पुलिस ने पांच आरोपियों के घर कुर्की का इश्तेहार चिपकाया है, आत्म-समर्पण नहीं करने की स्थिति में कुर्की की जाएगी। दरभंगा में दुष्कर्म के मामलों में बढ़ोतरी को लेकर चिंता गहराती जा रही है। हाल ही में विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र के सुंदरपुर इलाके में दुष्कर्म के बाद एक बच्ची की हत्या का मामला सामने आया। इसके अलावा बहादुरपुर थाना में एक शिक्षक पर छात्रा से दुष्कर्म का मामला (कांड संख्या 25/2026) दर्ज किया गया। दोनों मामलों में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। वर्ष 2025 के आंकड़ों पर नजर डालें तो महिला थाना में दुष्कर्म के कुल 15 मामले दर्ज हुए थे। इनमें से पांच मामलों का निष्पादन किया जा चुका है, जबकि 10 मामले अब भी लंबित हैं। लंबित मामलों में से पांच केस फॉरेंसिक साइंस लैब की रिपोर्ट नहीं आ पाने के कारण अटके हुए हैं। महिला थानाध्यक्ष मनीषा कुमारी ने बताया कि सभी लंबित मामलों में तेजी से कार्रवाई की जा रही है। फरार आरोपियों के घरों पर इश्तेहार चिपकाए गए हैं और आत्मसमर्पण नहीं करने की स्थिति में कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की जाएगी।

बिहार विधानसभा में भारी हंगामा: महिला रोजगार योजना और पीएम आवास को लेकर विपक्ष का वॉकआउट, सरकार और RJD में तीखी नोकझोंक

पटना,। बिहार विधानसभा के बजट सत्र की कार्यवाही के 7वें दिन मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना को लेकर सदन में जमकर तकरार हुई। फखऊ के विधायक कुमार सर्वजीत ने कहा, 'बिहार में बड़ी-बड़ी सड़कों का निर्माण अडाणी और अंबानी से करवाया जा रहा है। सरकार कहती है हम बिहार की महिलाओं को बकरी, सूअर और मुर्गी खरीदने के लिए दे रहे हैं। मैं बिहार में इसलिए नहीं जन्मा कि सरकार बकरी, सूअर चराने के लिए 10 हजार दे। मुझे भी बिहार में सड़के बनाने के काबिल बनाया जा सकता था, लेकिन सरकार नहीं चाहती की मैं आगे बढ़ूं।' इखढ विधायक मिथिलेश तिवारी ने जवाब दिया कि, 'लालू जी को क्या कहेंगे जो चरवाहा स्कूल खुलवा रहे थे। आज गरीबों के घर से दिया और लालटेन गायब है। उसके घर में आज छएऊ बल्ब जल रहा है। सड़कें देख लीजिए, ऐसी हैं कि तेजस्वी यादव जी इस पर घूम-घूमकर डांस कर रहे हैं। मंत्री श्रवण कुमार ने सदन में बताया, सरकार स्टेट नोडल अकाउंट नहीं बना पाई है, इसकी वजह से ढट आवास की राशि रुकी हुई है। विधान परिषद के बाहर विपक्ष ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। सदस्य विधायकों को धमकाना बंद करो के पोस्टर लेकर पहुंचे। विधान परिषद में अब्दुल बारी सिद्दीकी ने कहा- सदन में सड़क जैसी स्थिति बन रही है। ये ठीक नहीं है औरंगाबाद विधायक के सवाल पर सरकार ने कहा- पटना-औरंगाबाद- हरिहरगंज सदन में विपक्ष ने महिला अपराध और बढ़ते क्राइम का मुद्दा उठाया। बच्चों में सॉल्युशन और ड्रग्स की बढ़ती लत को लेकर भी प्रश्न रखे गए। विधायकों ने मांग की नेपाल बॉर्डर और यूपी बॉर्डर से आ रही शराब और ड्रग्स पर सख्ती बरती जाए। मंत्री ने इसके जवाब में कहा, सभी बॉर्डर पर पहले से चेकपोस्ट हैं। नेपाल बॉर्डर पर रसइ ने अब तक 10 लाख केस दर्ज किए हैं। 16 लाख लोगों की गिरफ्तारी हुई है। सदन के बाहर राजद विधायक भाई वीरेन्द्र ने एनकाउंटर का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा, ह्यएक जाति के लोग अपराधी नहीं है। अपराधी हर जाति में हैं, लेकिन सरकार ऐसे लोगों को अपने बगल में बैठाकर हत्या, लूट करवा रही है। सरकार एक जाति और एक समुदाय के पीछे लगी है।ह्न बढ़ते क्राइम को लेकर फखऊविधायकों ने पोर्टिको में सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। विधायक नारे लगाते रहे भ्रष्टाचारियों की सरकार नहीं चलेगी...अपराधियों की सरकार नहीं चलेगी। प्रदर्शन के बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सदन में पहुंचे। विधानसभा में विपक्ष ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अधूरे 12 लाख घरों का मुद्दा उठाया। मंत्री श्रवण कुमार ने सदन में बताया कि राशि आवंटन को लेकर केंद्र से पत्राचार और मुलाकात जारी है। विधायक मंजीत सिंह के सवाल पर मंत्री श्रवण कुमार ने जवाब दिया कि, 'प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए अभी राशि रुकी हुई है। सरकार स्टेट नोडल अकाउंट नहीं बना पाई है।

वैलेंटाइन डे पर पार्टनर के साथ इन जगहों पर घूमने जाएं, ट्रिप रहेगी यादगार

फरवरी का महीना लव बर्ड्स के लिए बेहद खास माना जाता है। फरवरी महीने को प्यार का महीना कहा जाता है। इस दौरान लोग अपने पार्टनर के साथ घूमने का प्लान बनाते है। यदि आप भी कहीं जाने का प्लान बना रहे है, तो आप इन रोमांटिक जगहों पर जरुर जाएं। यह ट्रिप आपकी बेहद यादगार रहेगी।

फरवरी का महीना प्यार महीना कहा जाता है। इस महीने में वैलेंटाइन डे आता है, जो कि कपल इसे सेलिब्रट करते है। कुछ ही दिनों में वैलेंटाइन वीक शुरु हो जाएगा। इस खास महीने में लव बर्ड्स कहीं न कहीं घूमने का प्लान जरुर बनाते है। अगर आप भी फरवरी में अपने पार्टनर के साथ छुट्टियां बिताना चाहते हैं और घूमने के लिए जगह की तलाश कर रहे है, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आइए आपको बताते हैं कि आप किस रोमांटिक प्लेस पर घूमने जा सकते हैं।

दार्जिलिंग

फरवरी के महीने में घूमने के लिए सबसे बढ़िया डेस्टिनेशन है दार्जिलिंग। यह पश्चिम बंगाल में स्थित है, जो कि चाय के बागानों से घिरी हुई है। यहां पर टाइगर हिल में एक टॉय ट्रेन चलती है इसमें बैठकर आप सुंदर पहाड़ियों का नजारा देख सकते हैं। वैलेंटाइन डे सेलिब्रेशन के लिए यह जगह काफी अच्छी है।

महाबलेश्वर

अगर आप भी पार्टनर के साथ फरवरी में घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो यह एक अच्छी डेस्टिनेशन में से एक है। यह जगह हरे-भरे प्रकृति और सुकून भरे मौसम के साथ ही पहाड़ों के नजारे देख सकते हैं। झरने और झील देख सकते हैं। मुंबई के पास इस जगह पर लोग वीकेंड पर जाना काफी पसंद करते हैं।

गोवा

अगर आप फरवरी में कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आप अपने पार्टनर के साथ गोवा जा सकते है। यहां पर आप समुद्र के किनारे सनसेट का मजा ले सकते हैं। यहां पर घूमने कई जगहे हैं। गोवा में आप एडवेंचर एक्टिविटी कर सकते हैं और आप समुंद्र किनारे अपने पार्टनर के साथ सुकून के पल बिता सकते हैं।

हम्पी

खूबसूरत नजारे के लिए हम्पी काफी फेमस है। यूनेस्को की विश्व धरोहर मानी जाने वाली यह जगह एक हनीमून के लिए भी सबसे बढ़िया है। यहां पर केले के बागान और बिखरी पहाड़ियां हम्पी शहर के प्रमुख आकर्षणों में से एक हो सकती हैं। हम्पी में घूमने के लिए काफी जगहें है।

ट्रैकिंग के शौकिनों के लिए यह एक आदर्श स्थल है येलागिरी

येलागिरी की प्रमुख आकर्षणों में से एक येलागिरी झील है, जहां पर्यटक नौका विहार का आनंद ले सकते हैं। इस झील के चारों ओर हरे-भरे बाग-बगिचे और प्राकृतिक सुंदरता फैली हुई है, जो पर्यटकों को विश्राम और शांति का अहसास कराती है।

येलागिरी, तमिलनाडु राज्य का एक छोटा सा पर्वतीय स्थल है, जो चित्ताकर्षक प्राकृतिक दृश्यावलियों, शांतिपूर्ण वातावरण और रोमांचक पर्यटन स्थलों के लिए प्रसिद्ध है। यह स्थान विशेष रूप से उन पर्यटकों के लिए आदर्श है जो शहरी हलचल से दूर शांतिपूर्ण जगहों की तलाश में रहते हैं। यहां के हरे-भरे पहाड़, खूबसूरत झीलें और सुरम्य ट्रैकिंग रूट्स पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। आइए जानते है येलागिरी के कुछ प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में।

1. येलागिरी झील

येलागिरी की प्रमुख आकर्षणों में से एक येलागिरी झील है, जहां पर्यटक नौका विहार का आनंद ले सकते हैं। इस झील के चारों ओर हरे-भरे बाग-बगिचे और प्राकृतिक सुंदरता फैली हुई है, जो पर्यटकों को विश्राम और शांति का अहसास कराती है। यहां बच्चों के खेलने के लिए पार्क भी हैं, जो इसे परिवारों के लिए एक आदर्श स्थल बनाता है।

2. स्वामीमलई हिल्स

स्वामीमलई हिल्स येलागिरी की सबसे ऊंची चोटी है और यहां ट्रैकिंग का आनंद लिया जा सकता है। ट्रैकिंग के शौकिनों के लिए यह एक आदर्श स्थल है, क्योंकि यहां की चढ़ाई आपको अद्वितीय दृश्य और प्रकृति के नजारे प्रदान करती है। इसके ऊपर से आसपास के इलाके का दृश्य बहुत ही मनमोहक होता है।

3. पंगलिंगम झरना

येलागिरी के पंगलिंगम झरने में गिरते हुए पानी की आवाज और ठंडी हवा पर्यटकों को ताजगी का एहसास कराती है। यह झरना प्रकृति प्रेमियों और फोटोग्राफी के शौकिनों के लिए एक आदर्श स्थल है। यहां पहुंचने के लिए कुछ ट्रैकिंग भी करनी पड़ती है, जो इस स्थान को और भी रोमांचक बनाती है।

4. जैन मंदिर

येलागिरी में स्थित जैन मंदिर एक ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल है। यह मंदिर शांतिपूर्ण वातावरण में स्थित है और यहां के दर्शन करने से एक अलग ही अनुभव मिलता है। यह मंदिर अपनी वास्तुकला और धार्मिक महत्व के कारण पर्यटकों को आकर्षित करता है।

5. विलियानुर झरना

यह झरना येलागिरी के पास स्थित एक और लोकप्रिय स्थान है। यहां पर गिरते पानी के झरने के साथ-साथ आसपास की हरी-भरी वादियों का दृश्य बहुत ही मनमोहक होता है। इस झरने के पास घूमने और प्रकृति के नजारे का आनंद लिया जा सकता है।

6. येलागिरी पार्क

यह पार्क येलागिरी झील के पास स्थित है और यहां आप परिवार के साथ पिकनिक का आनंद ले सकते हैं। पार्क में बच्चों के खेलने के लिए खेलकूद के सामान और अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। यह स्थल विशेष रूप से परिवारों के लिए एक आदर्श गंतव्य है।

7. अक्टिविटी और एडवेंचर स्पोर्ट्स

येलागिरी में कई एडवेंचर एक्टिविटीज भी होती हैं, जैसे पैराग्लाइडिंग, ट्रैकिंग, माउंटेन बाइकिंग आदि। इन गतिविधियों के माध्यम से आप प्रकृति के करीब जाकर रोमांचक अनुभव ले सकते हैं।

8. जंगल सफारी

अगर आप जंगल और वन्यजीवों के प्रेमी हैं, तो येलागिरी के आस-पास के जंगलों में सफारी का अनुभव भी ले सकते हैं। यहां के घने जंगलों में विभिन्न प्रकार के पक्षी और जानवरों की प्रजातियां पाई जाती हैं।

9. सूर्योदय और सूर्यास्त दृश्य

येलागिरी के पहाड़ों से सूर्योदय और सूर्यास्त का दृश्य अत्यंत अद्भुत होता है। यहां के पहाड़ी इलाकों में सूरज के निकलने और ढलने के समय के दृश्य पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। यदि आप प्रकृति प्रेमी हैं, तो यह दृश्य आपके लिए यादगार होगा।

येलागिरी एक शांति और प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर स्थल है। यहाँ का वातावरण, झीलें, झरने, पहाड़ और ट्रैकिंग रूट्स आपको शांति और रोमांच का बेहतरीन मिश्रण प्रदान करते हैं। यदि आप एक यात्रा प्रेमी हैं और प्राकृतिक सौंदर्य में खो जाना चाहते हैं, तो येलागिरी एक बेहतरीन गंतव्य हो सकता है।

इस सुरम्य पहाड़ी स्थल पर यात्रा करते हुए आप न केवल अपनी मानसिक शांति को पुनः प्राप्त कर सकते हैं, बल्कि एक अद्भुत अनुभव भी प्राप्त कर सकते हैं।

कोलकाता की इन 3 जगहों पर सेलिब्रेट करें बर्थडे, खास और यादगार बन जाएगा दिन

किसी खास जगह पर जाकर बर्थडे मनाकर लोग इसको एक यादगार पल बनाना चाहते हैं। हम सभी बर्थडे के दिन को खास बनाने के लिए खास लोकेशन की तलाश करते हैं। अपने किसी खास के साथ इस दिन को सेलिब्रेट करना सबसे अनोखा एहसास होता है। कुछ लोग अपने परिवार या पार्टनर के साथ समय बिताने के लिए किसी सुकून देने वाले जगह पर जाना पसंद करते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कोलकाता की कुछ ऐसी फेमस जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप बर्थडे पार्टी प्लान कर सकते हैं।

प्रिंसेप घाट

हुगली नदी के किनारे प्रिंसेप घाट का दृश्य और शांति से भरा माहौल आपके जन्मदिन को यादगार बना देगा। प्रिंसेप घाट की सुंदरता और ताजगी बर्थडे पार्टी के लिए बेस्ट हो सकती है। अगर आप अपने बर्थडे को अधिक यादगार बनाना चाहते हैं, तो आपको यहां पर सनसेट का दृश्य देखते हुए बर्थडे पार्टी इंजॉय कर सकते हैं। यह जगह सिर्फ दिन में ही नहीं बल्कि रात में भी ज्यादा सुंदर और बेहतरीन हो जाती है। कोलकाता की यह फेमस जगह घूमने के लिए काफी अच्छी है।

पार्क स्ट्रीट

अगर आप भी कोलकाता में बर्थडे पर घूमने के लिए पार्ट स्ट्रीट जाने का प्लान कर सकते हैं। यह कोलकाता के सबसे स्टाइलिश पर्यटक आकर्षणों में से एक है। जोकि फूड स्ट्रीट और नाइट लाइफ हब के लिए फेमस है। अक्सर लोगों को बर्थडे पार्टी राय या शाम के समय प्लान करना पसंद होता है।

इलियट पार्क

बता दें कि इलियट पार्क बैठने और आराम करने के लिए काफी अच्छी जगह है। शहर के केंद्र में स्थित यह पार्क बेहद शांत और हरा-भरा है। यहां का शांतिपूर्ण वातावरण आपका दिल जीत लेगा। बर्थडे पार्टी के लिए आप इस जगह का चयन कर सकते हैं। आप यहां पर घंटों समय बिता सकते हैं। यह पार्क दोपहर में 1 बजे से 4 बजे तक खुला रहता है। ऐसे में आप इस बीच यहां आ सकते हैं। यह कोलकाता का सबसे सुंदर पार्क है। वहीं यह पार्क बच्चों के साथ घूमने के लिए बेहद अच्छी जगह है।

स्वर्ग से भी सुंदर इस जगह पर मिलेगा मानसिक सुकून, रहने-खाने में नहीं खर्च होंगे हजारों रुपए

आज हम आपको एक ऐसी जगह के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर जाना बजट के अंदर होने के साथ ही आप प्रकृति के बीच समय भी बिता सकेंगे। यहां पर गंगा का कल-कल बहता ठंडा पानी, गंगा आरती, मंदिर, सुंदर घाट आपको मानसिक सुकून देगा।

घर और ऑफिस की जिम्मेदारी संभालने के कारण लोग मशीन की तरह काम करते हैं। ऐसे में इस व्यस्त लाइफस्टाइल के कारण लोग अपने लिए समय निकालना भूल जाते हैं। पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को बैलेंस करने के चक्कर में लोग खुद के लिए समय नहीं निकाल पाते हैं। कई बार लोग काम का इतना ज्यादा प्रेशर ले लेते हैं कि शरीर थक जाता है और दिमाग काम करना बंद कर देता है। ऐसे में आपको फौरन एक ब्रेक लेना चाहिए। क्योंकि यह ब्रेक आपको मानसिक शांति देने के साथ अंदर से हील करने का काम करता है।

इसलिए आपको काम से ब्रेक लेकर किसी ऐसी जगह जाना चाहिए, जहां पर आप खुलकर सांस ले सकें और शांति व सुकून का अनुभव कर सकें। अगर आप भी किसी ऐसी जगह की तलाश में हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक ऐसी जगह के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर जाना बजट के अंदर हो और आप प्रकृति के बीच समय भी बिता सकेंगे। दरअसल हम एक ऐसी जगह के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर पूरे विश्व भर से लोग योग सिखने के लिए आते हैं। यह जगह और कोई नहीं बल्कि ऋषिकेश है। यहां पर गंगा का कल-कल बहता ठंडा पानी, गंगा आरती, मंदिर, सुंदर घाट और चारों ओर योग व आध्यात्म का नजारा आपको मानसिक सुकून देने का काम करेगा।

इस तरह करें ऋषिकेश जाने की प्लानिंग

दिल्ली से ऋषिकेश जाने के लिए आपको कई बस और ट्रेन मिल जाएंगी। बसों का किराया 300-400 रुपए के बीच होता है। इसके साथ ही ट्रेन के टिकट की कीमत भी करीब-करीब इतना ही होगा।

लोकल ट्रांसपोर्ट

दिल्ली से ऋषिकेश जाकर प्राइवेट कार या फिर कैब के इस्तेमाल की जगह लोकल ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करें। प्राइवेट कैब जहां आपको 200-300 रुपए खर्च करने होंगे। तो वहीं लोकल ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करने पर आपका खर्चा 40-50 रुपए ही आएगा। बता दें कि आपको ऋषिकेश बस स्टॉप से कई लोकल ट्रांसपोर्ट मिल जाएंगे।

आश्रम में रहें

आप ऋषिकेश में होटल की जगह हॉस्टल में स्टे करें। हॉस्टल की शुरूआत 500 रुपए से होती है। अगर आप राम झूला के पास हैं, तो आपको यहां पर कई आश्रम मिल जाएंगे।

स्ट्रीट फूड का लें मजा

अगर आप चाहें तो राम झूला के पास या लक्ष्मण झूला के पास खाने-पीने के लिए आपको महंगे से लेकर बजट तक में कई पैकेज मिल जाएंगे। आप यहां पर स्ट्रीट फूड का भी मजा ले सकते हैं। आपको यहां पर 100 रुपए में खाने-पीने को काफी कुछ मिल जाएगा।

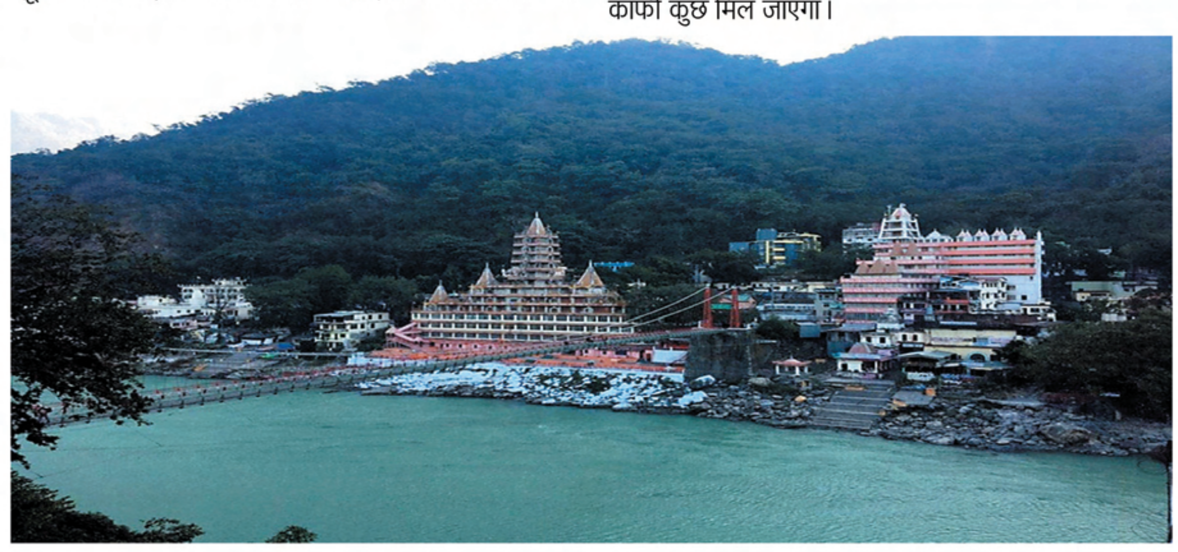

टी20 विश्वकप : नामीबिया के खिलाफ बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम गुरूवार को नामीबिया के खिलाफ ग्रुप ए के टी20 विश्वकप मुकाबले में बड़ी जीत के साथ ही लय हासिल करने उतरेगी। भारतीय टीम को अपने पहले ही मैच में अमेरिका के खिलाफ संघर्ष करना पड़ा था। वहीं इस मैच में उसका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन कर आसान जीत हासिल करना रहेगा। इस बार कमजोर टीमों ने भी सभी को हैरान किया है इसलिए भारतीय इस मुकाबले को हल्के में नहीं लेगी। भारतीय टीम को इसके बाद पाकिस्तान से भी खेलना है। ऐसे में इस मैच से उसे अभ्यास को भी अच्छा अवसर मिलेगा।

भारतीय टीम को पहले मैच में अमेरिका के खिलाफ कप्तान सूर्यकुमार यादव की पारी से जीत मिली थी पर इस मैच में सभी अन्य बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना पड़ेगा। भारतीय टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की तबियत ठीक नहीं है और इस कारण वह इस मैच में नहीं खेलेंगे। ऐसे में ईशान किशन और संजू सैमसन पारी की शुरआत कर सकते हैं। इसस मैच में रिंकू सिंह और अक्षर पटेल को भी बेहतर प्रदर्शन करना होगा। स्पिनर वरुण चक्रवर्ती से भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। गेंदबाजी में भी भारतीय टीम को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की इस मैच में वापसी तय है। ऐसे में अलावा मोहम्मद सिराज या अर्शदीप सिंह में से किसी को बाहर बैठना होगा। वहीं दूसरी ओर नामीबिया को शुरू से ही आक्रामक होना होगा और स्ट्राइक रोटेट करनी होगी, और ऐसी साझेदारी बनानी होगी जिससे वे एक बड़ा स्कोर बना सकें या उसका पीछा कर सकें। उनके गेंदबाजों के लिए भारतीय बल्लेबाजों को रोकना बेहद कठिन हरेगा।

भारत अंतिम ग्यारह

सूर्यकुमार यादव (कप्तान),इशान किशन (विकेटकीपर), संजू सैमसन, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती।

सचिन ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात कर बेटे अर्जुन की शादी का निमंत्रण दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने आज अपने परिवार के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और उन्हें अपने बेटे अर्जुन तेंदुलकर की शादी का निमंत्रण दिया। इस अवसर पर उनकी होने वाली बहू सानिया चंडोक भी साथ में थीं। इस मुलाकात की तस्वीरें स्वयं सचिन ने सोशल मीडिया पर साझा कीं हैं।

सचिन ने सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री मोदी के साथ मुलाकात की तस्वीरें जारी करते हुए इसे परिवार के लिए सम्मान की बात बताया। उन्होंने लिखा कि अर्जुन और सानिया की शादी का आमंत्रण प्रधानमंत्री को देकर पूरा परिवार गौरवान्वित महसूस कर रहा है। सचिन ने युवा जोड़े के लिए प्रधानमंत्री के आशीर्वाद और उनकी सलाह के लिए भी आभार जताया। पोस्ट में पूरे परिवार के साथ प्रधानमंत्री की तस्वीरें और अर्जुन-सानिया के साथ एक विशेष तस्वीर भी शामिल थी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अर्जुन और सानिया की शादी से जुड़े कार्यक्रम मार्च के पहले हफ्ते में शुरू होंगे। शादी की रस्में 3 मार्च से शुरू होने की संभावना है, जबकि 5 मार्च को विवाह समारोह आयोजित किया जाएगा। शादी में केवल परिवार के करीबी सदस्य और दोस्त ही शामिल होंगे। समारोह मुंबई में आयोजित किए जाने की चर्चा है। सानिया मुंबई के जाने-माने कारोबारी रवि घई की पोती हैं। सानिया ने अपनी पेशेवर पहचान खुद बनाई है और कारोबार व शिक्षा दोनों क्षेत्रों में सक्रिय रही हैं। इस दंपत्ति ने पिछले साल अगस्त में बेहद निजी समारोह में सगाई की थी, जिसमें केवल करीबी लोग मौजूद थे। वहीं अर्जुन सचिन तेंदुलकर आईपीएल के अलावा घरेलू क्रिकेट में गोवा से खेलते हैं।

ज़म्पा और एलिस के 'चक्रव्यूह' में फंसा आयरलैंड, ऑस्ट्रेलिया की 67 रनों से बड़ी जीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने आयरलैंड पर शानदार जीत दर्ज की और मेहमान टीम को मात्र 115 रनों पर रोककर 67 रनों से विजयी रही। अनुशासित गेंदबाजी और बल्लेबाजों के महत्वपूर्ण योगदान के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने शुरू से अंत तक मैच पर अपना दबदबा बनाए रखा और अपने अभियान की मजबूत शुरुआत की। 183 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए आयरलैंड के कप्तान पॉल स्टर्लिंग संभावित रूप से हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण सिर्फ एक रन बनाकर संन्यास ले लिया। दूसरे ओवर की आखिरी गेंद पर हैरी टेक्टर तीन गेंदों में शून्य पर आउट हो गए।

तीसरे ओवर में तेज गेंदबाज नाथन एलिस द्वारा आउट किए जाने के बाद सलामी बल्लेबाज रॉस एडायर 12 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। ऑस्ट्रेलिया ने शानदार शुरुआत की और आयरलैंड का स्कोर 13/2 हो गया। कर्टिस कैम्फर (4), बेंजामिन कैलिट्ज़ (2) और गैरेथ डेलानी (11) के विकेट गिरने के बाद आयरलैंड ने जल्दी-जल्दी तीन विकेट गंवा दिए और सातवें ओवर के अंत तक आयरलैंड का स्कोर 43/5 हो गया।

लोरकान टकर और जॉर्ज डॉकरेल ने 46 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की, लेकिन 14वें ओवर में एडम ज़म्पा ने टकर को 24 रन पर आउट कर दिया। ऑस्ट्रेलिया ने निचले क्रम के सभी बल्लेबाजों को पवेलियन भेजकर 67 रनों से जीत हासिल की और टी20 विश्व कप में अपनी पहली जीत दर्ज की। ऑस्ट्रेलिया के लिए नाथन एलिस (4/12) और एडम ज़म्पा (4/23) ने चार-चार विकेट लिए। मैथ्यू कुहनेमैन (1/29) भी विकेट लेने वालों में शामिल थे। इससे पहले, मार्कस स्टोइनिस की जुझारू पारी, जिसमें जोश इंग्लिस और मैट रेनशॉ का महत्वपूर्ण योगदान रहा, ने ऑस्ट्रेलिया को 182/6 के स्कोर तक पहुँचाया। स्टोइनिस अपनी टीम के लिए 29 गेंदों में 45 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे, जबकि इंग्लिस और रेनशॉ ने 37-37 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का विकल्प चुना। हेड और जोश इंग्लिस ने ऑस्ट्रेलिया के लिए पारी की शुरुआत की। हेड पहले ओवर में चौका लगाने के बाद दूसरे ओवर में छह रन बनाकर रन आउट हो गए। पहले ओवर में पांचवीं गेंद पर कैलिट्ज़ ने पॉइंट पर उनका कैच छोड़ दिया था। इंग्लिस और कैमरन ग्रीन ने तेजी से रन बनाना शुरू किया और दोनों ने आयरिश गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। ग्रीन ने 11 गेंदों में 21 रन बनाकर तेज शुरुआत की, लेकिन इसे बड़े स्कोर में नहीं बदल सके क्योंकि पांचवें ओवर की आखिरी गेंद पर मार्क एडायर ने मिड-विकेट पर उन्हें आउट कर दिया।

टी20 वर्ल्ड कप: दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे सुपर ओवर में हासिल की जीत

-4 रनों से हारा अफगानिस्तान

अहमदाबाद (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका ने यहां हुए बेहद रोमांचक आईसीसी टी20 विश्व कप मुकाबले में अफगानिस्तान को दूसरे सुपर ओवर में चार रनों से हरा दिया। इस प्रकार अफगान टीम जीत के करीब आकर भी उसे हासिल नहीं कर पायी। इस मैच में जीत के लिए मिले 188 रनों का पीछा करते हुए अफगानिस्तान को आखिरी ओवर में जीत के लिए 13 रन चाहिए थे पर मैच टाई रहा। इसके बाद सुपर ओवर में अफगानिस्तान ने 17 रन बनाए। इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने भी ओवर की अंतिम गेंद पर छक्का लगाकर मैच टाई कर दिया। इसके बाद दूसरे सुपर ओवर में दक्षिण अफ्रीका ने 23 रन बजाया जिसके जवाब में अफगानिस्तान की टीम 19 रन ही बना सकी और मुकाबला मुकाबला हार गयी।

इससे पहले - क्विंटन डिकॉक और रयान रिकल्टन के अर्धशतकों से दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 187 रन बनाए हैं। । इस मैच में अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर दक्षिण अफ्रीका को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान एडन मार्करम 8 गेंद पर 5 रन बनाकर शुरुआत में ही फजलहक फारुखी की गेंद पर आउट हुए। इसके बाद डिकॉक और रिकल्टन ने जबरदस्त बल्लेबाजी कर पारी को संभाला।

डिकॉक और रिकल्टन ने दूसरे विकेट के लिए 114 रन बनाये। इसके बाद अफगान टीम के कप्तान राशिद खान ने डिकॉक और रिकल्टन को एक ही ओवर में आउट कर दक्षिण अफ्रीका पर दबाव बना दिया।

डिकॉक ने 41 गेंदों पर 3 छक्कों और 5 चौकों की सहायता से 59 रन बनाये जबकि रिकल्टन ने 28 गेंद पर 4 छक्कों और 5 चौकों की सहायता से 61 रन बनाये। डेवाल्ड ब्रेविस ने 23 रन बनाये। ट्रिस्टन स्टब्स केवल एक रन ही बना पाये।

डेविड मिलर ने अंत में 15 गेंद पर 20 रन और मार्को जानसेन ने 7 गेंद पर 16 रन बनाकर पारी को 187 तक पहुंचाया।

अफगानिस्तान की ओर से राशिद खान ने 28 रन देकर 2 विकेट जबकि फजलहक फारुखी ने 4 ओवर में 32 रन देकर 1 विकेट लिया। अजमतुल्ला ओमरजाई ने 41 रन देकर 3 खिलाड़ियों को आउट किया। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगानिस्तान की ओर से सलामी बल?लोबज रहमानुल्लाह गुरबाज ने अर्धशतक लगाया। गुरबाज ने 84 रन बनायसे। अपनी इस पारी में उन्होंने 7 छक्के और 4 चौके लगाए। ओपनर इब्राहिम जादरान ने 12 रन लगाए। मध्य क्रम में किसी भी बैटर का बल्ला नहीं चला।

गुलबदीन नायब और सिद्दीकुल्लाह अटल का खाता तक नहीं खुला। दरविश रसूली 15 के स?कोर पर रन आउट हुए। अजमतुल्लाह उमरजई ने 22, मोहम्मद नबी ने 5 और राशिद खान ने 12 गेंदों पर 20 रन जड़े। मुजीब उर रहमान भी बिना कोई रन बनाए वापस लौटे। नूर अहमद ने 9 गेंदों पर 15 रन जड़कर मुकाबले को सुपर ओवर में पहुंचा दिया। इस दौरान नूर ने 2 सिक्स लगाए।

अभिषेक शर्मा को अस्पताल से मिली छुट्टी

नई दिल्ली ।भारतीय क्रिकेट ओपनर अभिषेक शर्मा को पेट में संक्रमण के कारण दो दिन अस्पताल में रहने के बाद छुट्टी मिल गई है लेकिन नामीबिया के खिलाफ गुरुवार को होने वाले टी20 वर्ल्ड कप मैच में उनका खेलना अभी तय नहीं है। मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारतीय क्रिकेटर तिलक वर्मा ने कहा कि अभिषेक के खेलने को लेकर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। तिलक वर्मा ने पत्रकारों से कहा, 'अभिषेक को आज अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। कल के मैच में उसके खेलने पर फैसला लेने के लिए अभी समय है।अभिषेक अमेरिका के खिलाफ शनिवार को मुंबई में खेले गए पहले मैच में पहली गेंद पर आउट हो गए थे और इसके बाद उन्होंने मैच में आगे हिस्सा नहीं लिया था।उनकी जगह संजू सैमसन ने फील्डिंग की थी। माना जा रहा है कि मैच के दौरान उनकी तबीयत खराब थी और दिल्ली पहुंचने के बाद और बिगड़ गई।

अर्शदीप नामीबिया के खिलाफ 4 विकेट लेते ही तोड़ देंगे अश्विन का रिकार्ड

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह 12 फरवरी को नामीबिया के खिलाफ होने वाले टी20 विश्वकप मुकाबले में एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम कर सकते हैं। अर्शदीप इस मैच में अगर चार विकेट लेते हैं तो वह दिग्गज स्पिनर आर अश्विन के भारत की ओर से विश्वकप में सबसे अधिक 32 विकेट लेने का रिकार्ड तोड़ देंगे। अभी अर्शदीप के नाम 29 विकेट हैं। अर्शदीप ने अब तक 15 टी20 विश्व कप मैच खेले हैं, जिनमें 29 विकेट लिए हैं।अर्शदीप ने 2022 में पहली बार टी20 विश्व कप खेला था।इसके बाद 2024 में वह विजेता टीम का हिस्सा रहे और अब अपना तीसरा टी20 विश्व कप खेल रहे हैं।टी20 विश्व कप में भारत के सबसे सफल गेंदबाज अश्विन रहे हैं। अश्विन ने 24 मैचों में 32 विकेट लिए हैं। वहीं ओवरऑल गेंदबाजों की सूची में अर्शदीप 19वें स्थान पर और अश्विन 13वें स्थान पर हैं।साल 2007 से खेले जा रहे टी20 विश्व कप में अभी तक शीर्ष पांच में एक भी भारतीय गेंदबाज शामिल नहीं है।विश्वकप में भारतीय टीम के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में तीसरे नंबर पर जसप्रीत बुमराह हैं।बुमराह ने कुल 26 विकेट लिए हैं।

टी20 विश्व कप बहिष्कार का फैसला बांग्लादेश सरकार का नहीं क्रिकेट बोर्ड का था : नजरुल

ढ़ाका (एजेंसी)। बांग्लादेश के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने कहा है कि टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट के बहिष्कार में सरकार की कोई भूमिका नहीं थी और ये फैसला पूरी तरह से क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने लिया था। इससे पहले बीसीबी ने कहा था कि वह सुरक्षा कारणों से भारत में विश्वकप नहीं खेलेगा। जिसके बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने उसकी जगह पर स्काटलैंड को शामिल कर लिया। तब उस समय कहा जा रहा था कि टी20 विश्व कप में भाग नहीं लेने की बात सरकार ने कही थी और इसलिए बीसीबी ने नहीं खेलने का फैसला किया। वहीं अब खेल सलाहकार के अनुसार ये फैसला क्रिकेट बोर्ड और उनके खिलाड़ियों का था। उन्होंने राष्ट्र के सम्मान के लिए विश्व कप तक को छोड़ दिया।

वहीं गत माह जनवरी में खिलाड़ियों से मिलने के बाद, नजरुल ने साफ कहा था कि बांग्लादेश के विश्व कप में भाग लेने का फैसला सरकार के रुख पर आधारित रहेगा।

जनवरी में नजरुल ने मीडिया से कहा, 'बैठक का मकसद बस खिलाड़ियों को यह समझाना था कि सरकार ने यह फैसला क्यों लिया। मुझे लगता है कि वे समझ गए थे। यही मकसद था और कुछ नहीं। मुझे लगता है कि हमें आईसीसी से न्याय नहीं मिला। हम विश्व कप में खेलेंगे या नहीं, यह पूरी तरह से सरकार का फैसला है।'

वहीं अब नजरुल ने कहा, विश्व कप में नही खेलने पर कोई दुख नहीं है। यह फैसला बोर्ड और खिलाड़ियों ने लिया था, क्योंकि उन्होंने देश के क्रिकेट की सुरक्षा, लोगों की सुरक्षा और देश की इज्ज़त की रक्षा के लिए कुर्बानी दी थी। आईसीसी ने भी कहा है कि कोई प्रतिबंध नहीं लगेग और बांग्लादेश को आगे भी मेजबानी मिलेगी। ये हमारे बोर्ड के कड़े रुख की जीत है।

टी20 विश्वकप से बाहर हुए न्यूजीलैंड के ब्रेसवेल, मैककॉनची शामिल

नई दिल्ली ।न्यूजीलैंड के अनुभवी ऑलराउंडर माइकल ब्रेसवेल चोटिल होने के कारण टी20 विश्व कप 2026 से बाहर हो गए हैं।ब्रेसवेल का बाहर होना कीवी टीम के लिए करारा झटका है क्योंकि वह अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं।ब्रेसवेल के बांए पैर की पिंडली की पुरानी चोट अभ्यास के दौरान उभर आई।जांच में उनकी चोट गंभीर पायी गयी है।विशेषज्ञों के अनुसार उन्हें पूरी तरह फिट होने में तकरीबन तीन सप्ताह का समय लगेगा।ऐसे में वह विश्वकप में नहीं खेल पायेंगे।उनकी जगह पर अब ऑफ-स्पिन ऑलराउंडर कोल मैककॉनची को टीम में शामिल किया गया है।वह 13 फरवरी को टीम से जुड़ेंगे।ब्रेसवेल को पिछले माह जनवरी में भारत दौरे के समय तीसरे एकदिवसीय के दौरान भी चोट लगी थी, जिसके बाद उन्होंने लंबे समय तक रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम पूरा किया था पर वापसी के बाद उनकी चोट फिर उभर आई।उनकी जगह पर शामिल मैककॉनची ने अंतिम बार अप्रैल 2024 में न्यूजीलैंड की ओर से खेला था।घरेलू टी20 सर्किट में उन्होंने 14 विकेट लिए और इस दौरान उनकी इकॉनमी रेट 7.71 रही।मुख्य कोच रॉब वॉल्टर ने कहा हम सभी ब्रेसवेल के लिए दुखी हैं।विश्वकप से बाहर होना किसी भी खिलाड़ी के लिए आसान नहीं होता है।न्यूजीलैंड के लिए खेलना उनके लिए बहुत अहम होता है।उन्होंने वापसी के लिए काफी प्रयास किया पर वह फिर चोटिल हो गए।हम उनके शीघ्र ठीक होने की कामना करते हैं।न्यूजीलैंड की टीम को 14 फरवरी को ग्रुप डी में अपने तीसरे मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका का सामना करना है।अब देखना है कि इसमें मैककॉनची किसने सफल रहते हैं।

मारिन सिलिच 600 जीत हासिल करने वाले बने दूसरे सक्रिय खिलाड़ी बने

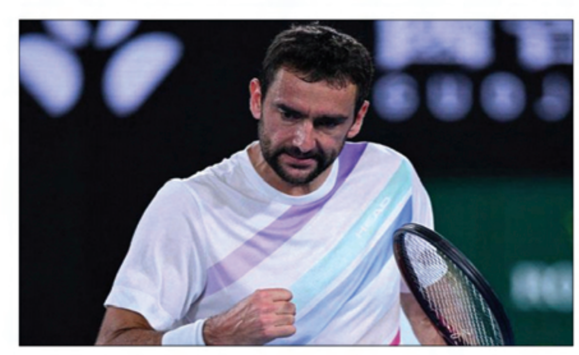

डलास ।मंगलवार को नेक्सो डलास ओपन में लर्नर टिएन के खिलाफ मिली मारिन सिलिच की 600वीं टूर-लेवल जीत, उनकी कंसिस्टेंसी और लंबे समय तक टिके रहने की झलक है, इन खूबियों ने उन्हें आज के महान खिलाड़ियों में जगह बनाने में मदद की है।एटीपी टूर पर दो दशकों में, जिसका ज़्यादातर हिस्सा 'बिग थ्री' युग में मुकाबला करते हुए बीता, क्रोएशियाई खिलाड़ी न केवल टिका रहा, बल्कि आगे भी बढ़ा है।37 साल के सिलिच इस खेल के सबसे कड़े कॉम्पिटिटर में से एक हैं, जिनके पास उतनी ही जबरदस्त बेसलाइन फायरपावर है।साथ ही, 21 बार टूर-लेवल टाइटल जीतने वाले सिलिच शांत अंदाज़, आसान मुस्कान और सच्ची दयालुता के बीच संतुलन बनाते हैं, जो खिलाड़ियों और फैंस दोनों को पसंद आता है।सिलिक के नाम सक्रिय खिलाड़ियों में दूसरी सबसे ज़्यादा जीत हैं, जो सिर्फ़ नोवाक जोकोविच (1,168 और गिनती जारी है) से पीछे हैं।अपनी 600वीं टूर-लेवल जीत हासिल करके, सिलिच अब तक के सबसे ज़्यादा जीत हासिल करने वाले क्रोएशियाई खिलाड़ी बन गए, उन्होंने पूर्व वर्ल्ड नंबर 2 गोरान इवानिसेविच को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने अपने शानदार करियर में 599 टूर-लेवल जीत हासिल की थीं।सिलिच के करियर की एक खास बात 2014 में यूएस ओपन में आई, जहां उन्होंने अपनी पहली बड़ी ट्रॉफी उठाई। सिलिच ने फाइनल में जापान के केई निशिकोरी को हराया, इसके कुछ ही पहले उन्होंने सेमीफ़ाइनल में पाँच बार के चैंपियन रोजर फेडरर को हराया था।यह जीत फ़ेडरर के ख़िलाफ सिलिच की 11 एटीपी हेड2हेड भिड़ंत में अकेली जीत थी।

सबसे ज्यादा टूर-लेवल जीत प्लेयर जीत (सक्रिय खिलाड़ी)

नोवाक जोकोविच - 1,168, मारिन सिलिच - 600, स्टेन वावरिंका - 586, गाएल मोंफिल्स - 583, अलेक्जेंडर ज्वेरेव - 526

आईसीसी रैंकिंग : अभिषेक शर्मा और वरुण चक्रवर्ती शीर्ष पर कायम, सिकंदर रजा बने नंबर 1 ऑलराउंडर

मुम्बई (एजेंसी)। आईसीसी की ताजा टी20आई रैंकिंग में भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा बरकरार है। ओपनर अभिषेक शर्मा बल्लेबाजों की सूची में नंबर 1 स्थान पर बने हुए हैं, जबकि स्पिनर वरुण चक्रवर्ती गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज हैं। इस बीच जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने शानदार प्रदर्शन के दम पर टी20आई ऑलराउंडर रैंकिंग में पहला स्थान हासिल कर लिया है। ICC टी20 वर्ल्ड कप 2026 के बीच जारी इन रैंकिंग्स ने क्रिकेट जगत में नई चर्चा छेड़ दी है।

बल्लेबाजों में अभिषेक शर्मा का जलवा

भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा 909 रेटिंग अंकों के साथ टी20आई बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं। उन्होंने इंग्लैंड के फिल साल्ट (821), पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान (769), इंग्लैंड के जोस बटलर (766) और श्रीलंका के पथुम निसांका (754) को पीछे छोड़ रखा है। रैंकिंग में अन्य खिलाड़ियों ने भी छलांग लगाई है। न्यूजीलैंड के टिम सीफर्ट एक स्थान ऊपर चढ़कर आठवें पायदान पर पहुंच गए हैं। श्रीलंका के कुसल मेंडिस ने छह स्थान की बढ़त लेकर 12वां स्थान हासिल किया। स्कॉटलैंड के जॉर्ज मुनसे, भारत के ईशान किशन और नीदरलैंड्स के माइकल लेविट ने भी उल्लेखनीय सुधार किया है।

गेंदबाजों की सूची में वरुण चक्रवर्ती आगे

टी20आई गेंदबाजों की रैंकिंग में वरुण चक्रवर्ती शीर्ष पर बने हुए हैं और पाकिस्तान के अबरार अहमद से मामूली बढ़त बनाए हुए हैं। चक्रवर्ती की लगातार प्रभावी गेंदबाजी ने उन्हें नंबर 1 बनाए रखा है। श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा ने एक स्थान ऊपर चढ़कर पांचवां स्थान हासिल किया है और वह टॉप 10 में सबसे बड़ा बदलाव करने वाले गेंदबाज हैं। इसके अलावा, अर्शदीप सिंह (तीन स्थान ऊपर, 11वें), सलमान मिर्जा (नौ स्थान ऊपर, 13वें), ब्रैड इवांस (16 स्थान ऊपर, 15वें), मिशेल सेंटनर (चार स्थान ऊपर, 19वें) और ब्रैडली करी (25 स्थान ऊपर, 24वें) को भी रैंकिंग में फायदा हुआ है।

सिकंदर रजा बने नंबर 1 टी20आई ऑलराउंडर

जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने ICC मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 में शानदार प्रदर्शन के बाद टी20आई ऑलराउंडर रैंकिंग में पहला स्थान हासिल किया है। कोलंबो में ओमान के खिलाफ खेले गए मुकाबले में रजा ने गेंद और बल्ले दोनों से अहम योगदान दिया। उन्होंने चार ओवर में 1/17 का किफायती स्पेल डाला, जिससे ओमान की टीम सिर्फ 103 रन पर सिमट गई। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए रजा ने विजयी रन बनाकर टीम को आठ विकेट से जीत दिलाई। इस प्रदर्शन की बदौलत उन्हें एक स्थान का फायदा हुआ और उन्होंने पाकिस्तान के सैम अयूब को पीछे छोड़कर शीर्ष स्थान हासिल किया। यह उपलब्धि उन्होंने पहली बार पिछले साल के अंत में पाई थी और अब दोबारा नंबर 1 बन गए हैं।

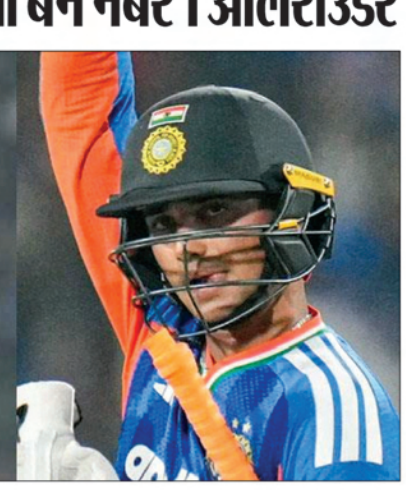

धवन बने दिल्ली खेल महाकुंभ के ब्रांड एम्बेसडर

नई दिल्ली ।पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन को खेल महाकुंभ का ब्रांड एम्बेसडर बनाया गया है। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि धवन ने दिल्ली सरकार की खेलों के प्रति प्रतिबद्धता को देखते हुए स्वयं यह जिम्मेदारी स्वीकार की है।वहीं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने धवन का आभार जताते हुए दिल्ली के खिलाड़ियों के प्रति उनके योगदान की प्रशंसा की है।दिल्ली सरकार को भरोसा है कि धवन के मार्गदर्शन और प्रेरणा से युवा खिलाड़ियों में नया उत्साह जगेगा और उन्हें नई पहचान मिलेगी।दिल्ली खेल महाकुंभ 13 फरवरी से शुरू होगा। इस दौरान उद्घाटन समारोह से लेकर पूरे आयोजन के दौरान धवन खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाएंगे।धवन ने कहा कि दिल्ली ने उन्हें बहुत कुछ दिया है और अब उसे लौटाने का समय आ गया है।इस कारण वह अपने योगदान के लिए हमेशा तैयार हैं।उन्होंने कहा कि सरकार ने युवाओं को खेलों में आगे बढ़ाने के लिए अच्छा मंच तैयार किया है जिसमें वह अपना पूरा सहयोग देंगे।

मोहाली में 16 स्कूलों को उड़ाने की धमकी

मोहाली (एजेंसी)। मोहाली के स्कूल-कॉलेजों को बुधवार सुबह बम से उड़ाने की धमकी मिली। सुबह करीब साढ़े 7 बजे भेजी मेल में कहा गया कि इनमें दोपहर 1.11 बजे बम ब्लास्ट होगा। इस मेल में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को भी मानव बम से उड़ाने की धमकी दी गई। इसके अलावा 13 फरवरी को दोपहर 2.11 बजे नई दिल्ली स्थित संसद में भी बम धमाके की धमकी दी गई है। सुबह 8.50 बजे स्कूल खुलने थे, इससे पहले ही मेल पहुंच गई। जैसे ही धमकी भरी मेल मिली तो तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। इसके बाद स्कूलों में तत्काल छुट्टी कर दी गई। स्कूल मैनेजमेंट्स ने पेरेंट्स को अर्जेंट मैसेज भेजकर अपने बच्चों को घर ले जाने को कहा। इसके अलावा स्कूल बसों को भी गेट से ही लौटा दिया गया। बच्चों को स्कूल के अंदर एंट्री नहीं दी गई। बम धमकी का पता चलते ही मोहाली पुलिस हाई अलर्ट पर आ गई। तुरंत बम स्क्वॉड की टीमें लेकर पुलिस फोर्स स्कूलों में पहुंच गई।

असम में भारत का सबसे लंबा भूकंपरोधी पुल तैयार : 100 साल चलेगा

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम में ब्रह्मपुत्र नदी पर उत्तरी और दक्षिणी गुवाहाटी को जोड़ने वाला पहला 6-लेन एक्स्ट्राडोसेड ब्रिज या 'महासेतु' बनकर तैयार है। यह पुल न केवल असम बल्कि देश के लिए भी खास है, क्योंकि यह भारत का सबसे लंबा एक्स्ट्राडोसेड पुल होगा। पुल को भूकंप-रोधी तकनीक से डिजाइन किया गया है और इसकी अनुमानित उम्र 100 वर्ष है। असम का यह क्षेत्र भूकंप जोन-6 में आता है, इसलिए पुल में विशेष पेंडुलम सिस्टम लगाया है, जो भूकंप के झटकों को सहन कर उन्हें नीचे की ओर स्थानांतरित कर देता है। एक्स्ट्राडोसेड पुल गर्डर और केबल दोनों तकनीक पर आधारित होता है। इससे पारंपरिक पुलों की तुलना में ज्यादा मजबूत और किफायती भी होता है। पुल का निर्माण कार्य करीब 99 प्रतिशत पूरा हो गया है। संभावना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसी महीने इसका उद्घाटन कर सकते है।

फाजिल्का में 17 वर्षीय युवती की निर्मम हत्या

फाजिल्का (एजेंसी)। फाजिल्का जिले के अबोहर में मलोट रोड पर स्थित एक होटल में 17 साल की लड़की की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया। पुलिस के अनुसार, लड़की का शव होटल के कमरे में अर्धनग्न अवस्था में और आंखों पर पट्टी बंधी हुई मिली। उसकी गर्दन तेजधार हथियार से काटी गई थी। होटलकर्मियों ने बताया कि मृतक लड़की आरती अपने प्रेमी सचिन के साथ होटल में आई थी। युवक करीब आधे घंटे बाद खाना ऑर्डर करने का बहाना बनाकर होटल से निकला। घटना की सूचना मिलते ही सिटी थाना-1 की पुलिस मौके पर पहुंची और होटल को सील कर सभी रिकॉर्ड, रजिस्टर व अन्य सबूत कब्जे में ले लिए। पुलिस ने सचिन निवासी रामकोट के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पोस्टमार्टम प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। आरती मूल रूप से उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले की रहने वाली थी। उनके पिता कई वर्षों से अबोहर में गौशाला में काम करते हैं। मृतक के परिजनों ने बताया कि आरोपी सचिन पहले भी आरती को परेशान करता था। एसएचओ ने बताया कि आरोपी युवक 22 वर्षीय है और कुई खेड़ा गांव का रहने वाला है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और सभी संबंधितों से पूछताछ जारी है।

पटना में 60 वर्षीय महिला वकील का झुलसा हुआ शव बरामद

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजधानी पटना के कदमकुआं क्षेत्र से दुखद घटना सामने आई है। राजेंद्र नगर रोड नंबर-2 में मौजूद घर से 60 वर्षीय महिला वकील इंदिरा लक्ष्मी का झुलसा हुआ शव बरामद हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। इंदिरा लक्ष्मी पटना हाई कोर्ट और सिविल कोर्ट में प्रैक्टिस करती थीं। उनके पति रांची में रहते हैं, जबकि उनकी एक बेटी दिल्ली में रहती है। जानकारी के अनुसार, शव घर के बरामदे में जली हुई अवस्था में मिला। घटनास्थल से किरोसिन तेल, माचिस और एक दिया बरामद हुआ है। पुलिस को एक मग में भी केरोसिन तेल मिला है। बताया जा रहा है कि घर का मुख्य दरवाजा बंद था और ताला दोनों तरफ से खुलने वाला था। महिला घर के निचले तले पर अकेली रहती थीं। उनके ऊपर वाले फ्लैट में उनके देवर रहते हैं, जिन्होंने सुबह शव देखा। एक केयरटेकर महिला ने भी महिला जली हुई अवस्था में उन्हें देखा और इसकी सूचना दी। केयरटेकर के अनुसार, रात करीब 12 बजे तक इंदिरा लक्ष्मी बरामदे में बैठी थीं। पुलिस ने बताया कि सूचना सुबह लगभग 7-40 बजे मिली। एफएसएल टीम को मौके पर बुलाया और जांच जारी है। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया शरीर पर किरोसिन डालकर आग लगाने की आशंका है, हालांकि अंतिम निष्कर्ष जांच रिपोर्ट के बाद ही सामने आएगा। घटना से पटना सिविल कोर्ट के वकीलों में शोक की लहर है। अधिवक्ता ऋषिकेश नारायण सहित कई वकीलों ने मामले की निष्पक्ष और गहन जांच की मांग की है।

एक माह में 800 लोग लापता... चिंतित दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र, दिल्ली सरकार, पुलिस को दिया नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। (ईएमएस)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बढ़ते गुमशुदगी के मामलों को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र, दिल्ली सरकार, दिल्ली पुलिस और राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) को नोटिस दे दिया है। चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने लापता व्यक्तियों की लगातार बढ़ती संख्या पर चिंता जताकर जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई के दौरान संबंधित अधिकारियों से एक सप्ताह के भीतर हलफनामा दाखिल करने को कह दिया है। मामले की अगली सुनवाई 18 फरवरी को होगी। याचिका में बताया गया है कि दिल्ली में बीते एक महीने में 800 से अधिक लोगों के लापता होने के मामले सामने आए हैं। इस बीच जनवरी 2026 के पहले दो हफ्तों में 807 लोगों के लापता होने के मुद्दे पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने भी स्वतः संज्ञान लिया है। दिल्ली पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक, 807 लापता लोगों में से अब तक 235 का ही पता लग सका है, जबकि 572 लोग अभी भी लापता हैं। इन मामलों में 191 नाबालिग और 616 वयस्क शामिल हैं। इस बारे में दिल्ली के मुख्य सचिव और पुलिस आयुक्त को भी नोटिस जारी कर निर्धारित समय में विस्तृत रिपोर्ट देने को कहा गया है। किसी व्यक्ति के लापता होने की शिकायत मिलते ही पुलिस के लिए तुरंत एफआईआर दर्ज करना अनिवार्य है, खासकर यदि मामला नाबालिग से जुड़ा हुआ है।

जन गण मन से पहले गाया जाएगा वंदे मातरम

-स्कूलों में राष्ट्रगीत के बाद शुरू होगी पढ़ाई ; सिनेमाघरों को छूट

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' को लेकर नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। गृह मंत्रालय ने आदेश में कहा है कि अब सरकारी कार्यक्रमों, स्कूलों या अन्य औपचारिक आयोजनों में 'वंदे मातरम' बजाया जाएगा। इस दौरान हर व्यक्ति का खड़ा होना अनिवार्य होगा। यह आदेश 28 जनवरी को जारी हुआ, लेकिन मीडिया में इसकी जानकारी 11 फरवरी को आई। आदेश में साफ लिखा है कि अगर राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' और राष्ट्रगान 'जन गण मन' साथ में गाए या बजाए जाएं, तो पहले वंदे मातरम गाया जाएगा। इस दौरान गाने या सुनने वालों को सावधान मुद्रा में खड़ा रहना होगा।

आदेश के मुताबिक सभी स्कूलों में दिन की शुरुआत राष्ट्रगीत बजाने के बाद ही होगी। नए नियमों के अनुसार, राष्ट्रगीत के सभी 6 अंतरे गाए जाएंगे, जिनकी कुल अवधि 3 मिनट 10 सेकेंड है। अब तक मूल गीत के पहले दो अंतरे ही गाए जाते थे। हालांकि, आदेश में यह भी कहा गया है किन-किन मौकों पर राष्ट्रगीत गाया जा सकता है, इसकी पूरी लिस्ट देना संभव नहीं है। यह पहली बार है जब राष्ट्रगीत के गायन को लेकर डिटेल में प्रोटोकॉल जारी किए गए हैं। केंद्र इस समय वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में कार्यक्रम मना रहा है।

राष्ट्रपति के आगमन और झंडारोहण जैसे कार्यक्रमों में गाया जाएगा

नई गाइडलाइन के अनुसार, तिरंगा फहराने, किसी कार्यक्रमों में राष्ट्रपति के आगमन, राष्ट्र के नाम उनके भाषणों और संबोधनों से पहले और बाद में, और राज्यपालों के आगमन और भाषणों से पहले और बाद में सहित कई आधिकारिक अवसरों पर वंदे मातरम बजाना अनिवार्य होगा। मंत्रियों या अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तियों की मौजूदगी वाले गैर-औपचारिक लेकिन जरूरी कार्यक्रमों में भी राष्ट्रगीत सामूहिक रूप से गाया जा सकता है, बशर्ते इसे पूरा सम्मान और शिष्टाचार के साथ पेश किया जाए। 10 पेजों के आदेश में, सिविलियन पुरस्कार समारोहों, जैसे कि पद्म पुरस्कार समारोह या ऐसे किसी भी कार्यक्रम में जहां राष्ट्रपति उपस्थित हों, वहां भी वन्दे मातरम बजाया जाएगा।

सिनेमा हॉल में लागू नहीं होंगे नए नियम

हालांकि, सिनेमा हॉल को नए नियमों से दूर रखा गया है। यानी सिनेमाघरों में फिल्म शुरू होने से पहले 'वंदे मातरम' बजाना और खड़ा रहना अनिवार्य नहीं होगा। वहीं अगर किसी न्यूजरील या डॉक्यूमेंट्री फिल्म के हिस्से के रूप में राष्ट्रगीत बजाया जाता है, तो दर्शकों के लिए खड़ा होना जरूरी नहीं होगा। मंत्रालय ने कहा कि ऐसी स्थिति में खड़े होने से प्रदर्शन में व्यवधान और अव्यवस्था हो सकती है। मंत्रालय ने कहा है कि अब से राष्ट्रगीत का आधिकारिक संस्करण ही गाया या बजाया जाएगा और इसे सामूहिक गायन के साथ प्रस्तुत किया जाएगा।

बेटे सिद्धू मूसे वाला के लिए इंसाफ दिलाने धरने पर बैठे... माता-पिता और छोटा सिद्धू

मानसा (एजेंसी)। अपने बेटे को इंसाफ दिलाने के लिए डीआईजी बठिंडा हरजीत सिंह को मिलने पहुंचे पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसे वाला की माता चरण कौर और पिता बलकौर सिंह एसएसपी दफ्तर के बाहर धरने पर बैठ गए, तब उनके साथ उनका छोटा सिद्धू भी मौजूद था। सिंह का आरोप था कि उन्होंने साल 2025 के दौरान डीजीपी को सिद्धू मूसे वाला कत्ल मामले में शामिल तीन लोगों के नाम की लिस्ट देकर कार्रवाई करने की मांग कर शिकायत दी थी जिसकी फाइल मानसा पुलिस के पास पहुंच चुकी है, लेकिन मानसा पुलिस ने उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं की है। उन्होंने आरोप लगाया कि मानसा पुलिस उन्हें इंसाफ देने के बजाय गैंगस्टरों पर कार्रवाई करने के बजाय उन्हें पुलिस कस्टडी से भगाया गया, उन्होंने पंजाब पुलिस की भूमिका पर सवाल उठने कहा के उन्हें अब तक इंसाफ नहीं दिया गया।

2022 में हुई थी हत्या - बता दें, सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह पिछली पेशी पर अपने बेटे की थार गाड़ी को अदालत में लेकर पहुंचे थे। सिद्धू मूसेवाला का 29 मई 2022 को मानसा जिले के गांव जवाहरके में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने दो शूटर्स जगरूप रूप और मनु कोसा को अमृतसर जिले में एनकाउंटर के दौरान मार गिराया गया था। वहीं इस मामले में अब नामजद लॉरेंस बिश्नोई और जग्गू भगवानपुरिया की लगातार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेशी हो रही है।

एण्डटीवी लेकर आया है इस वैलेंटाइन डे पर 'इंडिया का लव लैंग्वेज'

एजेंसी

मुंबई : एण्डटीवी हमेशा से ऐसी कहानियों के लिए जाना जाता है जो हमारे घरों, हमारी जिंदगी और हमारी हंसी-खुशी से जुड़ी हों। इस वैलेंटाइन डे, चैनल ने यही सोच स्क्रीन से बाहर भी ले जाने का फैसला किया है। एण्डटीवी ने एक खास पहल शुरू की है, जो दिखाती है कि प्यार अक्सर शब्दों में नहीं, बल्कि छोटे-छोटे कामों, साथ निभाने और रोजमर्रा के अंदाजों में छुपा होता है।

'इंडिया का लव लैंग्वेज' नामक यह कैम्पेन इस बात को सामने लाता है कि हमारे यहाँ प्यार अक्सर छोटे-छोटे अंदाज में दिखता है। खासकर पुरुषों में, जो अपने प्यार को ज्यादातर खुलकर नहीं जताते। मगर प्यार हमेशा महसूस होता है-किसी की मदद करने में, रोजमर्रा की देखभाल में, साथ हंसने-खेलने में या बस चुपचाप साथ देने में। एण्डटीवी इस पहल के जरिए लोगों को प्रोत्साहित करता है कि वे अपने प्यार को आसान, सीधे तरीके से और दिल से जताएँ।

इस सोच को महसूस कराने के लिए, एण्डटीवी ने दिल्ली में एक खास एक्टिवेशन किया। यहाँ गुलाब को प्यार का सरल लेकिन असरदार प्रतीक बनाया गया। जोरदार इजहार या दिखावटी रोमांस की जगह, यह पहल लोगों को हल्की सी प्रेरणा देती है-किसी खास व्यक्ति को गुलाब देकर अपने प्यार को जताने की। इस अंदाज को. बेहद सहज और निजी रखा गया है, जो यह साबित करता है कि प्यार जताने के लिए किसी खास मौके या बड़े इजहार की जरूरत नहीं होती।

इस पहल का सबसे अहम हिस्सा है 'भाबीजी घर पर हैं 2.0' जो एण्डटीवी की सोच को पूरी तरह दशार्ता है। हल्के-फुल्के ह्यूमर और रोजमर्रा के रिश्तों के लिए जाना जाने वाला यह शो दिखाता है कि प्यार छोटे-छोटे अंदाजों, साथ बिताए पलों और अनकही समझ से व्यक्त होता है। इसी वजह से संदेश 'आपके प्यार के लिए एक अनोखा तोहफा-सही पकड़े हैं' बिल्कुल फिट बैठता है और शो इस कैम्पेन से सीधे जुड़ जाता है।

इस पहल के बारे में बात करते हुए, कावेरी दास, चीफ चैनल ऑफिसर, एण्डटीवी और बिजनेस हेडने कहा, 'एण्डटीवी में हमारा मानना है कि सबसे असरदार कहानियाँ वही होती हैं जो असली जिंदगी को दिखाती हैं।

अपने बयान पर स्पष्टीकरण दें वर्ना विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव का सामना करने को तैयार रहें

-संसदीय कार्य मंत्री रिजिजू ने दी राहुल गांधी को चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, (ईएमएस)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के हालिया बयान को लेकर सियासी विवाद गहरा गया है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को चेतावनी दी कि यदि राहुल गांधी शाम 5 बजे तक अपने बयान पर स्पष्टीकरण या माफी नहीं मांगते हैं तो सरकार उनके खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव लाएगी। संसदीय मंत्री रिजिजू ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने सदन में ÷गलतबयानी÷ कर सदन को गुमराह किया है। उन्होंने कहा, हम सदन को गुमराह करने और बेबुनियाद बयान देने के लिए राहुल गांधी के खिलाफ प्रिविलेज नोटिस फाइल करने जा रहे हैं। लोकसभा और राज्यसभा में प्रक्रिया और आचरण के स्पष्ट नियम हैं। यदि कोई सदस्य किसी अन्य सदस्य पर गंभीर आरोप लगाना चाहता है, तो उसे पहले नोटिस देना होता है और आरोप को प्रमाणित भी करना होता है। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सरकार पर यह आरोप लगाया कि उन्होंने भारत और भारतीय हितों को बेच दिया है। रिजिजू ने सवाल उठाया, किस आधार पर? बिना नोटिस दिए उन्होंने केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को सदन में बुलाकर अपने आरोपों को साबित करने का अवसर दिया जाना चाहिए। रिजिजू ने यह भी आरोप लगाया कि राहुल गांधी जानबूझकर ऐसा करते हैं। उन्होंने कहा, उनका भाषण आम तौर पर आरोपों से भरा होता है और उसके बाद वे सदन से चले जाते हैं। वे मंत्रियों का जवाब सुनने के लिए नहीं बैठते। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि विपक्ष के नेता के पद पर गंभीरता का अभाव दिखता है। भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने भी पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर राहुल गांधी पर संसदीय परंपराओं को आहत करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि संसद लोकतंत्र में उच्चतम मानकों और मर्यादाओं का प्रतीक है, लेकिन हाल की घटनाओं ने इसकी गरिमा को ठेस पहुंचाई है। त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि गांधी ने अपनी भाषा और शैली से संसदीय विमर्श का स्तर गिराया है। दरअसल, लोकसभा में केंद्रीय बजट पर चर्चा के दौरान राहुल गांधी ने अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को लेकर सरकार पर निशाना साधा था। उन्होंने इसे 'होलसेल सरेंडर' करार देते हुए कहा था कि यह समझौता बराबरी की शर्तों पर नहीं हुआ है और किसानों के हितों को नुकसान पहुंचाया गया है। राहुल गांधी ने यहां तक कहा कि सरकार ने 'भारत माता को बेच दिया।'

कांग्रेस से गठबंधन रहेगा, सत्ता-साझाकरण व्यवस्था तमिलनाडु के लिए उपयुक्त नहीं: स्टालिन

-कुछ कांग्रेसी नेताओं ने डीएमके के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री पद की उठाई थी मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)।तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने बुधवार को कांग्रेस और अन्य पार्टियों के साथ गठबंधन के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं, क्योंकि राज्य में इस साल के अंत में चुनाव होने वाले हैं। स्टालिन ने कांग्रेस जैसे डीएमके के सहयोगियों के साथ किसी भी प्रकार के साझा शासन को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया है। हाल ही में कांग्रेस के अंदर कुछ नेताओं ने डीएमके के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री पद की मांग उठाई थी। स्टालिन ने कहा कि सत्ता-साझाकरण व्यवस्था तमिलनाडु के लिए उपयुक्त नहीं है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्टालिन ने कहा कि शासन में हिस्सेदारी की मांग तमिलनाडु पर लागू नहीं होती। वे इसे हमसे बेहतर जानते हैं। यह नारा उन लोगों की सोची-समझी साजिश है जो हमें एकजुट नहीं देख सकते। तमिलनाडु के सीएम ने संकेत दिया कि राज्य में चुनाव होने पर कांग्रेस सहयोगी बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि हमारा गठबंधन सौहार्दपूर्ण है। मीडिया जानबूझकर कुछ अनावश्यक धारणाएं बना रहा है।

सीएम स्टालिन ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ अपने संबंधों को दोनों पार्टियों के बीच निरंतर गठबंधन का एक अहम तत्व बताया। राहुल गांधी ने डीएमके नेता कनिमोझी से बातचीत करके गठबंधन में तनाव कम करने में अग्रणी भूमिका निभाई है ताकि कांग्रेस डीएमके के साथ बनी रहे। स्टालिन ने कहा कि राहुल गांधी मेरे भाई जैसे हैं, वे मेरे परिवार के सदस्य हैं। उन्होंने खुद भी कई बार कहा है कि हमारा रिश्ता राजनीति से परे है। इससे पहले, तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सेल्वा पेरुंथगई ने भी संकेत दिया था कि डीएमके-कांग्रेस गठबंधन अंतिम रूप से तय है और औपचारिक सीट बंटवारे की बातचीत 22 फरवरी से शुरू होगी।

उन्होंने कहा कि डीएमके के नेतृत्व वाला गठबंधन बेहद मजबूत गठबंधन है। जनता पहले ही यह प्रमाणित कर चुकी है कि यह सरकार बनी रहेगी। हमें लगातार जीत हासिल करने में कोई संदेह नहीं है। सब कुछ अच्छा ही हो रहा है। 22 तारीख को होने वाली गठबंधन बातचीत सफलतापूर्वक संपन्न होगी।

भारत की स्पैम ढाल : ट्रूकॉलर कम्युनिटी ने 2025 में लगभग 1,200 करोड़ अनचाही कॉल्स को रोका

एजेंसी

मुंबई : 2025 में भारत में लोगों को 4,000 करोड़ से ज्यादा स्पैम कॉल आए, जो धोखाधड़ी, परेशानी और डिजिटल जोखिम के बढ़ते खतरे को दिखाते हैं। भारत में हर फोन कॉल का अपना महत्व होता है—यह अवसरों के द्वार खोल सकती है, जरूरी जानकारी पहुंचा सकती है या लोगों को गंभीर खतरे में भी डाल सकती है। जैसे-जैसे देश विकसित भारत के लक्ष्य के तहत तेजी से डिजिटल और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है, वैसे-वैसे संचार पर भरोसा प्रगति की एक अहम नींव बन गया है।

ट्रूकॉलर की नई रिपोर्ट बताती है कि इनमें से 1,189 करोड़ अनचाही कॉल उपयोगकताओं तक पहुँचने से पहले ही ब्लॉक कर दी गईं। इससे लाखों लोगों को ठगी, समय की बर्बादी और बेवजह के तनाव से बचाया जा सका, खासकर ऐसे समय में जब देश की अर्थव्यवस्था तेजी से डिजिटल रूप से जुड़ रही है। देश में 100 करोड़ से ज्यादा सक्रिय फोन कनेक्शन हैं, जो व्यापार, शासन और व्यक्तिगत रिश्तों को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। ऐसे में ट्रूकॉलर ने आज अपनी 2025 इंडिया इनसाइट्स रिपोर्ट जारी की है, जो डेटा के जरिए यह दिखाती है कि स्पैम और धोखाधड़ी देश के संचार के माहौल को कैसे बदल रहे हैं और टेक्नोलॉजी हर दिन करोड़ों लोगों की सुरक्षा कैसे कर रही है। यह रिपोर्ट 2025 के दौरान लिए गए इन निर्णयों के प्रभाव को सामने लाती है, साथ ही डिजिटल जोखिम के व्यापक स्तर और उससे बचाव के बढ़ते महत्व को भी स्पष्ट करती है।

ऐसे देश में जहां कनेक्टिविटी हर स्तर पर अवसरों को आगे बढ़ा रही है, वहाँ भरोसा हमारी सबसे कीमती डिजिटल संपत्ति बन गया है, ट्रूकॉलर के सीईओ रिशित झुनझुनवाला ने कहा। आज धोखाधड़ी सिर्फ एक तकनीकी समस्या नहीं है, बल्कि एक मानवीय समस्या भी है। यह उन पलों में डर, जल्दबाजी और अनिश्चितता का फायदा उठाती है जो सबसे ज्यादा मायने रखते हैं।

15 से 25 फरवरी तक वॉरशिप का मेला, ईरान-रूस के वॉरशिप एक ही कतार में

-पहली बार फिलीपींस और यूएई के वॉरशिप इस आईएफआर में कर रहे डेब्यू

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। विशाखापत्तनम में 15 से 25 फरवरी तक वॉरशिप का मेला लगने वाला है। सुप्रीम कमांडर द्रौपदी मुर्मु का प्रेसिडेंशियल यॉट जब फ्लीट रिव्यू के लिए निकलेगा, तो दुनिया भर के वॉरशिप और नेवल पर्सनल सेल्यूट करते नजर आएंगे। रूस और अमेरिका के बीच चाहे कितनी भी खींचतान हो, लेकिन भारतीय नौसेना द्वारा आयोजित इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू में दोनों ही देश अपने वॉरशिप के साथ मौजूद रहेंगे।

नौसेना के मुताबिक रूस की ओर से फ्रिगेट आरएफ़एस मार्शल शापोशनिकोव और अमेरिका की ओर से गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर पिंकनी हिस्सा ले रहे हैं। रूस और अमेरिका के वॉरशिप के साथ उसी कतार में ईरान का फ्रिगेट भी खड़ा दिखाई देगा। इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू में ईरानी नौसेना अपना फ्रिगेट डेना शामिल कर रही है। साल 2026 के आईएफआर में दुनिया के कुल 137 देशों को न्योता दिया है। 70 से ज्यादा देशों ने अपनी हिस्सेदारी की सहमति दी है। इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू में भारत के तकरीबन 70 से ज्यादा वॉरशिप और सबमरीन शामिल होंगे, वहीं 20 से ज़्यादा विदेशी जंगी जहाज भी आ रहे हैं।

पहली बार फिलीपींस और यूएई के वॉरशिप इस आईएफआर में हिस्सा ले रहे हैं। साथ ही पहली बार जर्मनी के मेरीटाइम पेट्रोल एयरक्राफ्ट पी-8 भी फ्लीट रिव्यू का हिस्सा बनेंगे। फिलीपींस का गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट मिगेल मालवार और यूएई नेवी का वॉरशिप अल अमारात फ्लीट रिव्यू में शामिल होंगे। फ्लाई-पास्ट में जर्मनी का लॉन्ग रेंज मेरीटाइम पेट्रोल एयरक्राफ्ट पी-8 भी उड़ान भरेगा। समय के साथ मित्र देशों की नौसेनाओं के साथ भारतीय नौसेना की भागीदारी लगातार बढ़ती जा रही है।

बता दें 17 फरवरी 2001 को राष्ट्रपति के आर नारायणन ने आईएनएस सुकन्या से फ्लीट का निरीक्षण किया था। पहले आईएफआर में 20 देशों के 97 वॉरशिप शामिल हुए थे, जिनमें 73 भारतीय और 24 विदेशी वॉरशिप थे। आईएफआर का दूसरा संस्करण विशाखापत्तनम में साल 2016 में आयोजित किया गया था। बंगाल की खाड़ी में आयोजित इस आईएफआर में पहले से ज्यादा देशों की नौसेनाओं ने हिस्सा लिया। कुल 50 देशों के तकरीबन 100 वॉरशिप पहुंचे थे। भारतीय समुद्री क्षेत्र में यह अब तक का सबसे बड़ा वॉरशिप जमावड़ा था।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 7903538992, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**